सूर्योदय दि. 30-09-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

काइली जेनर मैं हमेशा से एक...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 180 | नई दिल्ली, गुरूवार 30 सितंबर-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

दिल्ली सरकार का फैसला, दिवाली के बाद खुलेंगे 6 से 8वीं तक के स्कूल

स्कूलों के अलावा दशहरा, दीवाली आदि त्योहारों में मेले, झूले, समेत गतिविधियों की इजाजत नहीं

नई दिल्ली.एजेंसी

कोराना महामारी के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आठवीं तक के सभी स्कूलों में बच्चों की मौजूदगी के साथ कक्षाएं फिलहाल संचालित नहीं की जाएंगी लेकिन ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में बुधवार को दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की 25वीं बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा विशेषज्ञों की राय के आधार पर प्रस्तुत रिपोर्ट की समीक्षा के बाद यह फैसला किया है। विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार त्योहारों के बाद स्कूलों को फिर से खोलने का निर्णय लिया गया, ताकि बाकी कक्षाएं पूरी की जा सकें। दिल्ली सरकार के मंत्रियों सत्येंद्र जैन एवं कैलाश गहलोत के अलावा नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी के पॉल, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्था (एम्स) के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के महानिदेशक प्रोफेसर बलराम भार्गव, एनसीडीसी के डॉ एस के सिंह समेत दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के संबंधित वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद थे। स्कूलों के अलावा दशहरा, दीवाली आदि त्योहारों में मेले, झूले, स्टॉल्स समेत गतिविधियों की इजाजत नहीं देने का फैसला बैठक में लिया गया, जिनकी वजह से लोगों की भीड़ उमड़ने की संभावना हो। कोविड-19 के संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों का पालन करवाने के साथ-साथ कोविड का टीका लगाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा लोगों को करोना के मद्देनजर सरकार द्वारा तय व्यवहार अपनाने के लिए लोगों को जागरूक करने पर बल दिया गया। बैठक में कोविड टीकाकरण के लिए रणनीति में बदलाव पर जोर दिया गया। इसके तहत सरकारी कर्मचारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं कर्मचारी, स्कूल में शिक्षक और कर्मचारियों, ऑटो / टैक्सी और बस चालकों को टीका लगाने पर जोर दिया गया। यह भी फैसला लिया गया कि बुजुर्गों, दिव्यांगों और घरेलू सहायकों के लिए शिविरों और मोबाइल वैन के माध्यम से टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। कोविड के मद्देनजर संबंधित विभागों/एजेंसियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर बैठक में संतोष व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में कोरोना संक्रमण के आंकड़ों में किसी भी प्रकार के उछाल को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए आवश्यक निर्देशों के पालन पर जोर दिया गया। टेस्ट, ट्रैक, उपचार और टीकाकरण की रणनीति को जारी रखने का निर्णय लिया गया। कोविड से जुड़े सभी पहलुओं से लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष रूप से स्थानीय मीडिया के माध्यम से प्रभावी सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कोविड को लेकर त्योहारी मौसम के संदर्भ में केंद्र सरकार जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए प्रभावी प्रबंधन करने का निर्देश मुख्य सचिव को दिया गया।

> **सरकार के मंत्रियों सत्येंद्र जैन एवं कैलाश गहलोत के अलावा नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी के पॉल, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्था (एम्स) के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के महानिदेशक प्रोफेसर बलराम भार्गव, एनसीडीसी के डॉ एस के सिंह समेत दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के संबंधित वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद थे।**

> **स्कूलों के अलावा दशहरा, दीवाली आदि त्योहारों में मेले, झूले, स्टॉल्स समेत गतिविधियों की इजाजत नहीं देने का फैसला बैठक में लिया गया, जिनकी वजह से लोगों की भीड़ उमड़ने की संभावना हो। कोविड-19 के संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों का पालन करवाने के साथ-साथ कोविड का टीका लगाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा लोगों को करोना के मद्देनजर सरकार द्वारा तय व्यवहार अपनाने के लिए लोगों को जागरूक करने पर बल दिया गया।**

स्कूली बच्चों के लिए प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी

नई दिल्ली.ओपन सर्च

सरकार ने पांच साल की अवधि के लिए सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में बच्चों को ताज़ा भोजन उपलब्ध कराने के लिए 'प्रधानमंत्री पोषण' की राष्ट्रीय योजना को जारी रखने की मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस निर्णय के बारे में संवाददाता सम्मेलन में जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री पोषण योजना एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसमें सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के कक्षा आठ तक के सभी स्कूली बच्चों को शामिल किया गया है। इस योजना को 'मध्याह्न भोजन योजना' (मिड डे मील) के नाम से जाना जाता था। पोषण योजना के जरिये 'मिड डे मील' योजना का विस्तार किया गया है। यह योजना बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन को सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से 54061.73 करोड़ रुपए और राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से?? 31,733.17 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाएगा। इसके अलावा केंद्र सरकार इस पोषण योजना के लिए खाद्यान्न पर लगभग 45,000 करोड़ की अतिरिक्त लागत भी वहन करेगी। इस योजना का कुल बजट 1,30,794.90 करोड़ होगा। श्री ठाकुर ने कहा, देश भर के 11.20 लाख स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 11.80 करोड़ बच्चे पोषण योजना में शामिल हैं। वर्ष 2020-21 के दौरान, भारत सरकार ने इस योजना में 24,400 करोड़ से अधिक खर्च किया। उन्होंने कहा कि इस योजना में सामुदायिक भागीदारी को सुनिश्चित किया जाएगा। विशेष अवसरों या त्योहारों पर बच्चों को विशेष प्रकार के व्यंजन परोसे जाएंगे। श्री ठाकुर ने कहा कि बच्चों को प्रकृति और बागवानी का प्रत्यक्ष अनुभव देने के लिए सरकार स्कूलों में उद्यान के विकास को बढ़ावा दे रही है। इन बगीचों की फसल का उपयोग कर पौष्टिक फल सब्ज़ियां बच्चों के भोजन में शामिल की जाएंगी। तीन लाख से अधिक स्कूलों में स्कूल पोषण उद्यान पहले ही विकसित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यंजनों को बढ़ावा देने के लिए ग्राम स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक भोजन पकाने की प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। श्री ठाकुर ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देकर इस पोषण योजना के कार्यान्वयन में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और महिला स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा।

> **पोषण योजना के जरिये 'मिड डे मील' योजना का विस्तार किया गया है। यह योजना बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन को सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से 54061.73 करोड़ रुपए और राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से 31,733.17 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जाएगा।**

एक नज़र

सेना के लिए 25 हैलीकॉप्टर, गोला बारूद खरीदने को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी) रक्षा मंत्रालय की रक्षा खरीद परिषद ने 13 हजार 165 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय सेना के लिए 25 एडवांस्ड लाइट हैलीकॉप्टर (एएलएच), टर्मिनली गाइडेड म्यूनेशन्स (टीजीएम) और रॉकेट एम्युनेशन खरीदने के प्रस्तावों को आज मंजूरी दे दी। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत 87 प्रतिशत खरीद घरेलू स्रोतों की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में यहां हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इन प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 25 एएलएच मार्क-3 हैलीकॉप्टरों को 3850 करोड़ रुपये की लागत से हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), टीजीएम एवं रॉकेट एम्यूनेशन 4962 करोड़ रुपये की लागत से तथा अन्य सामग्री 4353 करोड़ रुपए की लागत से खरीदने को मंजूरी प्रदान की।

श्याम सुंदर ज्याणी लैंड फॉर लाइफ अवार्ड से सम्मानित

जयपुर (एजेंसी) राजस्थान के प्रोफेसर श्यामसुंदर ज्याणी को भूमि संरक्षण का दुनिया का सर्वोच्च पुरस्कार लैंड फॉर लाइफ अवॉर्ड से नवाजा गया है। मंगलवार को चीन के बून में आयोजित ऑनलाइन वैश्विक समारोह में अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी के तहत पारिवारिक वानिकी के लिए उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रो. ज्याणी की उपलब्धि पर राज्य के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। श्रीगंगानगर जिले की रायसिंहनगर तहसील के गांव 12 टीके निवासी और वर्तमान में बीकानेर के राजकीय डूंगर कॉलेज में समाजशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर ज्याणी ने बताया कि गत 17 जून को अमरीकी देश कोस्टारिका में विश्व मरुस्थलीकरण दिवस के वैश्विक आयोजन में भूमि संरक्षण में अति विशिष्ट योगदान के लिए उन्हें विजेता घोषित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र संघ के भूमि संरक्षण सम्बंधी इकाई यूएनसीसीडी द्वारा प्रति दो वर्ष के अंतराल पर भूमि संरक्षण में अति विशिष्ट योगदान के लिए दुनियाभर से किसी एक व्यक्ति या संगठन को यह पुरस्कार दिया जाता है। अगले वर्ष मई में अफ्रीकी देश आइवरी कोस्ट में जब सदस्य देशों के वैश्विक सम्मेलन आयोजित होगा, उसमें प्रो. ज्याणी को विशेष उद्बोधन के लिए आमंत्रित किया जाएगा और तब उन्हें यह ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

मध्यप्रदेश, गुजरात की दो रेललाइनों के दोहरीकरण को मंजूरी

नई दिल्ली.धर्मेन्द्र सिंह लोधी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मध्य प्रदेश और गुजरात की दो महत्वपूर्ण रेल लाइनों के दोहरीकरण करने को आज स्वीकृति दी जिस पर दो हजार करोड़ रुपए से अधिक की लागत आयेगी और यह काम तीन साल में पूरा हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में ये निर्णय लिये गये। सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि बैठक में मध्य प्रदेश में रतलाम - नीमच 132.92 किलोमीटर की लाइन के दोहरीकरण का निर्णय लिया गया है जिसपर 1095.88 से 1184.67 करोड़ रुपये के बीच लागत आयेगी। इससे आसपास के क्षेत्रों में सीमेंट, टैक्सटाइल उद्योगों के साथ पर्यटन क्षेत्र को भी लाभ मिलेगा। वर्तमान में इस लाइन पर यातायात दबाव 145 फीसदी से अधिक है। दोहरीकरण के बाद रेलवे को इस मार्ग से माल ढुलाई में 5.67 से 9.45 टन प्रतिशत का इजाफा होने का अनुमान है।

श्री ठाकुर ने कहा कि गुजरात में राजकोट कानालुस 111.20 किलोमीटर की रेल मार्ग का भी दोहरीकरण करने का फैसला किया गया है जिस पर 1080.58 से 1168.13 करोड़ रुपये के बीच लागत आने का अनुमान है। इससे द्वारका ओखा पोरबंदर में रेल यातायात को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। इस लाइन पर वर्तमान में 157 प्रतिशत से अधिक यातायात दबाव है। इससे सौराष्ट्र क्षेत्र में मालवहन एवं यात्री गाड़ियों के आवागमन को आसान बनाया जा सकेगा। श्री ठाकुर ने कहा कि दोनों लाइनों का दोहरीकरण तीन साल के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

कैप्टन अमरिंदर की अमित शाह से भेंट पर पंजाब में सियासत गर्माई, बड़ा सवाल- क्या होगा पूर्व सीएम का अगला कदम

चंडीगढ़ (एजेंसी)

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की आज शाम केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद राज्य की सियासत गर्मा गई। इस मुलाकात के बाद पंजाब के सियासी गलियारे में कयासबाजी तेज हो गई। इन सबके बीच बड़ा सवाल उठ रहा है कि कैप्टन का अगला कदम क्या होगा।

दूसरी ओर, पंजाब की राजनीति में किसान आंदोलन के कारण विरोध का सामने कर रही भाजपा को इससे राज्य में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। यदि कैप्टन भाजपा के करीब आते हैं तो 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में सियासी समीकरण काफी बदल जाएगा। सियासी जानकारों का कहना है कि किसान आंदोलन को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाने वाले कैप्टन अमरिंदर सिंह की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद पंजाब में सियासी समीकरण बदलने के आसार हैं। इस घटना क्रम से पंजाब की सियासत में हलचल तेज हो गई है। पूरे घटनाक्रम से कांग्रेस के नेता सकते में हैं। पंजाब के राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यदि कैप्टन अमरिंदर भाजपा में शामिल होते हैं या उसके करीब जाते हैं तो कांग्रेस के लिए पंजाब में बड़ा झटका होगा।

जानकारों का कहना है कि सिद्धू के पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफे के बाद यदि कैप्टन पार्टी छोड़ते हैं तो कांग्रेस के लिए स्थिति न घर के रहे न घाट के वाली हो जाएगी। कैप्टन अमरिंदर सिंह के सीएम रहते पंजाब में कांग्रेस विधानसभा चुनाव में फिलहाल सबसे आगे लग रही थी, लेकिन सिद्धू को खुली छूट देना भारी पड़ता दिख रहा है। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपने सभी सियासी विकल्प खुले रहने की बात की थी। इसके बाद मंगलवार को अचानक उनके दिल्ली जाने से पंजाब की राजनीति में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया था। उस समय कैप्टन अमरिंदर सिंह के मीडिया सलाहकार रहे रवीन ठुकराल ने इन चर्चाओं को महज अटकलाबाजी करार दिया था।

कैप्टन अमरिंदर सिंह के भाजपा से करीब जाने से भाजपा को पंजाब में बड़ी सियासी संजीवनी मिलेगी। इसके साथ ही 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव बेहद रोचक हो जाएगा। पूरे मामले में सवाल यह भी है कि क्या कैप्टन अमरिंदर सिंह किसानों का आंदोलन खत्म कराने में क्या भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही यह भी कयासबाजी चल रही है कि कैप्टन को भाजपा में शामिल होने पर बड़ी भूमिका मिल सकती है।

देश में लगातार दूसरे दिन 20 हजार से कम मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में कोरोना वायरस की धीमी पड़ती रफ्तार के बीच लगातार दूसरे दिन संक्रमण के 20 हजार से कम मामले दर्ज किये गये। इस बीच देश में मंगलवार को 54 लाख 13 हजार 332 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये और अब तक 87 करोड़ 66 लाख 63 हजार 490 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 18,870 नये मामलों की पुष्टि की गयी, जिससे संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 37 लाख 76 हजार 351 हो गया है। इसी दौरान 28,178 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर तीन करोड़ 29 लाख 86 हजार 180 हो गयी है। सक्रिय मामले 9686 घटकर दो लाख 82 हजार 520 रह गये हैं। वहीं 378 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 4,47,751 हो गया है। देश में रिकवरी दर बढ़कर 97.83 प्रतिशत हो गयी है और सक्रिय मामलों की दर घटकर 0.84 पर आ गयी है जबकि मृत्यु दर 1.33 फीसदी पर बरकरार है। सक्रिय मामलों के हिसाब से केरल अभी देश में पहले स्थान पर हैं और पिछले 24 घंटों में यहां 7802 सक्रिय मामले घटे हैं जिससे इनकी संख्या अब 149931 रह गयी है। वहीं 18849

मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 4478042 हो गयी है। इसी अवधि में सर्वाधिक 149 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 24810 हो गयी है। महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 1029 घटकर 40367 रह गये हैं जबकि 60 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 138962 हो गयी है। वहीं कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 6365277 हो गयी है।

जल्द बुलायी जाए कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक : सिब्बल

कपिल सिब्बल ने राहुल-सोनिया से पूछा सवाल, जब अध्यक्ष नहीं तो कौन ले रहा फैसले

नई दिल्ली.ओपन सर्च

> ***कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी या पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का सीधे नाम तो नहीं लिया, पर कहा कि आज कांग्रेस ऐसी पार्टी है जिसका कोई निर्वाचित अध्यक्ष नहीं है।***

> ***कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक जल्द बुलाई जानी चाहिए। श्री सिब्बल ने यह भी कहा, हम जी हुजूर 23 नहीं है।' उन्होंने, हम पार्टी में खुली बातचीत चाहते हैं, एक-दूसरे को समझा जाना चाहिए।***

कांग्रेस में नेताओं के इस्तीफों की बाढ़ और पार्टी की पंजाब इकाई में ताजा संकट के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने संगठन की अधोगति पर आज पार्टी नेतृत्व को कठघरे में खड़ा किया और स्थिति पर विचार के लिए कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक तुरंत बुलाने की मांग की।

कांग्रेस में चर्चित जी-23 खेमे के प्रमुख सदस्य श्री सिब्बल ने राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी या पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का सीधे नाम तो नहीं लिया, पर कहा कि आज कांग्रेस ऐसी पार्टी है जिसका कोई निर्वाचित अध्यक्ष नहीं है।

उन्होंने पार्टी से नेताओं के छोड़ने के सिलसिले का जिक्र करते हुए सवाल किया, ऐसा क्यों हो रहा है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर कड़ा तंज किया और कहा, जो लोग 'इनके' खास समझे जाते थे, वे 'इनको' छोड़कर चले गये, जो 'इनके' साथ नहीं समझे जाते थे, वे साथ खड़े हैं।' उन्होंने कहा कि पार्टी में 'खुले संवाद' और संगठनात्मक चुनावों की जरूरत है। इससे पार्टी नीचे से ऊपर तक मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक जल्द बुलाई जानी चाहिए। श्री सिब्बल ने यह भी कहा, हम जी हुजूर 23 नहीं है।' उन्होंने, हम पार्टी में खुली बातचीत चाहते हैं, एक-दूसरे को समझा जाना चाहिए।

श्री सिब्बल ने कहा कि कांग्रेस के पास यदि निर्वाचित अध्यक्ष हो, निर्वाचित कार्यसमिति हो और निर्वाचन समिति हो, तो पार्टी नीचे से ऊपर तक मजबूत होगी। श्री सिब्बल ने कांग्रेस छोड़ कर जाने वाले से संगठन में लौटने की अपील की। उन्होंने कहा, जो कांग्रेस छोड़कर गये हैं, उन्हें वापस आना चाहिए, कांग्रेस ही भारतीय गणतंत्र को बचाने में समर्थ है। इस बीच, पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने साफ कहा कि पंजाब में जो कुछ हो रहा है, उससे केवल पाकिस्तान खुश है। पंजाब सीमावर्ती राज्य है।

यह फिलहाल कृषि कानूनों के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। ऐसी स्थिति में यदि इस तरह के षडयंत्रों का राज्य की स्थिरता पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। श्री तिवारी ने कहा, मुझे ये बात कहने में बिल्कुल भी संकोच नहीं है कि जिन लोगों को जिम्मेदारी दी गई थी, वह पंजाब को समझ नहीं पाए। चुनाव एक पहलू है, पर राष्ट्र हित दूसरा पहलू है। पंजाब की राजनीतिक स्थिरता को बहाल करने की जरूरत है। श्री सिद्धू के इस्तीफे पर श्री तिवारी ने कहा कि श्री सिद्धू अपने लिए जवाब दे सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के बारे में श्री तिवारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह बेहद बड़े कद के नेता हैं।

उन्होंने जो भी कहा, वह सही साबित हो रहा है। इस समय पंजाब को सुरक्षित हाथों में रखा जाना चाहिए। गौरतलब है कि कांग्रेस में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल और कुछ अन्य राज्यों में नेताओं के छोड़ कर जाने का सिलसिला जारी है। इसमें गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री लुइजिन्हो फ्लेरियो का नाम भी जुड़ गया है। उनके सुश्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता वाली तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा है।

ड्यूमा के चुनाव के दौरान ई-मतदान प्रणाली पर हुए 900 से अधिक साइबर हमले : रूस

युज्नो सखालिंस्क (एजेंसी) रूस ने कहा है कि उसकी संसद के निचले सदन ड्यूमा के चुनाव के दौरान रिमोट इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली को बाधित करने के उद्देश्य से 900 से अधिक साइबर हमले दर्ज किये गये। रूस की सुरक्षा

परिषद के सचिव निकोलाई पत्रुशेव ने रूस के सुदूर पूर्वी संघीय जिले में राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक बैठक में कहा, इस साल 17-19 सितंबर के चुनावों के दौरान रिमोट इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली के कामकाज को बाधित करने और दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर डालने के उद्देश्य से 900 से अधिक जटिल कंप्यूटर हमलों का पता चला था। उन्होंने बताया कि रक्षा उद्योग से जुड़े उद्यमों सहित सुदूर पूर्वी सूचना संसाधनों पर साइबर हमलों की संख्या पिछले एक साल में दोगुनी हो गयी है।

एक नज़र

युवक-युवती का मुंह काला कर गांव में घुमाया, 13 लोगों पर मामला दर्ज

गोरखपुर (एजेंसी) गोरखपुर से सटे बस्ती जिले में एक युवक और युवती का मुंह काला करके, जूते चप्पल की माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि यह घटना बस्ती जिले के गौर थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में मंगलवार को हुई। अपर पुलिस अधीक्षक दीपेंद्र चौधरी ने बताया कि गौर क्षेत्र के एक गांव में ग्रामीणों ने एक युवक और युवती के बीच प्रेम होने का आरोप लगाया और उनका मुंह काला कर, जूते चप्पल की माला पहना कर उन्हें पूरे गांव में घुमाया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में पीड़ित लड़के की मां की तहरीर पर 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शामली जिले में गोशाला में आठ गायों की मौत, लोगों ने किया प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के शामली जिले के स्थानीय निवासियों ने जिले की एक गोशाला में आठ गायों के मृत पाए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि घटना मंगलवार को आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के नगला जमालपुर गांव में हुई। मामले में जांच के आदेश दे दिए गए हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि गायों की मौत भूख से हुई। अधिकारियों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

उप्र में मुठभेड़ के बाद तीन लुटेरे गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर एक बुजुर्ग से एक लाख रुपये लूटने का आरोप है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मंगल, सोनू और अनुज को मंगलवार की शाम को गिरफ्तार किया गया।

मुठभेड़ में मंगल और सोनू को गोली लग गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन्होंने जिले के बामनहेरी इलाके में 14 सितंबर को एक व्यक्ति को कथित तौर पर लूटा था। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से 20 हजार रुपये नगद, दो देसी पिस्तौल और एक बाइक बरामद हुई है।

मुजफ्फरनगर में तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, 12 वर्षीय लड़के की मौत

मुजफ्फरनगर (एजेंसी) मुजफ्फरनगर में तेज गति से आ रही कार ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे मोटरसाइकिल पर सवार 12 वर्षीय लड़के की मौत हो गयी और उसका एक रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह हादसा मंगलवार की शाम को तावली गांव के समीप शाहपुर-मुजफ्फरनगर रोड पर हुआ। उन्होंने बताया कि अहमद की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी जबकि जबीर को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के समय दोनों तावली गांव से मुजफ्फरनगर जा रहे थे। कार का चालक घटनास्थल से फरार हो गया। इस बीच, गुस्साए गांववालों ने दोषी को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए शाहपुर-मुजफ्फरनगर सड़क अवरुद्ध कर दी। मुजफ्फरनगर के उपमंडलीय मजिस्ट्रेट दीपक कुमार ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराया जिसके बाद सड़क फिर से खोली गयी।

हम आतंकवादी नहीं, गोरखपुर का विकास देखने आए हैं..दोस्तों ने बताया, पुलिस ने कैसे बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला

गोरखपुर (एजेंसी) हरियाणा के मेवात, नूह निवासी हरबीर सिंह व गुड़गांव के सेक्टर 48 निवासी प्रदीप कुमार का कहना है कि उनका कहना है कि उनके दोस्त व कानपुर के प्रापर्टी डीलर मनीष गुप्ता ने सोमवार की रात रामढ़ताल थाना पुलिस से सिर्फ इतना ही कहा था कि आतंकी नहीं हैं हम, गोरखपुर का विकास देखने आए हैं। उनका कहना है कि मनीष का यह कहना उसके लिए काल बन गया।

पुलिस ने उसे इतना मारा कि उसकी मौत ही हो गई। दोनों का कहना है कि गोरखपुर को लेकर उन्होंने अपने भीतर क्या-क्या सपने सजोये थे, लेकिन जैसे ही गोरखपुर का नाम सामने आ रहा है तो पुलिस की बर्बरता में यहां अक्स ही जेहन में नहीं उभर पा रहा है। दोनों बार-बार लोगों से सवाल कर रहे हैं कि मनीष का पोस्टमार्टम कब पूरा होगा। उन्हें यहां से कब जाने को मिलेगा। दोनों हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहे हैं और लोगों से कह रहे हैं कि बस एक बार यहां से जाने का मौका मिल जाए। दुबारा अपने किसी परिचित से गोरखपुर जाने के लिए नहीं कहूंगा। शहर के तारामंडल स्थित होटल कृष्णा पैलेस के कमरा संख्या 512 में ठहरे हरबीर सिंह व प्रदीप कुमार ने बताया कि हरबीर व मनीष प्रापर्टी डीलिंग का कारोबार करते हैं।

प्रदीप इवेंट मैनेजर का काम करते हैं। उनका कहना है कि तीनों दोस्तों ने काफी कुछ सुन रखा था गोरखपुर के विषय में। यहां विकास के बहुत काम हुए हैं। उन्होंने बताया कि सिकरीगंज के महदेवा बाजार निवासी चंदन सैनी, राणा प्रताप चंद व धनंजय त्रिपाठी से उनका परिचय हुआ तो लगा कि नये दोस्तों से मिलने के बहाने गोरखपुर जाना भी हो जाएगा और बदलते गोरखपुर को भी देख लेंगे। उन्होंने बताया कि वह गुड़गांव से सड़क मार्ग द्वारा गोरखपुर आये। यहां आने के बाद होटल के कमरे में बहुत आराम भी नहीं किया। अपराह्न तीन बजे भोजन करने के बाद रामगढ़ताल का भव्य नजारा देखा और मंगलवार को उनकी तैयारी थी गोरखनाथ मंदिर व गोरखपुर चिड़ियाघर देखने की, लेकिन रात में उनके साथ जो हुआ, उसके बाद उनकी हिम्मत ही नहीं पड़ रही है कि वह जीवन में कभी अब इसे देख भी सकेंगे।

पुलिस रात में कमरे में घुसी। उनका आईडी कार्ड देखा। बैग को चेक किया और उनसे जब चेकिंग को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने ताबड़तोड़ मारना शुरू कर दिया। उन्होंने इतना पीटा कि मनीष बुरी तरह से घायल हो गया और इससे उसकी मौत हो गई। - हरबीर सिंह- मनीष गुप्ता के दोस्त।

यह हैं गोरखपुर के 12 हाटस्पाट, यहां आए दिन होती हैं लूट व छिनैती की घटनाएं

गोरखपुर (एजेंसी) गोरखपुर के शहरी क्षेत्र में 12 ऐसे हाटस्पाट चिह्नित किए गए हैं, जहां बीते एक वर्ष में सर्वाधिक लूट, छिनैती व टप्पेबाजी की घटनाएं हुई हैं। पुलिस इन हाटस्पाटों पर सादी वर्दी में तैनात रहेगी। वह वहां से अपराधियों पर नजर रखेगी। यदि कोई टप्पेबाजी, लूट, छिनैती, पाकेटमारी आदि करता दिखा तो उसे वहीं दबोच लिया जाएगा और उसे गिरफ्तार करके जेल भेज दिया जाएगा। यह निर्णय सोमवार रात कैंट थाने की जटेपुर चौकी पर आयोजित अपराध संगोष्ठी के दौरान लिया गया। संगोष्ठी में एसएसपी डा.विपिन कुमार ताडा ने शहरी क्षेत्र के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह पूरी तरह से अलर्ट रहें। आपराधिक गतिविधियों पर तत्काल बदमाशों पर शिकंजा कसा जाए।

अपराध की घटनाओं को देखते हुए संदिग्धों की चेकिंग पर जोर दिया जाए। एसएसपी ने कहा कि मंगलवार से सघन वाहन जांच अभियान चलाया जाए। कोई यदि बिना वाहनों के वैध दस्तावेजों के साथ चलता मिले तो वाहनों को सीज किया जाए। 15 साला अपराधियों के सत्यापन पर जोर दिया। एसएसपी ने इसके अलावा मीटिंग में लंबित मामलों के विवेचनाओं पर जोर देने के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया। मीटिंग में एसपी सिटी सोनम कुमार सहित नगर के सभी पुलिस अधिकारी, सभी थानाध्यक्ष मौजूद रहे। गोरखपुर परिक्षेत्र में वाहन चोरियों को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। डीआइजी जे. रविंद्र गौड़ ने कहा कि पुलिस मंडल के सभी वाहन चोरों के घर जाएगी और उनका सत्यापन करेगी। किसी की गतिविधि संदिग्ध मिली तो उस पर कार्रवाई भी होगी। डीआइजी ने पुलिस के इस कदम से वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा। यह जिम्मेदारी बीट पुलिस अधिकारियों को दी गई है। वह अपने बीट क्षेत्र में जाने के दौरान वाहन चोरों के घर भी जाएं और उनके विषय में पता करें कि वह क्या कर रहे हैं।

छात्रवृत्ति में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए यूपी सरकार का बड़ा कदम, आवेदन से पहले यह जानकारी जरूरी

समाज कल्याण विभाग एनआइसी के माध्यम से ऐसा साफ्टवेयर विकसित कर रहा है, जिसमें प्रमाणपत्रों का लाइव मिलान हो सकेगा। यदि प्रमाण पत्र फर्जी है तो उसका नंबर फीड करने पर आनलाइन आवेदन पत्र जमा ही नहीं होगा।

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने चुनावी वर्ष में जहां अधिक से अधिक गरीब छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देने के लिए नियमों शिथिल किया है, वहीं इसमें फर्जीवाड़ा रोकने के लिए भी कई ठोस कदम उठाए हैं। समाज कल्याण विभाग एनआइसी के माध्यम से ऐसा साफ्टवेयर विकसित कर रहा है, जिसमें प्रमाणपत्रों का लाइव मिलान हो सकेगा। यदि प्रमाण पत्र फर्जी है तो उसका नंबर फीड करने पर आनलाइन आवेदन पत्र जमा ही नहीं होगा। यानी आय और जाति प्रमाण पत्र फर्जी हुआ तो आनलाइन आवेदन पत्र नहीं भरा जा सकेगा। समाज कल्याण विभाग ने अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति के लिए संशोधित नियमावली जारी कर दी है। प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए स्नातक में 55 फीसद अंकों की बाध्यता खत्म कर दी गई है।

यानी अब स्नातक में 50 फीसद अंक पाने वाले वे छात्र भी छात्रवृत्ति के आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है। अधिक से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति देने के लिए सरकार ने 31 जुलाई तक मान्यता पाने वाले संस्थानों के छात्रों को योजना में शामिल कर लिया है।

अभी तक मान्यता व संबद्धता की 15 जुलाई अंतिम तारीख थी। नई नियमावली के अनुसार आइटीआइ में दाखिला लेने वाले ऐसे छात्रों की शुल्क प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी, जिन्होंने कक्षा आठ या हाईस्कूल की परीक्षा छह साल पहले पास की है। सरकार ने प्रमुख सचिव समाज कल्याण की अध्यक्षता में गठित उस समिति को भी खत्म कर दिया है, जो अपने स्तर से कुछ विशेष मामलों में छात्रवृत्ति अनुमोदित कर देती थी। अब सरकार नियमावली के अनुसार ही सभी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करेगी। कोरोना काल में कक्षाएं आनलाइन चल रही हैं, ऐसे में संस्थानों की यह जिम्मेदारी होगी कि छात्रों की उपस्थिति आनलाइन पोर्टल पर दर्ज करें। बगैर परीक्षा के प्रोन्नति पाने वाले छात्रों को भी सरकार छात्रवृत्ति प्रदान करेगी। ट्रांजेक्शन फेल होने पर भी मिल सकेगी छात्रवृत्ति - दशमोत्तर छात्रवृत्ति में ट्रांजेक्शन फेल होने पर भी अब छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिल सकेगी। केंद्र सरकार ने प्रदेश सरकार को दशमोत्तर छात्रवृत्ति वितरित करने के लिए एक अलग खाता स्टेट बैंक आफ इंडिया में खोलने के निर्देश दिए हैं। अभी तक कोषागार से छात्रवृत्ति वितरित होती थी, यदि किसी वजह से ट्रांजेक्शन फेल हो जाता है तो छात्रों को पैसा नहीं मिल पाता है। एसबीआइ में खाता खोलने से ट्रांजेक्शन फेल होने पर छात्रों के बैंक खाते में को दोबारा पैसा भेजा जा सकेगा। दशमोत्तर छात्रवृत्ति में पहले 40 फीसद पैसा प्रदेश सरकार खाते में भेजेगी। इसके बाद 60 फीसद धनराशि केंद्र सरकार आधार से लिंक खाते में भेजेगी। दिव्यांग छात्रों को मिलेगा 10 फीसद अतिरिक्त - सरकार अब दिव्यांग छात्रों को छात्रवृत्ति के अलावा मिलने वाला शैक्षणिक भत्ता भी 10 फीसद अतिरिक्त प्रदान करेगी।

यानी किसी पाठ्यक्रम का यदि शैक्षणिक भत्ता एक हजार रुपये है तो दिव्यांग छात्रों को 1100 रुपये दिए जाएंगे। वहीं, भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त निजी क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रमों को अब डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ से सत्यापन कराना होगा। साथ ही दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के विभागाध्यक्ष से भी पाठ्यक्रम को संस्तुत कराना होगा। इसके बगैर छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी। आवेदन निरस्त होने पर डीएम के यहां कर सकेंगे अपील - छात्रवृत्ति के आवेदन पत्र यदि किन्हीं कारणों से जिला स्तरीय समिति निरस्त करती है तो छात्र इसकी अपील जिलाधिकारी के यहां कर सकते हैं।

जिलाधिकारी को आवेदन पत्र निस्तारित करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। इसमें जिलाधिकारी का जो भी निर्णय होगा वह अंतिम माना जाएगा। नैक व एनबीए ग्रेडिंग के लिए 2024 तक का समय - प्रदेश सरकार ने सभी सरकारी व प्राइवेट विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) व नेशनल बोर्ड आफ एक्रीडिटेशन (एनबीए) की ग्रेडिंग प्राप्त करने के लिए 2024 तक का समय प्रदान कर दिया है। इसके बाद यानी वर्ष 2025 में इसकी ग्रेडिंग न लेने वाले संस्थानों के छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पाएगी।

सीएम योगी ने लांच किया निर्भया-एक-पहल अभियान, हर जिले में प्रशिक्षण लेंगी एक-एक हजार महिलाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मिशन शक्ति के तहत निर्भया-एक पहल कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम योगी एक जनपद एक उत्पाद योजना का विशेष डाक टिकट और लिफाफा का भी विमोचन किया।

लखनऊ (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मिशन शक्ति के तीसरे चरण के तहत निर्भया-एक पहल कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रतीकात्मक रूप से कुछ महिलाओं को प्रशिक्षण किट वितरित किया। इसी के साथ प्रदेश के सभी जिलों में कुल 75000 महिलाओं को उद्यमिता की प्रशिक्षण किट का वितरण हुआ। इस मौके पर सीएम योगी एक जनपद, एक उत्पाद योजना का विशेष डाक टिकट और लिफाफा का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीन दिन तक इन महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा, फिर अगले तीन माह में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से उन्हें बैंक और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाकर उद्यम शुरू कराकर स्वावलंबी बनाया जाएगा। इस दौरान सभी 75 जिलों में एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत चिन्हित उत्पादों पर आधारित डाक लिफाफों का अनावरण भी किया गया।

सूक्ष्म एवं लघु उद्यम विभाग के निर्भया-एक पहल कार्यक्रम में संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। यदि सुरक्षा का माहौल है तो हर व्यक्ति सम्मान के साथ अपने जीवन को आगे बढ़ा सकता है। मिशन शक्ति का अभियान इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में मिशन मोड में लिया है। जिस प्रकार से एक जिला एक उत्पाद योजना पूरे देश में छा रही है, उसी प्रकार से मिशन शक्ति का यह अभियान भी पूरे देश में छा जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के तहत पूरे प्रदेश में महिला पिंक बूथ स्थापित किए गए हैं। प्रदेश के सभी थानों में महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क स्थापित की गई है।

अब मिशन शक्ति के तीसरे चरण में ग्राम पंचायत स्तर पर इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि जहां भी ग्राम सचिवालय संचालित हो रहे हैं वहां एक महिला शक्ति बूथ का गठन होना चाहिए। मिशन शक्ति फेज-3 में निर्भया-एक पहल कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में प्रति जनपद एक हजार महिलाओं का एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम व तीन दिवसीय कौशल क्षमता विकास प्रशिक्षण संचालित किया जाएगा।

इस दौरान 75 हजार महिलाओं को लाभांवित करने की योजना है। ओडीओपी उत्पाद के संबंध में भारतीय डाक विभाग के सहयोग से एक ही दिन व समय में प्रदेश के 75 विशेष लिफाफे जारी किए गए। यह सभी लिफाफे देश के विभिन्न डाकघरों में भेजे जाएंगे, जिससे उत्तर प्रदेश के ओडीओपी उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

मेट्रो से उठा पर्दा, पूजन के बाद डिपो में ट्रैक पर उतारे गए कोच

कानपुर (एजेंसी) लंबे इंतजार के बाद आखिर शहर में चलने वाली मेट्रो ट्रेन से पर्दा उठ गया। गुजरात सवाली से आए सड़क मार्ग से सोमवार की रात कानपुर पालीटेक्निक डिपो में पहुंचे मेट्रो ट्रेन के कोच बुधवार को डिपो में उतारे गए। इससे पहले यहां पर मौजूद मेट्रो एमडी कुमार केशव ने कोच का पूजन अर्चन किया और फिर मेट्रो ट्रेन की असेंबलिंग का काम शुरू किया गया। ट्रक से आए मेट्रो कोच को क्रेन के जरिए डिपो में उतारा गया और फिर उसे टोइंग मशीन से खींच कर असेंबलिंग एरिया में ले जाया गया। मेट्रो के तीनों कोच मंगलवार सुबह पालीटेक्निक डिपो पहुंचे थे। मंगलवार को पूरे दिन तीनों कोच प्रोजेक्ट डायरेक्टर के आफिस के बाहर ही खड़े रहे। मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्टर कानपुर मेट्रो की शुरुआत जल्द से जल्द करने की कवायद जारी है। इसी कड़ी में बुधवार की सुबह साढ़े चार बजे गुजरात के सावली से मेट्रो कोच पालीटेक्निक डिपो में पहुंचे थे। फिलहाल मंगलवार को उन्हें ट्रेलर से उतारा नहीं गया और ना ही इनके कवर हटाए गए हैं। बुधवार की सुबह उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक केशव कुमार डिपो पहुंचे। उनके सामने ही कवर हटाया गया और उन्होंने डिपो में प्रोजेक्ट निदेशक के आफिस के सामने खड़े ट्रेलर पर रखे कोच का पूजन किया। इसके बाद टोइंग मशीन की मदद से कोच ट्रैक पर उतारे गए। टोइंग मशीन के जरिए तीनों कोच खींचकर कवर एरिया में ले जाया गया और यहां पर उनकी असेंबड्क्षलग का काम शुरू हुआ। मेट्रो का टेक्निकल स्टाफ असेंबलिंग बाद उनकी टेड्क्षस्टग शुरू कर देगा। जल्दी काम खत्म करने का दबाव - पहली मेट्रो के कोच शहर में आने के बाद अब उत्तर मेट्रो रेल कारपोरेशन के अधिकारियों पर अपनी टाइम लाइन को लेकर काफी दबाव है। स्टेशनों पर सिविल और सिस्टम से जुड़े काम खत्म करने का प्रेशर है। इसमें उन्हें 15 नवंबर को पहला ट्रायल रन करना है, इसके बाद जनवरी में मेट्रो को चलाना है।

अनियंत्रित कार सड़क किनारे पुलिया से टकराई, दंपती सहित तीन की मौत, दो घायल

सहारनपुर (एजेंसी) बुधवार सुबह नागल क्षेत्र में देवबंद-सहारनपुर स्टेट हाईवे पर साधारण सिर चौराहे के निकट एक अनियंत्रित ब्रेजा कार सड़क किनारे पुलिया से टकरा गई। दुर्घटना में एक दंपती सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक युवक एवं एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार रेलवे रोड सहारनपुर निवासी 65 वर्षीय अशोक सलूजा अपनी पत्नी चंद्र सलूजा के साथ ब्रेजा कार से फरीदाबाद निवासी अपने साले की बरसी से वापस लौट रहे थे। उनके साथ उनके छोटे साले 64 वर्षीय मदनलाल नरूला तथा उनकी 63 वर्षीय पत्नी पिंकी नरूला निवासी कस्बा खतौली जनपद मुजफ्फरनगर भी थे।

कार को उनका लड़का अमित सलूजा चला रहा था। बुधवार सुबह करीब 5:15 बजे जब उनकी कार देवबंद नागल हाईवे पर साधारण सिर चौराहे के निकट पहुंची तो अनियंत्रित कार सड़क किनारे पुलिया में जा घुसी। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। पीछे से आ रहे हैं वाहन चालकों ने कार सवार लोगों को गाड़ी से बाहर निकाला। अशोक सलूजा एवं उसकी पत्नी चंद्र सलूजा तथा मदनलाल नरूला की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक अमित सलूजा व पिंकी नरूला गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय भिजवाया तथा उनके स्वजन को घटना की सूचना दी।

दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के क्रियान्वयन से

शहरी युवाओं को भी मिलेगा स्वरोजगार का लाभ : नगर आयुक्त/परियोजना निदेशक

व्यक्तिगत रूप से 2 लाख और समूह में 10 लाख रुपये तक लिए जा सकते हैं ऋण

ओपन सर्च ब्यूरो

गाजियाबाद। प्रदेश सरकार द्वारा शहरी क्षेत्र के युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार सेवायोजन करने हेतु महत्वाकांक्षी योजना 'मिशन रोजगार' प्रारंभ की गई है। शहरी गरीबों की आजीविका में सुधार एवं स्वरोजगार के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराए जाने एवं कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सेवायोजित कराए जाने के लिए दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन का क्रियान्वयन किया जा रहा है। नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि मिशन के स्वरोजगार कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार उपलब्ध कराए जाने हेतु बैंकों के माध्यम से अनुदान आधारित व्यक्तिगत ऋण व समूह ऋण का कार्य कराया जाता है। उक्त के साथ ही कौशल प्रशिक्षण सेवा योजना के माध्यम से शहरी गरीबों को विभिन्न ट्रेड में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर सेवायोजन एवं रोजगार उपलब्ध कराया जाना है। मिशन निदेशक राज्य शहरी आजीविका मिशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्र संख्या 2028, दिनांक 22 सितंबर 2021 में दिए गए निर्देशों के क्रम में अधिक से अधिक शहरी क्षेत्र के युवाओं को स्वरोजगार एवं सेवा योजित कराए जाने हेतु अक्टूबर महीने के अंतिम सप्ताह में तीन दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है, जिसकी सूचना पृथक से जारी की जाएगी। नगर आयुक्त/परियोजना निदेशक महेंद्र सिंह तवर द्वारा बताया गया कि जनपद गाजियाबाद के अंतर्गत डे एन यू एल एम राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत चयनित निकाय, शहर गाजियाबाद, लोनी, मुरादनगर एवं मोदीनगर के शहरी बेरोजगार युवाओं, जिनकी वार्षिक परिवारिक आय एक लाख रुपए से अधिक न हो, को इस रोजगार कार्यक्रम के अंतर्गत व्यक्तिगत ऋण अधिकतम दो लाख रुपए एवं समूह ऋण अधिकतम 10 लाख रुपए अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करने हेतु बैंकों के माध्यम से अनुदान आधारित ऋण प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऋण आवेदन का प्रारूप किसी भी कार्य दिवस में डूडा/ संबंधित निकाय से प्राप्त कर अपना आवेदन पत्र आवश्यक अभिलेखों सहित संबंधित नगर निकाय अथवा डूडा कार्यालय में 30 सितंबर से 31 अक्टूबर 2021 तक जमा कर सकते हैं। पात्र आवेदकों को बैंकों के माध्यम से स्वरोजगार स्थापित करने हेतु प्राथमिकता के आधार पर ऋण स्वीकृत कराए जाने की कार्यवाही की जाएगी। उक्त योजना से शहर के युवाओं को भी लाभ प्राप्त होगा और वह अपनी इच्छा अनुसार व्यापार शुरू कर अपने परिवार का भरण पोषण कर पाएंगे। उक्त योजना की संबंधित कार्यवाही को पूर्ण कर व्यक्तिगत ऋण या समूह ऋण प्राप्त कर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

जामताड़ा की तरह यूपी का बदायूं जिला भी बन रहा साइबर ठगों का गढ़

बरेली (एजेंसी) झारखंड का जामताड़ा जनपद साइबर अपराध के मामलों का गढ़ माना जाता है। यहां के लोग फोन पर बात करते-करते आपके खाते से पैसे चुरा लेते हैं। इनकी खास बात ये है कि ये होते तो लड़के हैं लेकिन लड़कियों की आवाज में बात करके अपने शिकार को फंसाते हैं। जामताड़ा की ही तर्ज पर अब उत्तर प्रदेश का बदायूं जिला भी उभर रहा है। साइबर अपराध की दुनिया में बदायूं के चार गांव के युवा अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

इनकी खास बात यह है कि यहां कोई पांचवीं तो कोई आठवीं तक पास है, किसी के पास हाईस्कूल तो किसी ने बस इंटरमीडिएट ही किया। न अच्छी शिक्षा है न कंप्यूटर ज्ञान, इसके बाद भी जनपद के बिसौली के गांव संग्रामपुर, लक्ष्मीपुर, पपगवां और दबतोरी गांव के लोग साइबर ठगी के माहिर हैं। महंगे मोबाइलों में नई तकनीक वाले साफ्टवेयर की उन्हें जानकारी है। कई ऐसे हैं जो खुद लड़की की आवाज निकाल कर लोगों को अपना शिकार बनाते हैं, तो कई साफ्टवेयर का सहारा लेकर लड़की बन जाते हैं। कभी हवाला के लिए चर्चा रहे यह गांव आज देश भर में साइबर ठगी के लिए जाने जा रहे हैं। यह दावा इसलिए किया गया क्योंकि देश का सायद ही कोई प्रदेश हो जहां की पुलिस इन चार गांवों में दबिश देने न पहुंची हो। बिसौली क्षेत्र के संग्रामपुर, लक्ष्मीपुर, पपगवां और दबतोरी गांव के आसपास घूमने फिरने वाले युवाओं को देखेंगे तो लगेगा कि पास में ही कोई बड़ा शहर है। युवाओं के पास महंगी और नई नई मॉडल की बाइक, हाथों में महंगे मोबाइल आम बात है। गांव के आसपास के लोग बताते हैं कि यहां के युवा साल में छह महीने गांव के बाहर रहते हैं और फिर यहीं आ जाते हैं। जब जाते हैं तो खाली हाथ लेकिन वापस आने पर उनके ठाठ देखते बनते हैं। हाल ही के दिन आई बाहर की पुलिस ने जिन नामों की जानकारी ली वह ऐसे नाम थे, जिनके बारे में पहले नहीं सुना गया। लेकिन बाद में गांव के लोगों की

आपसी चर्चा में सामने आया कि यह सभी नई उम्र के लड़के हैं, जिनका बीते कुछ दिनों से दिल्ली और दिल्ली एनसीआर के जिलों में आना जाना बढ़ गया है। हालांकि स्थानीय पुलिस की माने तो अब इन गांवों से कोई शिकायत नहीं आ रही है। बताते हैं कि स्थानीय स्तर पर कोई काम नहीं चल रहा है। महिलाएं व युवतियां भी शामिलः साइबर ठगी के लिए लोगों को फोन करने के लिए अब महिलाओं और युवतियों का भी सहारा लिया जा रहा है। कुछ युवा तो लड़कियों की आवाज में बात करते ही हैं, लेकिन धीरे धीरे पैसे के लालच में महिलाएं भी इसमें शामिल हो रही है। एक दिन पहले हमने बताया था कि कई परिवार एनसीआर के जिलों में जाकर बस गए हैं, उन परिवारों की महिलाएं ही इसमें अन्य युवतियों व महिलाओं को शामिल कर रही हैं। कहां दबी है 11 साल पुरानी जांचः बिसौली थाना क्षेत्र के गांव संग्रामपुर, लक्ष्मीपुर, पपगवां और दबतोरी में हवाला कारोबार के बाद अब साइबर ठगी का धंधा फल फूल रहा है।

बताते हैं कि पूर्व में जब इस गांव के लोगों को लग्जरी कारों में घूमते और आलिशान कोठियों में रहते देखा गया तो इस मामले की जांच शुरू की गई थी। पाया गया था कि कई आलिशान कोठियों वाले लोगों के बीपीएल कार्ड बने हुए थे। जांच के बाद इनके नाम बीपीएल सूची से तो हटा दिए गए, लेकिन जांच में क्या हुआ, इसकी क्या रिपोर्ट बनी अब तक सामने नहीं आई है। इस मामले की पूरी पड़ताल करते हुए खबर दी जाएगी। चार ठगों को ढूंढने आई सिद्धार्थनगर पुलिसः मंगलवार को स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार रात से लक्ष्मीपुर गांव में सिद्धार्थनगर पुलिस घूम रही है। बताया कि सिद्धार्थ नगर में किसी बड़ी ठगी के मामले में यहां के चार लोगों के नाम सामने आए हैं। इसके चलते पुलिस ने लक्ष्मीपुर में रात दबिश दी। सोमावर को भी सिद्धार्थ नगर पुलिस की टीम को यहां देखा गया। बताते हैं कि यहां की टीम ने कुछ युवाओं से पूछताछ भी की थी। वहीं दूसरी ओर हाल ही में गुजरात के सूरत पुलिस के भी यहां आने की चर्चा रही।

सूरत के किसी व्यापारी के खाते से 68 लाख रुपये की ठगी हुई थी, जिसमें सूरत पुलिस ने दबिश दी थी।बदायूं एसएसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि बिसौली क्षेत्र के इन चारों गांवों में साइबर ठगी से संबंधित बड़ा रैकेट सक्रिय है। इसके लिए जल्द टीमें लगाई जाएंगी। बाहरी पुलिस का बार बार यहां आना संदेह खड़ा कर रहा है। हालांकि बाहर की पुलिस के आने की जानकारी नहीं होती है।

मनीष सिसोदिया ने गांधीनगर निकाय चुनाव में भरी हुंकार, रोड शो में मिला जनता का अपार समर्थन, उमड़ा जनसैलाब

मेरी अरविंद केजरीवाल जी की ओर से गाँधी नगर की जनता से अपील आम आदमी पार्टी का करे समर्थन, आम आदमी काम की राजनीति से लाएगी गुजरात में बदलाव : मनीष सिसोदिया

सूरत से आम आदमी पार्टी को मिला विश्वास और उम्मीद, गाँधी नगर की जनता इसी विश्वास और उम्मीद के सहारे बदलेगी गुजरात की हवा : मनीष सिसोदिया

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। गाँधी नगर (गुजरात) आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को गाँधी नगर, गुजरात में 3 अक्टूबर को होने वाले निकाय चुनावों से पहले चुनावी हुंकार भरी। उन्होंने गाँधी नगर में रोड शो किया जिसे जबरदस्त जनसमर्थन मिला और हजारों की संख्या में लोगों ने इस रोड शो में भाग लिया इस अवसर पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस ने गुजरात की जनता का भरोसा तोड़ उनके साथ विश्वासघात किया है। लेकिन आम आदमी पार्टी गाँधी नगर की जनता के समर्थन न से गुजरात में बदलाव की शुरुआत करेगी। आम आदमी पार्टी को सूरत में लोगों से जो भरोसा और विश्वास मिला है, गाँधी नगर की जनता भी 'आप' पर यही भरोसा दिखा रही है। 'आप' इस भरोसे के साथ गुजरात में जनता के हितों के काम कर बदलाव की शुरुआत करेगी। उन्होंने कहा कि गाँधी नगर के निकाय चुनाव भाजपा के फेलियर, भाजपा के प्रति जनता के टूटते विश्वास बनाम आम आदमी पार्टी का जनाधार, सूरत के 'आप' पार्षदों का काम और दिल्ली में 'आप' द्वारा किए गए काम के बीच है।

और गाँधी नगर की जनता आम आदमी पार्टी की ईमानदारी की राजनीति को चुनकर अपने वोट की ताकत से गाँधी नगर म्युनिसिपल कारपोरेशन की तस्वीर बदलने का काम करेगी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि जिस तरह दिल्ली में 'आप' पहली बार चुनाव लड़ रही थी और लोगों ने बड़ी पार्टियों से उठकर 'आप' पर अपना भरोसा कायम किया था। ठीक वही विश्वास आज गाँधी नगर की जनता दिखा रही है। उन्होंने कहा कि आज लोगों का भाजपा से विश्वास उठ चुका है और लोगों ने कई बार भाजपा के प्रति अपना गुस्सा जाहिर कर कांग्रेस को चुना लेकिन कांग्रेस ने भी गाँधी नगर की जनता के साथ विश्वासघात और गद्दारी की। जनता के वोट को उनके समर्थन और भरोसे को भाजपा को बेच दिया। इसलिए जनता आज विकल्प के रूप में आम आदमी पार्टी को देख रही है और उसपर भरोसा जता रही है। श्री सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी के आने के बाद दिल्ली में जैसे बदलाव हुए है, गुजरात की जनता भी वैसे बदलाव चाहती है। सूरत के निकाय चुनावों में 'आप' को मिला जनसमर्थन इसका उदाहरण है। पहली बार में ही सूरत में 'आप' को 27 सीटें मिली ये बहुत बड़ी उपलब्धि थी। उससे बड़ी उपलब्धि ये है कि आम आदमी पार्टी के 27 पार्षद जमीन पर उतर कर जनता के लिए काम कर रहे है। पहली बार लोगों को पता चल रहा है कि पार्षद का असल काम क्या होता है और ईमानदारी से काम करने वाला एक पार्षद मिल जाए तो काम कैसे होता है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि 3 अक्टूबर को गाँधी नगर में होने वाला निकाय चुनाव भाजपा के फेलियर, भाजपा के प्रति जनता के टूटते विश्वास बनाम आम आदमी पार्टी का जनाधार, सूरत के 'आप' पार्षदों का काम, दिल्ली में 'आप' द्वारा किए गए काम के बीच हो रहा है। उन्होंने कहा कि गाँधी नगर की जनता के वोटों में इतनी ताकत है कि वो गाँधी नगर म्युनिसिपल कारपोरेशन की तस्वीर बदल सकते है। जनता के वोट में इतनी ताकत है कि वे साफ-सफाई से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और म्युनिसिपल कारपोरेशन के दायरे में आने वाले हर चीज की तस्वीर बदल सकते है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि लोगों ने सूरत का काम देखा है और हमें विश्वास है कि आम आदमी पार्टी के ईमानदारी की राजनीति को चुन कर जनता बाकि सभी पार्टियों को भूल जाएगी। अपनी एक दिवसीय गाँधी नगर यात्रा पर श्री मनीष सिसोदिया ने सबसे पहले गाँधी नगर के अक्षरधाम मंदिर में दर्शन कर गुजरात के लोगों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उसके बाद श्री सिसोदिया ने गाँधी नगर के टाउन हॉल में जनता से संवाद किया। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा किए जा रहे अन्याय के खिलाफ आम आदमी पार्टी एक बड़ी लड़ाई लड़ने जा रही है।

उन्होंने कहा कि आज दिल्ली के एजुकेशन मॉडल की पूरे विश्व में चर्चा होती है। ये एजुकेशन मॉडल गुजरात में भी अपनाया जा सकता है। गुजरात के शिक्षक इतने सक्षम है कि वो यहां के एजुकेशन सिस्टम को बदल सकते है लेकिन यहाँ की सरकार इसके लिए उदासीन है और शिक्षकों को संसाधन नहीं देती है। जब दिल्ली में शिक्षा,स्वास्थ्य के क्षेत्र में बदलाव आ सकता है। जनता को फ्री बिजली-पानी मिल सकता है तो गुजरात में क्यों नहीं। आप जनता के समर्थन के साथ गुजरात में भी बदलाव लाने का काम करेगी। आम आदमी पार्टी की ईमानदारी की राजनीति और अरविंद केजरीवाल के विज़न से प्रभावित होकर यूथ आइकॉन युवराज सिंह जडेजा पार्टी में शामिल हुए।

एक नज़र

Z श्रेणी की सुरक्षा पाने के लिए HC पहुंचे स्वामी चक्रपाणि, दाऊद-छोटा शकील से मिली है धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वामी चक्रपाणि की उस याचिका पर दिल्ली पुलिस का जवाब मांगा है, जिसमें उन्होंने अडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम और छोटा शकील की धमकी का हवाला देते हुए जेड सुरक्षा बहाल करने की मांग की गई थी।

गौरतलब है कि वर्ष, 2017 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि को अंडरवर्ल्ड डान दाऊद और छोटा शकील से जान से मारने की धमकी मिलने के बाद के बाद केंद्र सरकार ने जेड श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई थी। इससे पहले वर्ष 2016 में छोटा शकील ने महाराज चक्रपाणि के मोबाइल फोन पर धमकी के एसएमएस भी आए थे। इसके स्वामी को जान बचाने के लिए जेड श्रेणी की सुरक्षा लेनी पड़ी थी। बता दें कि वर्ष 2015 में स्वामी चक्रपाणि महाराज ने नीलामी के दौरान अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम की कार की सफल बोली लगाई थी। उन्होंने दाऊद की कार सिर्फ 32,000 रुपये में खरीदी थी।

इसके बाद 24 दिसंबर को स्वामी चक्रपाणि महाराज ने इस कार को दाऊद के पोस्टर के साथ सार्वजनिक रूप से आग लगा दी थी। इस दौरान उन्होंने सांकेतिक रूप से आतंकवाद के अंतिम संस्कार की बात कही थी। बता दें कि कार जलाने से पहले पहले चक्रपाणि ने कहा था- मैंने इसे एंबुलेंस में बदलना चाहा था, लेकिन जब डी (दाऊद गिरोह) कंपनी के गुर्गों ने मुझे दुष्परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने की धमकी दी, तब मैंने उनकी ही भाषा में जवाब देने का फ़ैसला किया। मैं इसे सभी के सामने जलाने जा रहा हूं। इसके बाद उन्होंने कार जला दी थी।

इसके बाद कई बार छोटा शकील और दाऊद इब्राहिम की ओर से स्वामी चक्रपाणि महाराज को धमकी मिल चुकी है। दाऊद की कार जलाने वाले स्वामी चक्रपाणि महाराज एक बयान में कहा था कि कार ठिकाने लगाने के बाद अब वह दाऊद का मकान लेकर उस पर दाऊद सुलभ शौचालय बनाएंगे। यह अलग बात है कि उस समय मुंबई के भिंडी बाजार में दाऊद का घर खरीदने का दावा करने वाले चक्रपाणि महाराज ने बाद में बोली में हिस्सा ही नहीं लिया था।

नजफगढ़ में हुई हत्या के बाद और बढ़ी दिल्ली में गैंगवार की आशंका, पुलिस की जेल में बंद बदमाशों की गतिविधि पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी) नजफगढ़ में सोमवार को दिनदहाड़े शिवांश उर्फ टिंकू की हत्या के मामले में पुलिस कपिल सांगवान के भाई ज्योति से पूछताछ करेगी। पुलिस के अनुसार ज्योति अभी मंडोली जेल में बंद है। इसके अलावा तिहाड़ में बंद अमित गुलिया से भी पुलिस पूछताछ कर सकती है। द्वारका जिला पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में अभी तक जो जानकारियां हाथ लगी हैं, उनके आधार पर यह साफ होने लगा है कि वारदात को कपिल सांगवान गिरोह के बदमाशों ने ही अंजाम दिया है।

पुलिस अब अपनी ओर से अलग अलग जेलों में बंद कपिल सांगवान गिरोह के बदमाशों से पूछताछ कर इस पूरे मामले को खंगालने में जुटी है ताकि इस घटना की तह में जाकर आरोपितों को दबोचा जा सके। इसके अलावा ऐसे बदमाश जो अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं, उनकी भी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस को अंदेशा है कि एक गिरोह के बदमाश के मारे जाने के बाद अब प्रतिद्वंद्वी गिरोह की ओर से बदले की कार्रवाई की जा सकती है। ऐसे में पुलिस इस बात की कोशिश में है कि बदमाशों को जेल तक पहुंचाया जाए। नजफगढ़ व छावला इलाके में पुलिस ने गश्त को और तेज कर दिया है। पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने नजफगढ़ व छावला सब डिविजन के अंतर्गत आने वाले थानों के प्रभारियों को गश्त पर जोर देने को कहा है।

उधर उत्तरी जिला पुलिस ने आइपीएल पर सट्टा लगाने वाले पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए मनोज, अजय, वसंत वर्मा, जुबेर खान और सुनील बुराड़ी के संत नगर इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से एक लैपटाप, छह मोबाइल और 37 हजार रुपये बरामद किए हैं। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया कि एसीपी स्वागत पाटील और एसएचओ सुरेश कुमार की देखरेख में गठित टीम में शामिल एसआइ पुष्पेंद्र, सतेंदर, हवलदार प्रवीण, सिपाही प्रदीप व रहीस ने एक सूचना के आधार पर बुराड़ी के संत नगर में छापेमारी कर आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

गोगी और टिल्लू गिरोह के बदमाश इंटरनेट मीडिया पर एक दूसरे को इस अंदाज में दे रहे धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी) कुख्यात गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी की रोहिणी कोर्ट में हत्या के बाद दो खेमों में बंटे गैंगस्टरों के शूटरों ने संभावित जंग छिड़ने की आशंका के मद्देनजर तैयारियां शुरू कर दी हैं। दोनों खेमों के शूटर फेसबुक व इंस्टाग्राम के अलावा वाटस एप पर धमकी भरे मैसेज भेजकर खुलेआम एक-दूसरे को जंग के लिए ललकार रहे हैं।

पुलिस को हाथ लगे कुछ धमकी भरे मैसेज के बाद पुलिस आयुक्त ने पूरे पुलिस बल को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। स्पेशल सेल व क्राइम ब्रांच को खासतौर पर अलर्ट कर दिया गया है। उन्हें कहा गया है कि जेल से बाहर रहने वाले गैंगस्टरों के शूटरों की पहचान कर उन्हें जल्द दबोचकर हवालात में डाल दिया जाए। फेसबुक पर जंग का एलान करने से ऐसा माना जा रहा है कि दिल्ली-एनसीआर की सड़कें जल्द खून से लाल हो सकती है। गोगी, लारेंस बिश्नोई व काला जठेड़ी खेमे से जुड़े बदमाशों के हाथ लगे कुछ मैसेज से पूरा पुलिस महकमा सकते में है। मैसेज में कहा गया है ..हम अभी चुप बैठे हैं तो इसका मतलब ये नहीं की हम मर गए, जल्द धमाका होगा..।

मैसेज में आगे लिखा हुआ है मिस यू गोगी भाई, सलाम सहीदानू, जय बलकारी.। नई जंग की शुरूआत है जो हमारे साथ नहीं है। अब से अपना सभी ध्यान रचाना। अब इस जंग में कोई सुरक्षित नहीं। कोई जायज हो या नहीं. आज से सड़कों पर खून नहीं सूखेगा, जंग के नियम बदल चुके हैं, नए नियम का पालन करते हुए जो भी मिला जहां भी.। फेसबुक पर गोगी के शव की कई तस्वीरें भी अपलोड कर विरोधी गिरोह टिल्लू को धमकी दी जा रही है। गोगी भाई नाम से बने फेसबुक पर दूसरे मैसेज में कहा गया है कि ऐलान कर दे ऐ मंजिल तेरे शहर में। कदम हमारे कुछ नया करने वाले हैं। बदला जल्द होगा। इस तरह के तमाम धमकी भरे मैसेज ने दिल्ली पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस को समझ में नहीं आ रहा है कि गैंगस्टरों के दोनों खेमों को आखिर कैसे काबू में किया जाए। जेलों से लेकर अदालत व सड़कों पर गैंगस्टरों के बीच गैंगवार छिड़ सकते हैं। इसको लेकर दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि बड़े गैंगस्टरों को मुकदमे की सुनवाई में फिलहाल कोर्ट में पेश न किया जाए। ऐसा करने से कहीं भी गैंगस्टर विरोधी गिरोह के बदमाशों पर हमला करा सकते हैं। पुलिस भी उनके शिकार बन सकते हैं। ऐसी व्यवस्था बनाने की तैयारी चल रही है कि बड़े गैंगस्टरों की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए जेलों से ही पेशी हो जाए।

उधर रोहिणी कोर्ट में गोगी की हत्या करने वाले राहुल जाटव व जयदीप को पनाह देने वाले हैदरपुर निवासी उमंग यादव का पहला सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जांच से पता चला है कि 24 सितंबर को घटना वाले दिन उमंग सफेद शर्ट व काली पेंट में राहुल व जयदीप के साथ रोहिणी कोर्ट पहुंचा था। हालांकि बाद में वह अपने चचेरे भाई विनय यादव व टिल्लू के नेपाली शूटर के साथ कोर्ट की पार्किंग में चला गया था। दरअसल इन लोगों को यह मानना था कि कम संख्या में कोर्ट रूम में मौजूद रहने पर उनपर किसी को शक नहीं होगा। घटना के बाद उमंग, विनय व नेपाली शूटर कोर्ट से भाग गए थे। नेपाली रस्ते में उतर कर अकेले कहीं भाग गया था। शाम को उमंग हैदरपुर स्थित एक जिम में सफेद शर्ट व काली पेंट में पहुंचा था। वहीं से देर रात स्पेशल सेल ने उसे दबोच लिया था। उसकी तस्वीर जिम के सीसीटीवी कैमरे में ही कैद हुई थी। उसके पास से पुलिस ने लोडेड कटटा बरामद किया था।

विश्व हृदय दिवस पर Koo App और मेट्रो हॉस्पिटल्स ने शुरू की मुहिम, लोग शेयर करेंगे अपने दिल को सेहतमंद रखने का सीक्रेट

डीएसईयू और एलएससी ने ई-कॉमर्स, लैंड ट्रांसपोर्टेशन में नए प्रमुख कार्यक्रम शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

डीएसईयू में शुरू किया जाएगा अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड बीएमएस कार्यक्रम, कौशल विश्वविद्यालय ने लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। इस हैं. डॉ पुरुषोत्तम लाल को उनके इस क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान के लिबार विश्व हृदय दिवस पर स्वदेशी माइक्रोब्लॉगिंग ऐप Koo ने मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के साथ एक मुहिम शुरू की है. इस मुहिम का उद्देश्य है पूरे देश के लोगों को दिल की गंभीर बीमारियों के बारे में जागरूक करना. आम लोगों को ये बताना कि कैसे वो अपने दिल को यंग और फिट रख सकते हैं।

मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल इस मौके पर Koo App के यूजर्स को तमाम ऐसे सुझाव और जानकारी देगा जिनसे दिल को स्वस्थ रखा जा सकता है. आपको बता दें मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ पुरुषोत्तम लाल हैं, जो देश के जाने माने हृदय रोग विशेषज्ञए पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया है. Koo पर चल रही इस मुहिम में आम लोगों की भागीदारी को बढ़ाने और स्वस्थ हृदय के जागरूक करने के उद्देश्य से एक कॉन्टैस्ट भी चलाया जा रहा है. इस कॉन्टैस्ट में यूजर्स अपने हेल्दी दिल का सीक्रेट लोगों से शेयर करेंगे. जिन लोगों के सीक्रेट्स या सुझाव सबसे अच्छे होंगे उनमें से 5 लोगों को एक-एक फिटनेस बैंड इनाम के तौर पर दिया जाएगा।

आपको बता दें कि स्वदेशी माइक्रोब्लॉगिंग ऐप Koo पर सामाजिक सरोकार से जुड़े ऐसे मुद्दों को लेकर मुहिम चलती ही रहती है. इसी साल 15 अगस्त पर Koo App ने #SayNoToPlasticTiranga नाम से एक मुहिम चलाई थी. तिरंगे के सम्मान और प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को लेकर जागरूक करने वाली इस मुहिम को देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्री, कई केन्द्रीय मंत्री, तमाम अन्य नेता, खेल व मनोरंजन जगत के तमाम जाने माने लोगों से समर्थन मिला था. Koo App पर शुरू हो रही इस मुहिम पर Koo App के प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि आज के मौजूदा हालातों को देखें तो हमारा कर्त्तव्य बनता है कि हम लोगों के बीच जितना हो सके हृदय और स्वास्थ्य संभंधित विभिन्न विषयों पर ज़्यादा से ज़्यादा चर्चा करें। और हमें चर्चा भी लोगों से उनकी अपनी भाषा में करनी होगी जिससे कि लोग जागरूक बने और लाभान्वित भी। हमें यकीन है इस बार वर्ल्ड हार्ट डे पर Koo और मेट्रो हॉस्पिटल की ये नई मुहिम डिजिटल रूप प्रत्येक नागरिक तक पहुंचेगा और उनको अपने स्वस्थ को लेकर जागरूक करने में समर्थ रहेगा मेट्रो हॉस्पिटल ने अपने ऑफिशियल Koo अकाउंट से इस जागरुकता अभियान के शुरू होने की जानकारी दी. इस मुहिम के लॉन्च के बाद मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ ज्ञांती आर बी सिंह ने कहा कि, एक स्वस्थ दिल का कोई मुकाबला नहीं है।

इस विश्व हृदय दिवस पर आइए एक संकल्प लें हेल्दी खाने का, संकल्प रोज व्यायाम करने का, एक संकल्प स्मोकिंग छोड़ने का और एक संकल्प अपने दिल को स्वस्थ रखने का दुनियाभर में हृदय यानि दिल से जुड़ी बीमारियों पर जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से विश्व हृदय दिवस को 29 सितंबर को मनाया जाता है. दरअसल, हार्ट अटैक और दिल से जुड़ी बीमारियों से हर साल पूरे विश्व में करीब 1.86 करोड़ लोगों की मृत्यु हो जाती है।

इसके बावजूद दुनियाभर में इन बीमारियों को लेकर जागरूकता की बहुत कमी है. बहुत सारे लोगों को इसके बारे में पता नहीं कि कैसे वो हार्ट अटैक या दिल की बीमारी से बचने के लिए पहले से ही तैयारी कर सकते हैं? कौन से ऐसे फैक्टर्स हैं जो हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा देते हैं? ऐसे कौन से व्यायाम या खान-पान की आदते हैं जिससे आप अपने दिल को हेल्दी व फिट रख सकते हैं।

युवक ने टक्कर मारने के बाद कार के बोनट पर सिपाही के साथ भगाई थी कार, कोर्ट ने लगाया जुर्माना और सुनाई ये सजा

नई दिल्ली (एजेंसी) टक्कर के बाद बोनट पर गिरे सिपाही के साथ कार भगाने के आरोपित रोहित शर्मा को हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि इस मामले में सभी गवाह पुलिसकर्मी हैं और याचिकाकर्ता जांच को प्रभावित नहीं कर सकता है। पीठ ने आरोपित रोहित को 75 हजार रुपये के निजी मुचलके व दो गारंटी पर सशर्त जमानत दे दी। साथ ही हर मंगलवार संबंधित थाने में रिपोर्ट करने को कहा गया है।

पीठ ने अभियोजन पक्ष की उस दलील को खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता एक इंजीनियरिंग स्नातक है और अभी मामले में आरोपपत्र दाखिल नहीं किया गया है। आरोपित के खिलाफ लोकसेवक की हत्या के प्रयास, मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा का मामला दर्ज है।

पुलिस ने आरोप लगाया कि जब आरोपित को चेकिंग के दौरान रुकने को कहा तो पहले तो उसने कार धीमे की और फिर अचानक तेज गति कर एएसआइ को टक्कर मार दी। एक सिपाही कार को सामने की तरफ से रोकने का प्रयास करते हुए बोनट पर कूद गया। इसके बावजूद भी आरोपित ने कार नहीं रोकी। घटनाक्रम 22 जून का है और आरोपित ने 12 जुलाई को समर्पण कर दिया था। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने कहा कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है और आरोपपत्र जल्द ही दायर किया जाएगा, ऐसे में उनके मुवक्किल को जेल में रखने का कोई औचित्य नहीं है।

उधर पूर्वी दिल्ली के करावल नगर में इलाके में एक युवक को बदमाशों ने थप्पड़ मारकर मोबाइल लूट लिया। पीड़ित शोर मचाते हुए बदमाशों के पीछे भागा, कुछ ही दूरी पर गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने दोनों बदमाशों को दबोच लिया। पुलिसकर्मियों से बदमाश हाथापाई करने लगे, हालांकि पुलिसकर्मियों ने उन्हे भागने नहीं दिया। बदमाशों की पहचान लोनी निवासी सिराज और फैसल के रूप में हुई है। मोहन लाल परिवार के साथ पश्चिमी करावल नगर में रहते हैं। वह जग प्रवेश अस्पताल में नौकरी करते हैं। वह घर के पास ही गली में खड़े होकर मोबाइल पर बात कर रहे थे, तभी मोटरसाइकिल पर आए दो बदमाश उनसे फोन झपटने लगे। पीड़ित ने विरोध किया तो एक बदमाश ने मोटरसाइकिल से नीचे उतर कर उन्हें थप्पड़ जड़ दिया और फोन लूट लिया। वारदात के बाद बदमाश फरार होने लगे तो पीड़ित शोर मचाते हुए उनके पीछे भागा, गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों ने दोनों बदमाशों को दबोच लिया।

दिल्ली हाई कोर्ट में तैनात जवान ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली, मौत

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली हाई कोर्ट परिसर में बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब यहां पर तैनात आरएसी (ऋष्ट) के एक जवान ने अपने सर्विस हथियार से खुद को गोली मार ली। मृतक जवान दिल्ली हाई कोर्ट परिसर क्षेत्र में तैनात होकर अपनी ड्यूटी कर रहा था। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह जवान टिंकू राम ने अपनी इंसास सर्विस रायफल से खुद को गोली मार ली।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी के अनुसार, खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने वाले जवान की पहचान 30 वर्षीय टिंकू राम के रूप में हुई है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, टिंकू राम अलवर (राजस्थान) का रहने वाला था। दिल्ली पुलिस को शुरुआती जांच में मौके से सुसाइड नोट मिलने की आशंका है। फिलहाल पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है। इसके साथ ही टिंकू राम के परिजनों को घटना के बाबत जानकारी मुहैया करा दी गई है।

सीलबंद लिफाफे में देनी होगी यूनिटेक के मामलों की जांच रिपोर्ट, सुप्रीम कोर्ट ने इजाजत दी, खुलेंगे नए राज

नई दिल्ली (एजेंसी) गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआइओ) ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने यूनिटेक लिमिटेड में अनियमितताओं पर एक रिपोर्ट तैयार कर ली है और उसकी कुछ और संपत्तियों का पता लगाया है।

एसएफआइओ ने सीलबंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट दाखिल करने की अनुमति मांगते हुए कहा कि उन्हें कोर्ट के संज्ञान में कुछ मुद्दे लाने हैं। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीवी नागरत्ना ने एसएफआइओ की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल माधवी दीवान को इसकी अनुमति देते हुए कहा कि हालांकि उसका इस मामले की गुरुवार को सुनवाई करने का कार्यक्रम था लेकिन किसी समस्या के कारण विशेष पीठ अगले बुधवार को सुनवाई करेगी। पीठ ने कहा कि आप सीलबंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट दाखिल कर सकते हैं लेकिन मामले पर सुनवाई अगले बुधवार को होगी। सुनवाई की शुरुआत में दीवान ने मामले का जिक्र करते हुए कहा कि

एसएफआईओ ने यूनिटेक लिमिटेड की अपनी जांच पर रिपोर्ट तैयार की है। उन्हें समूह की कुछ संपत्तियों का पता चला है और कुछ स्पष्टीकरण चाहिए। उन्हें मिली संपत्तियां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा तलाशी गई संपत्तियों से अधिक हैं। कोर्ट ने 26 अगस्त को निर्देश दिया था कि यूनिटेक के प्रमोटर संजय चंद्रा और अजय चंद्रा को दिल्ली की तिहाड़ जेल से मुंबई की आर्थर रोड जेल और महाराष्ट्र में तलोजा जेल स्थानांतरित किया जाए। शीर्ष अदालत ने यह आदेश ईडी द्वारा यह सूचित किए जाने के बाद दिया था कि ये लोग जेल कर्मियों की मिलीभगत से जेल परिसर के भीतर से ही कारोबार चला रहे हैं।

शीर्ष अदालत ने ईडी द्वारा प्रस्तुत की गई दो स्थिति रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद चंद्रा बंधुओं से मिलीभगत को लेकर कहा था कि तिहाड़ जेल अधीक्षक और अन्य जेल कर्मी पूरी तरह बेशर्म हैं। इसने कहा कि रिपोर्ट में कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन और इसके अधिकारक्षेत्र को कमतर करने जैसे गंभीर और व्यथित करने वाले मुद्दे उठाए गए हैं। कोर्ट ने दिल्ली के पुलिस आयुक्त से कहा था कि वह चंद्रा बंधुओं से मिलीभगत के मामले में तिहाड़ जेल के अधिकारियों के आचरण की व्यक्तिगत रूप से तत्काल जांच शुरू करें और चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। ईडी ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया था कि उसने यहां एक गुप्त भूमिगत कार्यालय का पता लगाया था, जिसे यूनिटेक के पूर्व संस्थापक रमेश चंद्र द्वारा संचालित किया जा रहा था।

पैरोल या जमानत पर छूटने पर उनके बेटे संजय और अजय भी इस दफ्तर में गए थे। चंद्रा और यूनिटेक लिमिटेड के खिलाफ मनी लांड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही ईडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि संजय और अजय दोनों ने पूरी न्यायिक हिरासत को अर्थहीन कर दिया है। वे दोनों जेल स्टाफ की मिलीभगत से पूरी स्वतंत्रता से संवाद कर रहे हैं, अपने अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं और अंदर से संपत्तियों का निपटान कर रहे हैं।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने फेसलेस सेवाओं के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए समीक्षा बैठक की

धमेन्द्र सिंह लोधी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलोत ने आज फेसलेस सेवाओं के कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में परिवहन आयुक्त श्री आशीष कुंद्रा, एनआईसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं परिवहन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान श्री गहलोत ने अधिकारियों को फेसलेस सेवाओं से संबंधित तकनीकी मुद्दों, पेंडेंसी और शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने उनसे यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि परिवहन सेवाओं का यूजर एक्सपीरियंस बेहतर हो और पूरे देश में सार्वजनिक सेवा वितरण में एक बेंचमार्क स्थापित हो सके। फरवरी में फेसलेस सेवाओं के चरणबद्ध लॉन्च के बाद से, विभाग को वाहन संबंधी सेवाओं के लिए 2,16,835 आवेदन और ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित सेवाओं पर 208224 आवेदन 27 सितंबर तक प्राप्त हुए हैं। जिसमें से ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन संबंधी सेवाओं के तहत सभी आवेदनों में से क्रमशः 92% और 79.9% को मंजूरी मिली। 7 अगस्त, 2021 से 28 सितंबर, 2021 तक लर्नर्स लाइसेंस के लिए आवेदनों की कुल संख्या 57755 है। 78.7% उम्मीदवारों ने घर बैठे अपने लर्नर लाइसेंस को सफलतापूर्वक प्राप्त किया, और 12260 आवेदकों ने अभी तक टेस्ट नहीं दिया है। दिल्ली ऑनलाइन लर्नर लाइसेंस प्रदान करने वाले देश के पहले राज्यों में से एक है। फीचर मैपिंग विशेषता के साथ एआई-आधारित चेहरा पहचान तकनीक द्वारा समर्थित आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली प्रदान

करने वाला दिल्ली देश का पहला राज्य है जो आवेदकों को घर बैठे लर्नर लाइसेंस सुनिश्चित करता है। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग के फेसलेस सर्विसेज को आवेदकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फेसलेस सर्विसेज आवेदकों को संपर्क रहित, कतार रहित, परेशानी मुक्त सेवाएं प्रदान करता है। इस पहल का मुख्य फोकस पारदर्शी सेवा प्रदान करना है। केजरीवाल सरकार की इस पहल के तहत, वाहनों के लिए ड्राइविंग टेस्ट और फिटनेस टेस्ट को छोड़कर, 33 परिवहन-संबंधी सेवाएं पूरी तरह से फेसलेस और ऑनलाइन हो गई। पूरे फेसलेस सिस्टम पर नजर रखने के लिए परिवहन विभाग ने द्वारका, शेख सराय और सूरजमल विहार में डीसी कार्यालयों में तीन हब स्थापित किए हैं। परिवहन मुख्यालय में केंद्रीय शिकायत नियंत्रण कक्ष, 1076 हेल्पलाइन नंबर और 8588820000 पर व्हाट्सएप चैटबॉट के माध्यम से आवेदकों की शिकायतों को दूर करने के लिए एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र को भी संस्थागत रूप दिया गया है। वे www.transport. delhi.gov.in पर भी संपर्क कर सकते हैं। आवेदकों के प्रश्नों के समाधान के लिए परिवहन विभाग ने सभी कार्यालय पर हेल्पडेस्क की सुविधा भी प्रदान की है। फेसलेस के तहत सबसे अधिक प्राप्त सेवाओं में से एक आरसी से हाइपोथीकेशन को हटाना है। दिल्ली पहला राज्य है जिसने वाहनों पर ऋण के पूर्ण पुनर्भुगतान पर हाइपोथीकेशन की स्वतः समाप्ति को सक्षम किया है। पूरी प्रक्रिया को निर्बाध बनाने के लिए परिवहन विभाग ने 1 नवंबर तक दिल्ली में सभी बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों को ऑनबोर्ड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इसके अलावा आरटीओ में अपॉइंटमेंट में अचानक वृद्धि और परीक्षण केंद्रों पर भीड़भाड़ को देखते हुए, दिल्ली परिवहन विभाग ने 1.2.20 से 30.09.21 के बीच समाप्त होने वाले फिटनेस, परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीकरण आदि से संबंधित दस्तावेजों की वैधता को 30.11.21 तक बढ़ा दिया है । दिल्ली के परिवहन मंत्री, श्री कैलाश गहलोत ने कहा, लगभग एक महीने पहले, दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक सेवा मुहैय्या करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया था।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

तेल के ऊंचे दाम लाभ व संकट

वर्ष 2015 में विश्व बाजार में तेल के दाम उछल रहे थे और 111 अमरीकी डालर प्रति बैरल के स्तर पर थे। इसके बाद 2020 में कोविड संकट के दौरान इनमें भारी गिरावट आई और दाम केवल 23 डालर प्रति बैरल रह गए। वर्तमान में पुनः इसमें कुछ वृद्धि हुई है और ये मूल्य आज 76 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गए हैं। इसी अवधि में देश के घरेलू बाजार में पेट्रोल के दाम की चाल बिल्कुल अलग रही है। 2015 में घरेलू बाजार में पेट्रोल के दाम 70 रुपए प्रति लीटर थे। जब 2020 में विश्व बाजार में तेल के दाम घटकर 23 डालर प्रति बैरल हो गए थे, उस समय हमारे बाजार में तेल के दाम घटे नहीं, बल्कि 70 रुपए प्रति लीटर के लगभग ही बने रहे। कारण यह कि जैसे-जैसे विश्व बाजार में तेल के दाम में गिरावट आई, उसी के समानांतर हमारी केंद्र सरकार ने तेल पर वसूल की जाने वाली एक्साइज ड्यूटी एवं राज्य सरकारों ने तेल पर वसूल किए जाने वाले सेल टैक्स में वृद्धि की। नतीजा यह हुआ कि विश्व बाजार में जितने दाम में गिरावट आई, उतना ही घरेलू टैक्स में वृद्धि हुई और बाजार में पेट्रोल का दाम 70 रुपए प्रति लीटर पर ही टिका रहा।

> विश्व बाजार में तेल के दाम के समानांतर घरेलू बाजार में पेट्रोल के दाम बढ़ रहे हैं। 2020 के 70 रुपए से बढ़कर आज ये दिल्ली में 102 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं। इस वर्ष में जैसे-जैसे विश्व बाजार में ईंधन तेल के दाम बढ़े, उस समय हमारी सरकार ने तेल पर वसूल किए जाने वाले टैक्स में कटौती नहीं की है और घरेलू बाजार में तेल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। केंद्र सरकार मालामाल हो रही है। वर्ष 2015 में केंद्र सरकार को तेल से 72 हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिला था जो वर्तमान वर्ष में 300 हजार करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

इसके बाद इस वर्ष 2021 में विश्व बाजार में तेल के दाम पुनः बढ़े हैं और जैसा कि ऊपर बताया गया है, वर्तमान में ये 76 डालर प्रति बैरल पर आ गए हैं। लेकिन इस समय घरेलू दाम स्थिर नहीं रहे। विश्व बाजार में तेल के दाम के समानांतर घरेलू बाजार में पेट्रोल के दाम बढ़ रहे हैं। 2020 के 70 रुपए से बढ़कर आज ये दिल्ली में 102 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं। इस वर्ष में जैसे-जैसे विश्व बाजार में ईंधन तेल के दाम बढ़े, उस समय हमारी सरकार ने तेल पर वसूल किए जाने वाले टैक्स में कटौती नहीं की है और घरेलू बाजार में तेल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। केंद्र सरकार मालामाल हो रही है। वर्ष 2015 में केंद्र सरकार को तेल से 72 हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिला था जो वर्तमान वर्ष में 300 हजार करोड़ रुपए होने का अनुमान है। यानी 2015 और आज की तुलना करें तो विश्व बाजार में तेल के दाम उस समय के 111 डालर से घट कर वर्तमान में 76 डालर रह गया है, लेकिन केंद्र सरकार का राजस्व 72 हजार करोड़ से बढ़कर 300 हजार करोड़ हो गया है। बिल्कुल स्पष्ट है कि सरकार ने वर्तमान में ईंधन तेल पर भारी टैक्स वसूल किया है। तेल के ऊंचे दाम का एक विशेष प्रभाव यह है कि महंगाई में वृद्धि होती है। पेट्रोल के साथ डीजल के दाम बढ़ते हैं जिससे माल की ढुलाई महंगी हो जाती है और बाजार में प्रत्येक माल महंगा हो जाता है। लेकिन केयर रेटिंग के अनुसार पेट्रोल के दाम का हमारे थोक मूल्य सूचकांक में 1.6 प्रतिशत का हिस्सा होता है और डीजल का 3.1 प्रतिशत का। यानी पेट्रोल के दाम में 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई तो थोक मूल्य सूचकांक में केवल 1.6 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

वर्तमान में पेट्रोल के दाम में 2015 की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, 70 रुपए से बढ़ कर यह 102 रुपए हो गए हैं। इस वृद्धि से थोक मूल्य सूचकांक में मात्र 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई होगी, ऐसा माना जा सकता है। डीजल के दाम में जो 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, उसका हमारे थोक मूल्य सूचकांक में प्रभाव 1.5 प्रतिशत माना जा सकता है। दोनों का सम्मिलित प्रभाव मात्र 2.5 प्रतिशत माना जा सकता है। तुलना में 2015 से 2021 के बीच में महंगाई इससे कहीं ज्यादा बढ़ी है। इससे स्पष्ट है कि महंगाई पर पेट्रोल के दाम में वृद्धि का प्रभाव कम और अन्य कारकों का प्रभाव ज्यादा है। इसलिए हम कह सकते हैं कि पेट्रोल के दाम में वृद्धि का महंगाई पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। पेट्रोल के दाम में वृद्धि का दूसरा संभावित प्रभाव मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों पर पड़ सकता है।

लेकिन अपने देश में अधिकतर मैन्युफैक्चरिंग उद्योग बिजली से चलते हैं जिसका दाम बीते कुछ वर्षों में लगातार गिर रहा है। इसलिए उद्योगों पर भी पेट्रोल के बढ़े दाम का नकारात्मक प्रभाव नहीं दिखता है। पेट्रोल के दाम में वृद्धि का एक लाभ यह है कि हमारी आर्थिक संप्रभुता की रक्षा होती है। हम अपनी खपत का 85 प्रतिशत पेट्रोल आयात करते हैं जिससे कि हमारी अर्थव्यवस्था आयातों पर निर्भर हो जाती है। किसी भी वैश्विक संकट के समय हम दबाव में आ सकते हैं। जब घरेलू बाजार में पेट्रोल के दाम बढ़ते हैं तो लोग ऊर्जा के वैकल्पिक साधनों का उपयोग ज्यादा करते हैं, जैसे बस से यात्रा ज्यादा करना चाहेंगे जिसमें ईंधन की खपत कम होती है, अथवा बिजली की कार अथवा मेट्रो का उपयोग करेंगे। इसलिए तेल के दाम बढ़ने से देश में पेट्रोल की खपत कम होगी।

हिन्दू धर्म सनातन क्यों है?

ओमप्रकाश श्रीवास्तव

हिन्दू धर्म में ऐसा क्या है जिसके कारण वह सनातन है, वह न तो खतरे में पड़ सकता है और न ही नष्ट हो सकता है। सनातन का अर्थ है जो सदैव से है और सदैव रहेगा। जिसका न प्रारंभ है और न ही अंत है और जो सदैव नवीन बना रहता है। जब फारस की ओर से लोग भारत आए तो सिंधु नदी के इस पार रहने वालों को उन्होंने हिंदू कहना शुरू कर दिया और उनके धर्म को हिंदू धर्म कहने लगे। इसलिए भौगोलिक आधार पर नामकरण 'हिंदू धर्म' हो गया।

इसके पहले, इस धर्म की विशेषताओं के कारण इसका नाम सनातन धर्म था, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह धर्म सदैव से है और सदैव रहेगा। हर धर्मावलम्बी अपने धर्म पर गर्व करते हुए उसे सर्वोत्कृष्ट मानते हैं। इसलिए प्रथम दृष्ट्या ऐसा लगता है कि आर्यों ने भी अपनी आस्था और विश्वास के कारण अपने धर्म को सनातन कहना शुरू कर दिया होगा, परन्तु गहराई से विचार करने पर पता चलता है कि हिन्दू धर्म जिन तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित है वे मानव निर्मित नहीं हैं, वे इस सृष्टि में स्वमेव अस्तित्व में आए हैं। यह सृष्टि का स्वाभाविक धर्म है, इसलिए सनातन है। ठुपहले विज्ञान की बात करें। प्रकृति के नियम स्वमेव पैदा हुए हैं। प्रकृति उन्हीं नियमों से चलती है, भले ही हम उन्हें जाने या न जानें। प्रकृति के इन्हीं नियमों की खोज विज्ञान है। जब हम गुरुत्वाकर्षण नियम नहीं जानते थे तब भी पेड़ से टूटा फल जमीन पर ही गिरता था। नियम जाने बिना भी पक्षी आसमान में उड़ते थे। विज्ञान के नियम इस ब्रह्माण्ड में सार्वभौमिक हैं। अमेरिका और भारत का भौतिक विज्ञान एक है। अफ्रीका और यूरोप का रसायन शास्त्र भी एक है।

पूरी पृथ्वी पर जीव विज्ञान एक ही है। कोई यह नहीं कह सकता कि मुझे वर्तमान भौतिकी के नियमों पर विश्वास नहीं है, मैं तो अपनी भौतिकी अलग से बनाऊँगा। यह विश्वास की बात नहीं है, अनुभव की बात है कि विज्ञान सर्वत्र एक सा है। प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग ने अपनी विख्यात पुस्तक 'अ ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ टाइम' में लिखा है कि आज से लगभग 1350 करोड़ वर्ष पूर्व हुए महाविस्फोट (बिग बैंग) से हमारे ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति हुई। इसके साथ ही समय का जन्म हुआ, पदार्थ और ऊर्जा प्रकट हुई और प्रकृति के नियम अस्तित्व में आये। उन्हीं नियमों के अनुसार विभिन्न आण्विक व रासायनिक

क्रिया? होने लगीं, पिंड आपस में गुरुत्वाककर्षण से आकर्षित होने लगे, नाभिकीय और विद्युत-चुम्बकीय बल अपना कार्य करने लगे आदि। नोवा हरारी अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'सेपियन्स' में लिखते हैं कि बिग बैंग के 3 लाख साल बाद पदार्थ और ऊर्जा संयुक्त होकर परमाणु बने यह रसायन शास्त्र का जन्म था। इसके 380 करोड़ वर्ष बाद पृथ्वी पर जीवन की प्रारंभिक जटिल संरचना? बनीं। इस प्रकार जीव विज्ञान का जन्म हुआ। अब वैज्ञानिक निर्विवाद रूप से मानते हैं कि विज्ञान का जन्म इसी ब्रह्माण्ड में हुआ, उसके नियम इसी ब्रह्माण्ड से संबंधित हैं। इसलिए जब कभी यह ब्रह्माण्ड समाप्त होगा तो यह नियम भी समाप्त हो जा?गे। इस ब्रह्माण्ड के बाहर के जो ब्रह्माण्ड हैं अर्थात् जिनका जन्म हमारे बिग बैंग से नहीं हुआ वहाँ स्थितियाँ भिन्न होंगी और हमारी विज्ञान वहाँ लागू नहीं होगी। अब हम चेतना की बात करें। जीवित और मृतक का फर्क तो सभी समझते हैं और मानते हैं कि जीवित में कुछ तो ऐसा है जो मरने पर बाकी नहीं बचा। जो समाप्त हो गया उसे चेतना कहते हैं। कुछ व्यक्ति मानते हैं कि चेतना प्रकृति के तत्त्वों से उसी प्रकार बनी है जैसे शरीर बना है। उनके मत से ईश्वर का कोई अस्तित्व नहीं है।

विज्ञान ही सबकुछ है। उनकी खोज विज्ञान तक ही सीमित हो जाती है। परंतु ध्यान रहे इतनी प्रगति के बाद भी विज्ञान चेतना को नहीं समझ सका है। दूसरे वे व्यक्ति होते हैं जो इस चेतना की खोज में आकर्षित होते हैं। इस चेतना या अस्तित्व का स्वभाव ही आध्यात्म है। इस परम चेतना की खोज या अनुभव करने का रास्ता बताने के लिए धर्मों का उदय हुआ। यह प्रक्रिया विभिन्न धर्मों ने अपने-अपने तरीकों से बताई है और इस परम चेतना को अलग-अलग नाम जैसे ब्रह्म, ईश्वर, परमपिता, गॉड, अल्लाह आदि दिये हैं। जैसे प्रकृति के नियम (विज्ञान) सर्वत्र एक से हैं वैसे ही चेतना के नियम भी सर्वत्र एक से होते हैं। अंतर यह है कि विज्ञान, प्रकृति पर आधारित है इसलिए हमारे ब्रह्माण्ड तक ही लागू हैं, वहीं चेतना, अभौतिक है, सृष्टि से अलग है इसलिए ब्रह्माण्ड की सीमा से परे सर्वत्र व्याप्त है। अब प्रश्न यह है कि इस चेतना का अनुभव कैसे करें ? हमारा मस्तिष्क उन्हीं तत्त्वों से बना है जो प्रकृति के अंश हैं।

लिहाजा मस्तिष्क की पहुँच इसी ब्रह्माण्ड तक सीमित है। इसीलिए वह तर्क और विज्ञान तो समझ लेता है परंतु चेतना का अनुभव उसके पल्ले नहीं पड़ता। हमारा मस्तिष्क काल और दिक् (टाइम और स्पेश) के परे नहीं जा पाता। दूसरे शब्दों में कहें तो इस ब्रह्माण्ड के त्रिविमीय तत्वों से बना मस्तिष्क ब्रह्माण्ड से बाहर तक फैली किसी चीज का भान नहीं कर सकता इसलिए परम चेतना या ईश्वर विचार, बुद्धि या पांडित्य (जो कि मस्तिष्क के विषय हैं) से जाना नहीं जा सकता। सनातन धर्म कहता है कि वह चेतना हम सब के अंदर है। उसका अनुभव इसलिए नहीं हो पाता क्योंकि मस्तिष्क के उत्पाद दृ मन, बुद्धि और अहंकार दृ चेतना को घेरे हैं। इस घेरे को ही माया कहा गया है। सनातन धर्म मानता है कि जब यह घेरा टूटता है तो परम चेतना प्रकाशित होने लगती है।

सनातन धर्म इस घेरे को तोड़ने की जो प्रक्रिया बताता है वह सृष्टि में स्वयं उद्भुत तत्त्वों व सिद्धांतों पर आधारित है इसलिए सभी मनुष्यों के लिए समान है चाहे वह किसी भी रंग, जाति या नस्ल के हों। सनातन धर्म किसी कल्पना लोक में नहीं विचरता। वह मनुष्य के शरीर से शुरू करता है। मनुष्य के शरीर में संसार को अनुभव करने के लिए 5 अंग- आँख, कान, नाक, जीभ और त्वचा हैं, जिन्हें ज्ञानेंद्रियाँ कहते हैं। इसी प्रकार से संसार में काम करने के लिए 5 ही अंग हैं जिन्हें कर्मेन्द्रियाँ कहते हैं। वह हैं- हाथ, पैर, मुँह, लिंग और गुदा। इन इंद्रियों का नियंत्रण मन के पास होता है। इसलिए वह शरीर के माध्यम से मन पर नियंत्रण (मनोनिग्रह) की बात करता है। वह शरीर के नियंत्रण के लिए यम, नियम, आसन, प्राणायाम आदि तरीके बताता है। नियंत्रित शरीर में ही जीव प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के माध्यम मन, बुद्धि और अहंकार को पार कर परम चेतना का अनुभव कर सकता है। सनातन धर्म, प्रकृति को पंच महाभूतों- पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु से बना हुआ मानता है।

प्रकृति का विश्लेषण विज्ञान करती है और परमाणु और अब क्वांटम भौतिकी तक जा पहुँची है। परंतु जब हम प्रकृति को सम्पूर्णता में (संश्लेषण) देखते हैं तो भौतिक पदार्थों के आधार यही पंच महाभूत हैं। संसार के किसी भी कोने में कोई भी चर-अचर बस्तु होगी वह इन्हीं पंचमहाभूतों पर आधारित होगी। सनातन धर्म ईश्वर प्राप्ति के लिए संसार को बाधा नहीं बल्कि सहायक मानता है।

यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार के सियासी मायने ?

डॉ रामेश्वर मिश्र (ओपन सर्च)

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के साढ़े चार वर्षों से अधिक समय बीत चुके हैं ऐसे में महज कुछ शेष बचे महीनों के लिए मंत्रिमंडल विस्तार के क्या मायने हैं? 53 मंत्रियों के सहारे वर्तमान की योगी सरकार क्या असहज थी? क्या योगी सरकार द्वारा अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए मंत्रिमंडल विस्तार किया गया? क्या योगी सरकार जाति के सहारे चुनाव मैदान में उतर रही है? ऐसे अनेक सवाल हैं जो वर्तमान की योगी सरकार को कटघड़े में खड़े करने के लिए पर्याप्त है और ऐसे ही अनेक यक्ष प्रश्न आज समाज में बने हुए हैं। इन प्रश्नों के बीच हमारा ध्यान सरकार के साढ़े चार वर्षों के कार्यकाल में किये गए कार्यों की ओर जाता है जिसमे योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार से जुड़े प्रश्नों के जबाब निहित है। 19 सितम्बर 2021 को योगी सरकार ने साढ़े चार वर्षों की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड आम जनमानस के सम्मुख रखने का खोखला प्रयास किया और अपने को ही परीक्षक एवं परीक्षार्थी की भूमिका में रखकर अपने को अधिकतम अंक देने का प्रयास किया परन्तु इन साढ़े चार वर्षों में अधिकतर मोर्चों पर असफल एवं अव्यवस्थित सरकार का पर्याय बने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अपने ही विधायकों एवं सांसदों के निशाने पर रही। योगी सरकार के कार्यों की उनकी ही पार्टी द्वारा कई बार समीक्षा की गई जिसने योगी सरकार की असफलता, अव्यवस्था और अविश्वास को रेखांकित कर दिया। इन नाकामियों भरे साढ़े चार वर्षों में हर क्षेत्रों में अव्यवस्था एवं भ्रष्टाचार का ढ़ेर लग गया, चाहे वह किसानों की दुर्दशा का विषय हो या महिला उत्पीड़न का विषय हो या नौजवानो की बदहाली का विषय हो या दलित या आम जनमानस के शोषण का विषय हो या फिर ब्राह्मणों की हत्या का विषय हो, इन सब मोर्चों पर योगी सरकार पूर्णतया असफल रही है। योगी सरकार में उक्त क्षेत्रों से जुड़े तथ्यों का अध्ययन कर व्याप्त अव्यवस्थाओं और असफलतों को रेखांकित किया जा सकता है। इस कड़ी में सबसे पहले किसानों का जिक्र आता है। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में जिक्र किया गया था कि गन्ना किसानों के मूल्य का भुगतान 14 दिनों के भीतर कर दिया जायेगा और गन्ना मूल्य 400 रूपये प्रति क्विंटल किया जायेगा, इसके साथ बरेली में फरवरी 2016 में किसानों की स्वाभिमान रैली को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था लेकिन यथा स्थिति इसके बिल्कुल उलट रही और गन्ना किसानों का सत्र 2019-20 और 2020-21 का बकाया बारह हजार करोड़ हो गया है जिस पर गन्ना एक्ट के तहत तीन हजार करोड़ का ब्याज हो गया है। इस प्रकार योगी सरकार पर किसानों का पन्द्रह हजार करोड़ का कर्ज बकाया है। इसके लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए जुलाई 2021 में योगी सरकार से जबाब माँगा था। गन्ना किसानों की समस्या के प्रति जबाबदेही होने के बजाय जब एक आरटीआई के माध्यम के पूँछा गया तो योगी सरकार के मंत्रालय की तरफ से उत्तर दिया गया कि गन्ना किसानों का एक रुपया भी बकाया नही है। इसी प्रकार गन्ना का मूल्य योगी सरकार द्वारा साढ़े चार वर्षों में एक भी बार भी नही बढाया गया और अब जब चुनाव के कुछ महीने शेष हैं ऐसे में गन्ना मूल्य में 25 रूपये की वृद्धि महज सरकार की असफल नीतियों का द्योतक है और आज उत्तर प्रदेश का किसान आय के मामले में सूची में सबसे नीचे रहने वाले राज्यों में शामिल है। किसी भी सरकार की उपलब्धियों रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करने का अधिकार मीडिया का होता है क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण है लेकिन योगी सरकार में उत्तर प्रदेश पत्रकारों की हत्या और उत्पीड़न में नम्बर एक बन गया जिससे सरकार से जुड़ी अव्यवस्था और भ्रष्टाचार की रिपोर्ट को रोका जा सके। इन साढ़े चार वर्षों में हम अपने पत्रकार बंधुओं की स्थिति पर नजर डाले तो उनकी हो रही हत्या और उत्पीड़न उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के महिमा मंडन को कलंकित करने में सक्षम हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट 2021 के अनुसार योगी सरकार में हत्या के 3779 मामले, दलितों के खिलाफ अपराध के 12714 मामले, अपहरण के सबसे ज्यादा 12913 मामले, महिलाओं के खिलाफ अपराध के 49385 मामले एवं हिंसक अपराध के 51983 मामलों के साथ उत्तर प्रदेश इन क्षेत्रों में नंबर वन बन गया। इन संकटों के बीच यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार में ब्राह्मण नेता जितिन प्रसाद को कैबिनेट मंत्री बनाया गया जिसके बाद योगी मंत्रिमंडल में ब्राह्मण मंत्रियों की संख्या 08 हो गई लेकिन पहले साढ़े चार वर्षों में सात ब्राह्मण मंत्रियों के बावजूद यूपी में 500 से अधिक ब्राह्मणों की हत्या तथा 42 संतो-महंतों की हत्या कर दी गयी। अब ब्राह्मण मंत्री जितिन प्रसाद के चेहरे के माध्यम से योगी सरकार अपने कलंकित काम पर पर्दा डालने की असफल कोशिश करने जा रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में प्रति व्यक्ति कर्ज लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2020-21 के मुकाबले 1968 रूपये बढ़कर वर्ष 2021-22 में 26572 रूपये हो जायेगा। इन साढ़े चार वर्षों में उत्तर प्रदेश में कुपोषित बच्चों की संख्या बढ़कर 398359 हो गयी जो देश में सबसे अधिक है। कैग द्वारा जारी की गयी रिपोर्ट के अनुसार इन वर्षों में उत्तर प्रदेश में कई प्रमुख घोटाले हुए जिनमे 2019 में कुम्भ में शौचालय, ड्रोन कैमरा, एलईडी लाइटों की खरीद एवं अन्य कार्यों में करोड़ों का घोटाला; वाहन, माल व यात्रियों से टैक्स वसूली में 14148 करोड़ का घोटाला; अयोग्य कंपनियों को लाभ पहुँचाने में यूपी सेतु निगम को 2.20 करोड़ का घाटा; यूपी सरकार को मिली केन्द्रीय सड़क निधि कहाँ गयी, इन सब घोटालों को कैग ने प्रमुखता से उठाया है। इसके अतिरिक्त योगी सरकार में हुए घोटालों में स्मार्ट मीटर घोटाला, डीएचएफएल घोटाला, छात्रवृति घोटाला, पशुधन घोटाला आदि का जिक्र भी किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में बीते अप्रैल, मई और जून के महीने में कोरोना की दूसरी लहर में जो भयानक अव्यवस्था फैली वह आम जनमानस के दर्द एवं स्वास्थ्य विभाग की जर्जर व्यवस्था को दर्शाने में सक्षम था। इस भयक्रांत समय के महज दो महीने बीतने के बाद सरकार द्वारा अपनी पीठ थपथपाने के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत करना क्या न्याय संगत है वह भी तब जब यूपी डेंगू के डंक ने बदहाली एवं अव्यवस्था को पुनः उजागर करने में सक्षम है। इन प्रमुख संकटों के बीच अपने को श्रेष्ठ राज्य के रूप में प्रस्तुत करना तथा 53 मंत्रियों के कंधे पर इन समस्याओं के बढ़ते बोझ को कम करने के लिए 07 और मंत्रियों की नियुक्ति इतने कम समय के लिए करना आने वाले चुनाव में जातीय समीकरण को साधने की कोशिश मात्र है।

विश्व शांति और स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रासंगिकता

शिव प्रकाश

हम सभी स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण 11 सितंबर 1893 के संदर्भ में उसकी ऐतिहासिकता एवं सार्वभौमिकता पर चर्चा करते हैं। हिंदू धर्म के सर्व कल्याणक, सर्व समावेशी एवं वसुधैव कुटुंबकम के अधिष्ठान को प्रकट करने वाला वह भाषण था। पराधीनता के कालखंड में स्वामी विवेकानंद के भाषण ने भारत एवं भारतीयता को विश्व में प्रतिष्ठा प्रदान की। भारतीय संस्कृति के गौरव को उच्च स्थान पर अधिष्ठित किया। इसी विश्व धर्मसभा के समापन के अवसर पर 27 सितंबर 1893 का भाषण भी उद्घाटन के समान ही गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक था।

जिसने विश्व शांति के मार्ग में लहराते संकटों से बचने एवं विश्व शांति स्थापना के लिए अचूक मार्गदर्शन किया। समापन के अवसर पर अपने भाषण में आयोजकों को धन्यवाद देते हुए स्वामी जी ने कहा था कि 'एकता किसी एक धर्म के विजय और बाकी धर्मों के विनाश से सिद्ध होगी, तो उनसे मेरा कहना है कि भाई तुम्हारी यह आशा असंभव है। क्या मैं यह चाहता हूं कि ईसाई लोग हिंदू हो जाएं ? कदापि नहीं। ईश्वर भी ऐसा ना करें ! क्या मेरी यह इच्छा है कि हिंदू और बौद्ध लोग ईसाई हो जाएं, ईश्वर इस इच्छा से बचाएं।' 9 सितंबर 2021 को केरल के सायरा मालाबार चर्च पाला धर्मप्रांत के बिशप मार जोसेफकल्लारगंट ने केरल में चलने वाले धर्मान्ध मुस्लिम जेहाद के संबंध में चिंता व्यक्त की। बिशप महोदय का दावा है कि 'कैथोलिक लड़कियां नारकोटिक एवं लव जिहाद का शिकार हो रही हैं।' उनका कहना यह भी है कि उनकी मदद के लिए एक संगठित समूह है, जो धर्मांतरण एवं जेहाद में आर्थिक सहित सभी प्रकार की मदद करता है। केरल सहित देश के सभी हिस्सों में हिंदू समाज इस जेहादी मानसिकता से जूझ रहा है। लव, लैंड, नारकोटिक, मतान्तरण इसी जेहाद के अलग-अलग स्वरूप है। केरल, बंगाल, असम, पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेक हिस्सों में इसका भयावह स्वरूप प्रकट हो रहा है। देश के अनेक शहरों में हिंदू को पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

जिस प्रकार की चिंता बिशप महोदय ने की, वह केरल के संबंध में पुलिस एवं गुप्तचर एजेंसिया पहले भी कर चुकी हैं। बिशप महोदय की चिंता तभी प्रकट हुई जब कैथोलिक लड़कियां इन जिहादियों का शिकार हुई। ईसाई मिशनरियाँ भी विश्व में अपने वर्चस्व को स्थापित करने के लिए भारत में धर्मांतरण का यह गोरखधंधा लंबे समय से चला रही हैं। देश के सुदूर वनवासी, जनजाति क्षेत्रों, पर्वतीय क्षेत्रों एवं शहरों की झुग्गी झोपड़ियों में वहां रहने वाले दुर्बल, गरीब समाज की मजबूरी का फायदा उठाकर धर्मांतरण करती हैं। झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर पूर्वांचल में अनेक प्रकार के संघर्ष का कारण यह धर्मांतरण ही है। धर्मांतरण के संबंध

में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि ' एक हिंदू का धर्मांतरण केवल एक हिंदू का कम होना नहीं, बल्कि देश के एक शत्रु का बढ़ना है।' दुनिया के हर हिस्से में आतंक एवं हिंसा की गतिविधियां सक्रिय है। अभी-अभी हम अफगानिस्तान में तालिबानी गतिविधियां देख रहे हैं। तालिबान का अफगानिस्तान में कब्जा होते समस्त विश्व ने देखा है। आतंक के सहारे एक देश पर इस प्रकार का कब्जा दुनिया भर की शांति के लिए खतरा एवं आतंकवादी शक्तियों को बढ़ावा देने वाला है। इस विभीषिका भरी सफलता से दुनिया भर के आतंकी समूह प्रसन्न हो रहे हैं। आतंकवादी संगठनों को लगता है कि अब हम अन्य स्थानों पर भी इसी प्रकार की सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आतंकी संगठनों द्वारा जेहाद पहले तो दूसरे धर्म के लोगों के साथ होता था, लेकिन अफगानिस्तान में तो अपने ही धर्म के लोगों को मारने का सिलसिला चल रहा है। शरीयत को लागू करने के नाम पर अपने ही धर्म की महिलाओं पर अत्याचार, शिक्षा विहीन करना, यह कौन सा जेहाद है ? दुनिया महिला सशक्तिकरण की ओर बढ़ रही है, ऐसे में तालिबान महिला विकास मंत्रालय बंद करके अपनी ही महिलाओं को निरक्षर, रोजगार विहीन करके शक्तिहीन बना रहा है। यह सब जेहाद के नाम पर ही हो रहा है। केरल के बिशप महोदय की चेतावनी हो, अफगानिस्तान की घटनाएं हों, घटनाओं को समर्थन करता पाक हो। विश्व में चलने वाली ऐसी हिंसक घटनाओं पर विश्व मौन है ! विश्व की महाशक्तियां अपने स्वार्थ के तराजू पर हानि-लाभ का गणित लगा रही हैं। इन महाशक्तियों ने अनेक देशों में इस आतंक को बढ़ावा देने का कार्य भी किया है। भारत में भी मानवाधिकारों की बात करने वाले संगठन, महिला अधिकारों के नाम पर छोटी-छोटी घटनाओं को भी विशाल आकार देने वाले महिला संगठन सभी मौन है।

तथाकथित सेकुलर शक्तियों को भी सांप सूंघ गया है। इस निष्क्रियता के कारण समाज को तोड़ने वाली शक्तियों का मनोबल ही बढ़ता है। यदि विश्व में शांति स्थापित करनी है तब समाज की बेहतरी, सुरक्षा, सहिष्णुता और सह अस्तित्व का वातावरण आवश्यक है। स्वामी विवेकानंद ने अपने भाषण में चेतावनी देते हुए कहा था कि 'इन प्रत्यक्ष प्रमाणों के बावजूद भी कोई ऐसा स्वप्न देखे कि अन्य धर्म नष्ट हो जायेंगे, और केवल उनका ही धर्म बचेगा, तो उस पर मैं अपने हृदय के अंतराल से दया करता हूं और उसे स्पष्ट बता देना चाहता हूं कि शीघ्र ही सारे प्रतिरोधों के बावजूद प्रत्येक धर्म की पताका पर यह लिखा रहेगा- सहायता करो- लड़ो मत, परभाव ग्रहण, न कि परभाव विनाश, समन्वय और शांति न कि मतभेद और कलह।'

हिंसा एवं आतंक से युक्त इस सारे वातावरण में भारत एवं उसका धर्म ही विश्व को एक दिशा देने में समर्थ है क्योंकि भारतीय मेधा ने सदैव दूसरे विचारों का सम्मान किया है। अपना विचार थोपने के लिए कोई आक्रमण नहीं किया। दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिया है। विश्व शांति को स्थापित करने के लिए भारतीय समाज को अपनी सनातन संस्कृति का गौरव लेकर शक्तिशाली होना होगा। इसी का आह्वान स्वामी जी ने अपने अनेक भाषणों में किया है। स्वामी विवेकानंद के यह विचार ही विश्व शांति की गारंटी हो सकते हैं जिसमें उन्होंने कहा है कि 'मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूं जिसने दुनिया को सहनशीलता एवं सार्वभौमिकता का पाठ पढ़ाया है।

हम केवल सार्वभौमिक सहनशीलता में ही विश्वास नहीं करते, बल्कि विश्व के सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं। 11 सितंबर 1893 के शिकागो विश्व धर्मसभा के उद्घाटन भाषण की सार्थकता को समझ कर विश्व सक्रिय हो। जिसमें उन्होंने शिव महिमा स्तोत्र के श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा था कि-

रुचीनां, वैचित्र्यादृजुकुटिल नानापथजुषां।
नृणामेको गम्यस्त्वमसि पयसामर्णव इव।।

जैसे नदियां अलग-अलग स्त्रोतों से निकलकर आखिर में समुद्र में जाकर मिलती हैं। वैसे ही मनुष्य अपनी इच्छा के अनुसार अलग-अलग रास्ते चुनता है। एकमात्र यही विश्व शांति का मार्ग है।

(लेखक, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं।)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16/ सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

नवजोत सिद्धू ने रखीं शर्तें, चन्नी ने कहा- पार्टी का प्रदेश प्रधान ही हेड, उनसे बात करुंगा

चंडीगढ़ (एजेंसी) पंजाब कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू के इस्तीफे को लेकर पैदा हालात पर विचार करने के लिए चरणजीत सिंह चन्नी कैबिनेट की बैठक समाप्त हो गई है। चरणजीत सिंह चन्नी प्रेस कांन्फ्रेंस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं पंजाब का दौरा कर रहा हूं और लोगों की समस्याओं को दूर करने की दिशा में काम कर रहा हूं। उन्होंने 53 लाख लोगों के पुराने बिजली बिल माफ करने की घोषणा की।

पुराने बिल का पावरकाम को सरकार चुकाएगी। चन्नी ने कहा कि नवजोत सिंह से आज भी फोन पर बात हुई है और जल्द ही सारे मसले सुलझ जाएंगे। सिद्धू के साथ बैठकर बात करेंगे। दूसरी ओर , बताया जाता है कि सिद्धू ने अपना इस्तीफा वापस लेने को कुछ शर्ते रखी हैं। यहां मीडिया से बातचीत में सिद्धू के इस्तीफे की चर्चा करते हुए सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि यह मामला आज से लेकर कल तक हल कर लिया जाएगा। पार्टी का प्रधान हेड होता है। हेड को परिवार में बैठकर बात करनी होती है। मैंने आज भी सिद्धू साहिब से बात की है। मैंने सिद्धू से कहा कि पार्टी सुप्रीम होती है। आपको जो गलतियां लग रही हैं उस पर बात कर लेते हैं। चन्नी ने कहा कि परगट सिंह और कई मंत्री उनसे मिलने गए थे। इस्तीफा देना पार्टी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश नहीं है। उनके साथ बात करेंगे। पंजाब में कांग्रेस के प्रति माहौल बन रहा है। पंजाब के लोगों के मसलों से मैं पीछे नहीं हटूंगा।

उन्होंने कहा है कि हम स्पेशल प्रॉसिक्यूटर की टीम तैयार कर रहे हैं तो हमारे लंबित केसों को स्टडी करेगी। मेरी कोई इगो नहीं है । बेअदबी मामले में पीछे नहीं हटूंगा, भ्रष्टाचार नहीं होगा। ऐसे किसी मामले से पीछे नहीं हटूंगा उधर परगट सिंह ने कहा कि हमारे कुछ आंतरिक मसले हैं और उन्हें हल कर लिया जाएगा। एजी को बदलने के बारे में कुछ नहीं कह सकता है। हर बंदे का एक स्टाइल होता है। मैं उनके इस्तीफे

पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। मैं गया था उनसे मिलने, राजा वडिंग भी मेरे साथ थे। हमने उन्हें समझाने की कोशिश की है। परगट ने कहा कि हाईकमान से इस बारे में कोई बात हुई है या नहीं इस बारे में मुझे नहीं पता है। यहां मीडिया से बात करते हुए चन्नी ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देने की ऐलान किया। इसके साथ ही उन्होंने रेत माफिया पर जल्द ही नकेल कसने की बात की। उन्होंने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू से आज भी फोन पर बात हुई है और आज या कल उनके साथ बैठकर बात करेंगे। उन्होंने कहा कि सिद्धू पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और प्रदेश प्रधान पूरी पार्टी का हेड होता है। उन्होंने कहा कि दो मंत्रियों अमरिंदर सिंह राजा वडिंग की कमेटी भी सिद्धू से बात कर रही है और सारा मामला सुलझ जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 1500 रुपये फीस दोबारा कनेक्शन लगाने की फीस है। वह भी हम भरेंगे। लोगों में क्षमता नहीं है बिल भरने की इसलिए उनकी ओर बकाया खड़ा है। हमने उनको माफ करने का फैसला लिया है कैबिनेट में । ऐसे 53 लाख परिवार हैं। ऐसा करने पर 1200 करोड़ रुपए के लगभग बोझ खजाने पर पड़ेगा। उधर, कांग्रेस हाईकमान का रुख सख्त हो गया है। बताया जाता है कि कांग्रेस नेतृत्व अब सिद्धू को नहीं मनाएगा आलाकमान ने पूरा मामला अब पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह पर छोड़ दिया है।

दूसरी ओर पंजाब कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत भी चंडीगढ़ नहीं पहुंचे हैं। हरीश रावत कांग्रेस का घमासान सुलझाने के लिए चंडीगढ़ पहुंच गए हैं। जल्द ही मुख्यमंत्री सहित पार्टी के सीनियर नेताओं के साथ बात करेंगे। बता दें कि सरी ओर चन्नी ने फिर आज कैबिनेट की बैठक बुलाई। बैठक में सिद्धू के इस्तीफे से पैदा हालात पर चर्चा हुई। दूसरी ओर बताया जाता है कि नवजोत सिंह सिद्धू भी पटियाला से चंडीगढ़ आ रहे हैं। पंजाब विधायक दल में केंद्रीय पर्यवेक्षक हरीश चौधरी भी चंडीगढ़ पहुंचे हैं। उनकी नवजोत सिंह सिद्धू से मुलाकात की संभावना है। कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस हाई कमान अब इस्तीफे को लेकर नवजोत सिंह सिद्धू को नहीं मनाएगी। हाईकमान ने पूरे मामले को मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर छोड़ दिया है। हाईकमान ने चन्नी से कहा है कि वह सिद्धू से बात कर पूरे मामले को सुलझाएं। मामले के हल और सिद्धू से बात करने लिए चन्नी ने दो सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

इसमे अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और परगट सिंह शामिन हैं। दोनों ने आज सुबह पटियाला में सिद्धू से मुलाकात की थी और इसके बात कैबिनेट की बैठक में सिद्धू से हुई बातचीत के बारे में जानकारी दी थी। दूसरी ओर, सिद्धू के करीबी विधायक कुलबीर जीरा कहना है कि शाम तक मामला सुलझ जाएगा।

एक नज़र

लुधियाना में चोरी के बाइक व मोबाइल समेत दो गिरफ्तार, पूछताछ में जुटी पुलिस

लुधियाना (एजेंसी) चोरी के मोटरसाइकल पर फर्जी नंबर प्लेट लगा कर लूटपाट व झपटमारी की वारदातें करने वाले गिरोह के 2 सदस्यों को थाना बस्ती जोधेवाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक मोटरसाइकिल तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। दोनों के खिलाफ केस दर्ज करके बुधवार उन्हें अदालत में पेश किया। जहां से 1 दिन का रिमांड हासिल करने के बाद कड़ी पूछताछ की जा रही है।

एएसआइ सुरिंदर कुमार ने बताया कि आरोपितों की पहचान नूरवाला रोड के बजरंग विहार निवासी संदीप सिंह तथा बहादर के रोड स्थित सब्जी मंडी की झुग्गियों में रहने वाले राहुल कुमार के रूप में हुई। मंगलवार शाम पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों आरोपित चोरी के मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगा कर लूटपाट व झपटमारी की वारदातें करते हैं। आज भी दोनों काकोवाल रोड स्थित बिजली दफ्तर के आसपास किसी वारदात की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर वहां की गई दबिश के दौरान दोनों को काबू कर लिया गया। सुरिंदर कुमार ने कहा कि दोनों अब तक कई वारदातें को अंजाम दे चुके हैं। संदीप के खिलाफ पहले से एक केस दर्ज है।

जबकि राहुल का पुराना रिकार्ड चेक किया जा रहा है। उससे की जा रही पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की संभावना है। बांगडू मोहल्ले में सरेआम शराब की तस्करी करने वाले व्यक्ति को थाना डिवीजन नंबर 3 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 274 पव्वा तथा 7 बोतल अवैध शराब बरामद की गई। उसके खिलाफ केस दर्ज करके छानबीन की जा रही है। एएसआइ रछपाल सिंह ने बताया कि आरोपित की पहचान बांगडू मोहल्ला निवासी लवली लूथरा के रूप में हुई। पुलिस को मंगलवार शाम सूचना मिली थी कि आरोपित अपने घर में बैठ कर शराब बेच रहा है।

सूचना के आधार पर दबिश देकर उसे काबू कर लिया गया। रछपाल सिंह ने कहा कि आरोपित का नेटवर्क खंगाला जा रहा है ताकि पता लगाया जा सके कि इतनी भारी मात्रा में शराब वो कहां से लेकर आता था।

लुधियाना में छेड़छाड़ का विरोध करने पर ढाबा चलाने वाली सास-बहू पर जानलेवा हमला

लुधियाना (एजेंसी) ढाबा चलाने वाली महिला ने जब छेड़छाड़ करने वाले का विरोध किया तो आरोपितों ने अपने साथियों समेत उस पर तथा सास पर जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट कर घायल करने के बाद आरोपित जान से मारने की धमकियां देते फरार हो गए। हमले में महिला के हड्डियां तक टूट गईं। इलाज के लिए उसे सीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अब थाना मोती नगर पुलिस तोती, विक्की टंडा तथा उनके दो अज्ञात साथियों पर केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की है। एसआइ रछपाल सिंह ने बताया कि उक्त केस गांव भूखड़ी कलां स्थित ग्रीन सिटी निवासी 60 वर्षीय दर्शना कौर की शिकायत पर दर्ज किया गया। अपने बयान में उसने बताया कि वो अपनी बहू सुखविंदर कौर के साथ ट्रांसपोर्ट नगर स्थित डीएस पार्क में रेहड़ी लगा कर चाय और रोटी सब्जी बना कर बेचने का काम करती है। उक्त आरोपित अकसर उसकी बहू को परेशान करते रहते हैं। 29 सितंबर की रात 12.15 बजे जब वो लोग छुट्टी करके जाने लगे तो तेजधार हथियारों से लैस होकर आए आरोपितों ने उन्हें जान से मार देने की नीयत से उन पर हमला कर दिया। दोनों के शोर मचाने पर जमा हुए लोगों को देख कर आरोपित जान से मारने की धमकियां देते फरार हो गए। शादी की नीयत से नाबालिग का अपहरण करने के आरोप में थाना फोकल प्वाइंट पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की है।

एएसआई अजमेर सिंह ने बताया कि उक्त केस ढंडारी खुर्द निवासी व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज किया गया। अपने बयान में उसने बताया कि 21 सितंबर को उसकी 15 वर्षीय बेटी घर में किसी को कुछ बताए बगैर कहीं चली गई और लौट कर नहीं आई। उसे आशंका है कि किसी ने उसे बहला फुसला कर शादी का झांसा दिया और अगवा कर ले गया है।

चंडीगढ़ में 69,655 बच्चों को पिलाई गईं दो बूंद जिंदगी की, रात में चला घर-घर अभियान

चंडीगढ़ (एजेंसी) पल्स पोलियो अभियान के तहत दो दिन में 69,655 बच्चों को दो बूंद जिंदगी की दी गई। पोलियो की ड्राप पिलाकर बच्चों को पोलियो की बीमारी से सुरक्षित किया गया। स्वास्थ्य निदेशक डा. अमनदीप कौर कंग ने कहा कि विभाग की ओर से 68,480 बच्चों को पोलियो की बूंदें पिलाने का लक्ष्य रखा गया था। विभाग ने 69,655 बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाकर 101.71 फीसद बच्चों को इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम के तहत कवर किया। इस दौरान विभाग की ओर से बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाने के लिए 27 सुपरइवाजर के नेतृत्व में 617 टीमें बनाई गई।

इन टीमों ने शहर के हर गांव व शहरी इलाके में जाकर बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई। पल्स पोलियो अभियान में तारे जमीन पर थीम के तहत देर रात को स्वास्थ्य कर्मियों ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर पांच साल के बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई। इस दौरान 179 बच्चों को रात में डोर टू डोर कैंपेन और डिस्पेंसरी में पोलियो ड्राप पिलाई गई। पहली बार स्वास्थ्य निदेशक डा. अमनदीप कौर कंग के नेतृत्व में शहर में रात में भी इस प्रकार का अभियान जारी रहा। स्वास्थ्य निदेशक डा. अमनदीप कौर कंग ने कहा कि इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम के तहत खुड्डा लाहौरा, खुड्डा जसू, खुड्डा अलिशेर, सारंगपुर, धनास, कैंबवाला, मलोया, डड्डूमाजरा, मद्रासी कॉलोनी, इंदिरा कॉलोनी, बापूधाम, मौली गांव, मौली कांप्लेक्स, विकास नगर, मनीमाजरा, कालोनी नंबर-4, गांव फैदां, हल्लोमाजरा, रामदरबार, अटावा, पलसोरा, बेहलाना, रायपुर खुर्द, कजहेड़ी, किशनगढ़, दड़वा, अटावा, टिन कॉलोनी, जनता कालोनी, भगवानपुरा, सिटको, शास्त्री नगर में पांच साल तक के बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई गई।

भारतीय किसान यूनियन ने उठाई मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल को बंद करने की मांग, कुरुक्षेत्र उपायुक्त को लिखा पत्र

कुरुक्षेत्र (एजेंसी) कुरुक्षेत्र में भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी ग्रुप) ने उपायुक्त को पत्र लिखकर मेरी फसल, मेरा ब्यौरा (एमएफएमबी) पोर्टल बंद करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में इस पोर्टल के चलते किसानों के सामने आ रही समस्याओं का जिक्र किया है।

हरियाणा में छठा वेतन आयोग ले रहे कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 25 फीसद बढ़ा, पहली जुलाई से मिलेगा लाभ

हरियाणा सरकार ने छठा वेतन आयोग की अनुसार वेतन ले रहे कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 25 फीसद बढ़ा दिया है। इनका डीए 164 फीसद से बढ़ाकर 189 फीसद कर दिया गया है। उन्हें यह लाभ पहली जुलाई से मिलेगा।

चंडीगढ़ (एजेंसी) हरियाणा में छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन ले रहे सरकारी कर्मचारियों को तोहफा दिया है। इन कर्मचारियों को अब 25 फीसद ज्यादा महंगाई भत्ता (डीए) मिलेगा।

प्रदेश सरकार ने इन कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 164 फीसद से बढ़ाकर 189 फीसद कर दिया है। बढ़े हुए डीए का लाभ विगत पहली जुलाई से मिलेगा। प्रदेश में सातवां वेतन आयोग लागू है। सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन और भत्ते ले रहे कर्मचारियों का महंगाई भत्ता पहले ही 11 फीसद बढ़ाते हुए 17 फीसद से बढ़ाकर 28 फीसद किया जा चुका है।

प्रदेश में कुल 2.85 लाख कर्मचारी और दो लाख 62 हजार पेंशनर हैं जिनका महंगाई भत्ता बढ़ाया जा चुका है। वित्त विभाग ने छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन ले रहे सभी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता पहली जुलाई से बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए हैं।

बढ़े हुए महंगाई भत्ते में 1 जनवरी 2020, 1 जुलाई 2020 और 1 जनवरी 2021 से देय महंगाई दर भी शामिल है। हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए सुगम शिक्षा के अंतर्गत राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में रिक्त पदों पर सेवानिवृत प्राध्यापकों व अध्यापकों की सेवाएं लेने का निर्णय लिया है।

विभाग की ओर से प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारी व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्राधिकार के विद्यालयों के मुखिया व प्रभारी को सूचित करें कि वे अपने विद्यालय में उपलब्ध पीजीटी, टीजीटी तथा सीएंडवी पदों पर रिक्त पदों के समक्ष आवश्यकतानुसार सेवानिवृत प्राध्यापकों व अध्यापकों की सेवाएं 'स्टाप गैप अरेंजमेंट' के रूप में ले सकते हैं।

हरियाणा के खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त ने एक आदेश जारी कर प्रदेश में एक साल के लिए पान मसाला, गुटखा और खाने वाले तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसी औपचारिकता हालांकि हर साल की जाती है, लेकिन आज तक इन पर अमल के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाए गए हैं।

भाजपा नेता बीरेंद्र सिंह और इनेलो प्रमुख ओमप्रकाश चौटाला के बगलगीर होने के निहिताथ

पानीपत (एजेंसी) पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह लंबे समय कांग्रेस में रहे। सात वर्ष पहले भाजपा में आए और अब वह संकेत दे रहे हैं कि भाजपा से उनका मोहभंग हो चुका है। पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की जयंती पर 25 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) प्रमुख ओमप्रकाश चौटाला के साथ मंच साझा करते हुए उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा पर जो कटाक्ष किया, उससे यह स्पष्ट हो जाता है कि उनके मन में छटपटाहट है। माना जा रहा कि बेटे बृजेंद्र को केंद्र सरकार में मंत्री न बनवा पाने से बीरेंद्र सिंह व्यथित हैं।

2014 के लोकसभा चुनावों के पूर्व बीरेंद्र सिंह कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य थे। लोकसभा चुनावों के ठीक पहले वह भाजपा में आए। तब वह कहा करते थे कि कांग्रेस में उनके साथ ट्रेजेडी होती रही। उनके आगमन पर अमित शाह ने कहा था- भाजपा में चौधरी साहब के साथ न ट्रेजेडी होगी न कामेडी। चुनाव हुए। भाजपा केंद्र में सत्ता में आई। बीरेंद्र सिंह को भाजपा ने राज्यसभा में भेजा। केंद्र में कैबिनेट मंत्री बनाया। विधानसभा चुनाव हुए। बीरेंद्र सिंह की इच्छा थी कि भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री बनाए। भाजपा ने उनकी पत्नी प्रेमलता और दो तीन समर्थकों को टिकट दिया जरूर, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया। यह बात अलग है कि भाजपा में केंद्रीय मंत्री बनकर वह संतोष जाहिर करते थे और

कहा करते थे कि भाजपा ने उन्हें चार महीने में जो दिया, वह कांग्रेस ने चालीस वर्षो में नहीं दिया। कांग्रेस में बीरेंद्र सिंह की प्रतिस्पर्धा चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा से रही। 2005 के विधानसभा चुनावों के बाद जब चौधरी भजनलाल को हुड्डा खेमे से चुनौती मिल रही थी और उन्हें लगा कि अब मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे तो उन्होंने चौधरी बीरेंद्र सिंह का नाम आगे बढ़ा दिया, यद्यपि हुड्डा बाजी जीत गए। चौधरी बीरेंद्र सिंह ने खुद को हुड्डा के समानांतर कांग्रेस में स्थापित करने की कोशिश की। कुछ हद तक सफल भी रहे, लेकिन कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में नहीं प्रमोट किया। इसके लिए परिस्थितियां भी जिम्मेदार थीं। 2009 के चुनाव में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। हुड्डा ने जुगाड़ से सरकार बना ली। यद्यपि हुड्डा पर अंकुश लगाने के लिए कांग्रेस ने उन्हें राष्ट्रीय महासचिव बना दिया। राज्यसभा में भेजा, पर मुख्यमंत्री बनने की उनकी हसरत पूरी नहीं हुई। भाजपा में आने के बाद उन्होंने परिस्थितियों से समझौता करने का निर्णय लिया और स्वयं के बजाय बेटे बृजेंद्र को राजनीति में लांच करने पर फोकस किया। बीते लोकसभा चुनावों के पहले उन्होंने हिसार से अपने बेटे बृजेंद्र को टिकट देने के लिए भाजपा नेतृत्व से अनुरोध किया। साथ में यह प्रस्ताव दिया कि वह राज्यसभा सीट और मंत्री पद छोड़ देंगे। भाजपा ने उनका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। बृजेंद्र भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी थे। इस्तीफा देकर हिसार से भाजपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़े और जीते।

बीरेंद्र सिंह ने पुरजोर कोशिश की कि बृजेंद्र केंद्रीय मंत्रिमंडल में ले लिए जाएं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बीरेंद्र सिंह को लगता था कि निकट भविष्य में केंद्रीय मंत्रिमंडल में विस्तार या परिवर्तन होगा तो उनके बेटे को जगह मिल जाएगी। कुछ महीने पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल के समय उन्होंने इसके लिए भरपूर प्रयास किए। फिर भी बात नहीं बनी। तब से बीरेंद्र सिंह में छटपटाहट है। चौटाला परिवार की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाने के पीछे एक बड़ा कारण और है। बीते विधानसभा चुनावों में उनकी पत्नी प्रेमलता, जो भाजपा प्रत्याशी थीं, दुष्यंत चौटाला से उचाना विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार गईं। जननायक जनता पार्टी ने भाजपा को समर्थन दिया और दुष्यंत उप मुख्यमंत्री बन गए।

पंजाब सीएम चन्नी ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, 53 लाख परिवारों को नहीं देना होगा बकाया बिल

चंडीगढ़ (एजेंसी) पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने राज्य के लोगों के लिए बड़ी घोषणा की है। सीएम ने दो केबी तक के बिजली उपभोक्ताओं के बकाया 1200 करोड़ रुपये के बिजली बिल माफ करने की घोषणा की है। सरकार की इस घोषणा से 53 लाख परिवार लाभान्वित होंगे। यह बकाया राशि पंजाब सरकार पावरकाम को देगी। यह फैसला आज पंजाब कैबिनेट की बैठक में लिया गया है। सीएम ने कहा कि 1500 रुपये फीस दोबारा कनेक्शन के लिए ली जाती है। इसे भी पंजाब सरकार भरेगी।

सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि इसके लिए एक कमेटी बनेगी। इसमें एक एसडीओ भी शामिल होगा। इस काम में सरपंचों की भी मदद ली जाएगी। राज्य में ऐसे एक लाख लोगों के कनेक्शन काटे गए हैं जिन्होंने ये बिल नहीं भरे हैं, लेकिन अब उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। पिछला बकाया सरकार देगी और उन्हें मुफ्त कनेक्शन मिलेंगे। रेत माफिया पर

नकेल के संबंध में चन्नी ने कहा कि रेत माफिया के पुराने के नेक्सस को खत्म करने की योजना पर काम किया जा रहा है। यह जल्द खत्म हो जाएगा। जलद पॉलिसी जारी होगी। बता दें, रेत माफिया को लेकर सरकार पर आरोप लगते रहे हैं। नवजोत सिंह सिद्धू भी यह मामला उठाते रहे हैं। नवजोत सिंह सिद्धू के इस्तीफे पर चन्नी ने कहा कि पार्टी प्रधान होता है वह हेड होता है। हेड को परिवार में बैठकर बात करनी होती है। मैंने आज भी सिद्धू से बात की है। पार्टी सुप्रीम होती है।

आपको जो गलतियां लग रही हैं उस पर बात कर लेते हैं। चन्नी ने कहा कि परगट सिंह और कई मंत्री उनसे मिलने गए थे। इस्तीफा देना पार्टी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश नहीं है। उनके साथ बात करेंगे। पंजाब में कांग्रेस के प्रति माहौल बन रहा है। पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि हम स्पेशल प्रासिक्यूटर की टीम तैयार कर रहे हैं। यह हमारे लंबित केसों को स्टडी करेगी। उन्होंने कहा कि उनका कोई अहम नहीं है। बेअदबी मामले में पीछे नहीं हटूंगा, भ्रष्टाचार नहीं होगा। ऐसे किसी मामले से पीछे नहीं हटूंगा।

दिल्ली के केजरीवाल चंडीगढ़ पहुंचे, लुधियाना में उद्यमियों से करेंगे बैठक

लुधियाना (एजेंसी) आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल बुधवार को पंजाब दौरे पर चंडीगढ़ पहुंच गए। यहां से वह सड़क मार्ग से लुधियाना पहुंचेंगे। केजरीवाल के साथ भगवंत मान, पंजाब मामलों के प्रभारी जरनैल सिंह, विधायक अमन अरोड़ा और प्रो. बलजिंदर कौर भी मौजूद थीं।

शहर के पार्क प्लाजा के बाहर केजरीवाल के आने से पहली पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है। केजरीवाल के 3 बजे के बाद पहुंचने की संभावना

है। उद्यमियों की मीटिंग के बाद हरपाल चीमा प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। आप के प्रदेश प्रमुख भगवंत मान ने बुधवार को केजरीवाल के दौरे की जानकारी ट्वीटर के जरिए सांझा की थी। आप के लुधियाना संसदीय क्षेत्र के इंचार्ज व प्रदेश सह सचिव अमनदीप मोही का कहना है कि केजरीवाल 30 सितंबर को मीडिया से रूबरू होंगे। केजरीवाल की उद्यमियों से मीटिंग के कार्यक्रम को पूरी तरह से गुप्त रखा गया है। स्थानीय इकाई की तरफ से मीडिया को यह जानकारी दी गई थी कि केजरीवाल लुधियाना में 30 सितंबर को सिर्फ मीडिया से ही बातचीत करेंगे और उसी दौरान रोजगार की दूसरी गारंटी की घोषणा करेंगे। आप नेता अमनदीप मोही के इस बयान के तुरंत बाद ही भगवंत मान ने ट्वीटर के जरिए मीटिंग की जानकारी दी थी। आप के प्रदेश प्रवक्ता अहबाब ग्रेवाल भी केजरीवाल की उद्यमियों के साथ बैठक की बात कबूल कर चुके हैं। इसके बावजूद स्थानीय इकाई की तरफ से केजरीवाल की बैठक के बारे में मीडिया को जानकारी नहीं दी जा रही है। दरअसल आप नेताओं को डर है कि किसान इसका विरोध न करें।

डेराबस्ती के विधायक एनके शर्मा ट्रैक्टर रैली के साथ मोहाली रवाना, किसानों को जमीन का उचित मुआवजा देने की मांग

जीरकपुर (एजेंसी) डेराबस्सी के विधायक एन के शर्मा ने बुधवार को एक्सप्रेस- वे के लिए किसानों की अधिग्रहीत जमीन का उचित मुआवजा न मिलने पर विशाल ट्रैक्टर रैली में हिस्सा लिया। शर्मा ट्रैक्टर रैली के साथ मोहाली के लिए रवाना हुए, जहां से वह एक बड़े काफिले के साथ सीएम के आवास पर उनको मांग पत्र देने चंडीगढ़ रवाना होंगे। वहां पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल भी पहुंच रहे है। एनके शर्मा ने कहा कि पिछले डेढ़ साल से कांग्रेस किसानों के साथ धक्का करती आई है। शिरोमणि अकाली दल किसान हिमायती पार्टी है।

उन्होंने कहा कि आज से 6 - 7 साल पहले सड़क एक्वायर करने के लिए किसानों की जमीन का 3 करोड़ मुआवजा मिलता था लेकिन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में अब एक्सप्रेस-वे के लिए किसानों की जमीन का मुआवजा ठीक से नहीं मिल रहा। किसी किसान को 28 लाख , किसी को 90 लाख तो

किसी को 30 लाख दिया जा रहा है, जो किसानों के साथ धक्केशाही है। उन्होंने कहा एक्सप्रेस-वे के खिलाफ किसानों की बनी कमेटी धरना प्रदर्शन कर रही है लेकिन कांग्रेस सरकार किसानों के साथ धक्केशाही करने से बाज नहीं आ रही। सरकार को उनकी कोई परवाह नहीं है।

शर्मा ने कहा कि जब तक सरकार किसान भाईचारे को उनकी जमीन का बनता मुआवजा नहीं देती, तब तक शिरोमणि अकाली दल किसानों के साथ संघर्ष जारी रखेगी।

शर्मा ने कहा कि पूरे पंजाब से 25 हजार एकड़ जमीन एक्वायर की जा रही है। उन्होंने कहा ऐसे में किसानों को मार्केट रेट से चार गुणा अधिक मुआवजा मिले। शर्मा ने डेराबस्सी हलके की बात करते कहा कि यह हलका विकास में सबसे आगे है।

यहां के किसानों को बनता मुआवजा ना मिलना किसानों से उनका हक छीनने के बराबर है। उन्होंने कहा कि आज उसी उद्देश्य से किसानों का एक बड़ा काफिला अपने हक के लिए चंडीगढ़ सीएम की कोठी के लिए रवाना हुआ है।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना खोलने प्रथम शुद्धिपत्र
सं0 128/डब्ल्यू/280/एनआईटी-09/21-22/कार्य दिनांक: 29.09.2021
विज्ञापित निविदा सूचना No. 128-डब्ल्यू/280/एनआईटी-09/2021-22/कार्य
विज्ञापित निविदा सूचना संख्या 128-डब्ल्यू/280/एनआईटी-09/2021-22/कार्य में, एसएन्ड पर निविदा के खुलने की तिथि को गलत तरीके से 28.09.2021 के रूप में प्रकाशित किया गया है, जिसे 28.10.2021 के रूप में पढ़ा जा सकता है। शेष शर्तें यथावत हैं। कार्य का विवरण इस प्रकार है :-
आइटम संख्या 3 :- मंडल अभियंता/कार्य-II/दिल्ली अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता नई दिल्ली के अनुभाग में पीएफ नंबर 2/3 = 2850 वर्गमीटर, पीएफ नंबर 4/5 = 2800 वर्गमीटर, पीएफ नंबर 8/9 = 3900 वर्गमीटर, पीएफ नंबर 12/13 के 0.8 मिमी मेटालाइज शीट, वैली गटर और डाउन पाइप आदि के साथ प्लेटफार्म शेल्टर की मरम्मत = 3900 वर्गमीटर, पीएफ 16 = 2500 वर्गमीटर, वैली गटर पीएफ 2/3 = 480 मीटर, पीएफ 8/9 = 400 मीटर, पीएफ 12/13 400 मीटर, पीएफ 16 = 300 मीटर का कार्य।
अन्य सभी नियम व शर्तें समान रहेंगी
निविदा दस्तावेज IREPS site i.e. www.ireps.gov.in, पर दिनांक 28.10.2021 को 15.00 बजे तक उपलब्ध है।
2213/2021
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नज़र

राजद ने बताया दो सीट का फार्मूला जिससे तेजस्वी बन सकते हैं बिहार सीएम, नीतीश को देना होगा इस्तीफा

पटना (एजेंसी) । बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने कुशेश्वरस्थान और तारापुर सीट पर अपना दावा कर दिया है। हालांकि कहा यह भी है कि अंतिम निर्णय महागठबंधन को करना है। उपचुनाव की तारीख का एलान होते ही सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। दोनों सीटों पर 30 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। बड़ा बयान देते हुए आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने मंगलवार को पटना में कहा है कि हम कुशेश्वरस्थान और तारापुर सीट जीतकर बिहार में सरकार बना लेंगे। लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे और नीतीश कुमार को सीएम पद से इस्तीफा देना होगा। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि राजद की कुशेश्वरस्थान और तारापुर पर दावेदारी है पर अंतिम निर्णय महागठबंधन के नेताओं के साथ बैठक के बाद लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों सीटें महागठबंधन के पास आए इसके लिए हम चाहते हैं कि राजद के उम्मीदवार चुनाव लड़ें। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि कुशेश्वरस्थान और तारापुर हम जीत जाते हैं तो बिहार में सरकार बनाने में हम सफल होंगे। तेजस्वी यादव बिहार के सीएम बनेंगे और नीतीश कुमार को इस्तीफा देना होगा। विशेष राज्य के दर्ज पर राजद प्रवक्ता ने कहा कि तेजस्वी यादव तो पहले से ही कह रहे हैं कि नीतीश कुमार थक चुके हैं। अब तो जदयू भी सरेंडर कर चुका है। मृत्युंजय तिवारी ने नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि जो पटना विश्वविद्यालय को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्ज नहीं दिला पाए वो विशेष राज्य की मांग कहां से पूरा कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि अब यह साफ हो चुका है कि जदयू विशेष राज्य के मुद्दे पर राजनीति कर रहा था। एनडीए सरकार को बिहार की 13 करोड़ की जनता की फिक्र नहीं है। अब सबकुछ साफ-साफ हो गया है। विशेष राज्य को लेकर ही सही जदयू पूरी तरह से एक्सपोज हो गया है।

प्रमाणपत्रों की जांच के बाद अभ्यर्थियों को मिलेगा नियुक्ति पत्र

पटना (एजेंसी) । पटना उच्च न्यायालय के आदेश पर शिक्षा विभाग ने 94 हजार प्रारंभिक शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का आदेश सभी जिलों को दिया है। प्रमाण पत्रों की जांच के बाद चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा, इसकी तैयारी विभाग के स्तर पर हो रही है। विभिन्न कारणों से जिन 1100 नियोजन इकाइयों में काउंसिलिंग रद की गई थी, उन इकाइयों में अगले सप्ताह से तकरीबन 10 हजार शिक्षक अभ्यर्थियों की कांउसिलिंग शुरू होगी। इसके लिए प्राथमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से काउंसिलिंग का शिड्यूल जल्द जारी किया जाएगा। पहले चरण में उन इकाइयों के लिए काउंसिलिंग हुई, जिनमें छूटे हुए दिव्यांग अभ्यर्थियों के आवेदन नहीं पड़े थे। दूसरे चरण में उन इकाइयों के लिए काउंसलिंग हुई, जिनमें छूटे हुए दिव्यांग अभ्यर्थियों के आवेदन पड़े थे। पहले चरण की काउंसिलिंग बीते पांच जुलाई से शुरू होकर 12 जुलाई तक हुई। इससे इतर दूसरे चरण की काउंसिलिंग दो अगस्त से शुरू होकर 13 अगस्त तक चली। दोनों चरणों की काउंसिलिंग में शिक्षक पद के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची संबंधित जिलों के एनआइसी पर अपलोड की जा चुकी है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार के मुताबिक सबसे पहले वैसे सर्टिफिकेट, जिनका सत्यापन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से किया जाना है, को संकलित कर एक पदाधिकारी को नामित करते हुए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय से सत्यापन कराया जाना है। इसके साथ ही वैसे सर्टिफिकेट, जिनका सत्यापन राज्यान्तर्गत विश्वविद्यालयों से किया जाना है, का सत्यापन प्रमाण पत्रों को विश्वविद्यालयवार संकलित करते हुए विशेष दूत के माध्यम से किया जाना है, ताकि अभ्यर्थियों के सभी प्रमाण पत्रों का सत्यापन शीघ्रातिशीघ्र पूरा हो सके। शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के अतिरिक्त नियुक्ति के लिए अन्य प्रमाण पत्र यथा, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र आदि का सत्यापन भी किया जाना है।

गैस सिलेंडर विस्फोट से कपड़ा व्यवसायी के दो मंजिला मकान में लगी भीषण आग, मुजफ्फरपुर की घटना

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) । सदर थाना के डुमरी गोबरसही मोहल्ला में गैस सिलेंडर में रिसाव व विस्फोट से कपड़ा व्यवसायी रामचंद्र राय के दो मंजिला मकान में भीषण आग लग गई । उस समय घर के अंदर आधा दर्जन पारिवारिक सदस्य मौजूद थे। इसमें एक बुजुर्ग महिला भी थी। आग की लपटों व धुआं के कारण सभी मकान के अंदर ही घिर गए थे। मकान का प्रवेश द्वार व दूसरा निकास द्वार भी आग की लपटों से घिरा हुआ था। जिससे निकलना मुश्किल था। इससे घर में चीख-पुकार मच गई । सभी बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे । आसपास के लोगों ने बांस की सीढ़ी लगाकर उपरी मंजिल में जान बचाने के लिए चिल्ला रहे रामचंद्र राय के स्वजनों को सुरक्षित बाहर निकालना चाहा, लेकिन सीढ़ी छोटी पड़ गई । इसके बाद दूसरी मंजिल की रेलिंग में साड़ी बांध कर एक-एक कर सभी को सुरक्षित नीचे सड़क पर उतारा गया। गृहस्वामी रामचंद्र राय ने बताया कि वह अपने कपड़े की दुकान पर था। घर में उसकी पत्नी राजकुमारी देवी किचन में खाना बना रही थी।इस दौरान वह पानी लाने नल पर गई थी। इसी बीच सिलेंडर में रिसाव होने लगा और उसमें आग लगी हुई थी। उसकी पत्नी ने शोर मचाने लगी। जब तक लोग जुटते , थब तक आग भीषण रूप धारण कर लिया था।

बैंक मैनेजर हर महीने ग्राहकों के खातों से निकालता था पैसे, कई के खाली कर दिए अकाउंट

धनरुआ (एजेंसी) । पटना जिले के धनरुआ बाजार में पंजाब नेशनल बैंक के ब्रांच मैनेजर रजनीश को यूपी पुलिस ने सोमवार को एक फर्जीवाड़ा मामले में धनरुआ पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद बैंक में कामकाज ठप हो गया। गिरफ्तार बैंक मैनेजर नालंदा के बिंद थाना के निगराईन गांव के रामचंद्र प्रसाद का पुत्र रजनीश कुमार है। यूपी पुलिस ब्रांच मैनेजर को गोरखपुर लेकर चली गई। ब्रांच मैनेजर के विरुद्ध गबन का मामला दर्ज था और छह माह पहले से गिरफ्तारी वारंट निकला था। जानकारी के मुताबिक, रजनीश कुमार पर यूपी के गोरखपुर के अकौना थाना की अकौना ब्रांच में मैनेजर रहने के दौरान फर्जीवाड़ा कर ग्राहकों का पैसा निकालने का मामला दर्ज था। मामला बैंक के आडिट में पकड़ा गया था। ब्रांच के कई ग्राहकों के खाते से हर माह तीन-चार हजार की अवैध निकासी की जाती थी। ग्राहक इससे अनभिज्ञ थे। ब्रांच में पासबुक अपडेट नहीं होती थी। आडिट रिपोर्ट के मुताबिक पैसे की निकासी ब्रांच मैनेजर की जानकारी में होती थी। ब्रांच मैनेजर के खिलाफ थाना में मामला दर्ज होते ही तबादला पटना के धनरुआ ब्रांच में हो गया। कई बार गोरखपुर पुलिस द्वारा लिखित पत्र देकर थाने में उपस्थित होकर मामले पर पक्ष रखने को कहा गया, लेकिन ब्रांच मैनेजर उपस्थित नहीं हुआ।

बिहार कांग्रेस का संकटः जीते तो टिके, हारे तो गायब कन्हैया के बहाने शेखर सुमन से शत्रुघ्न सिन्हा तक की पड़ताल

पटना (एजेंसी) । बिहार में कांग्रेस के लिए यह बड़ा संकट है। बड़े नाम वाले नेता आते हैं। चुनाव जीत गए तो टिकते भी हैं, लेकिन हार गए तो पार्टी को यह खबर भी नहीं लगती है कि नेताजी कहां चले गए। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से कांग्रेस में आए कन्हैया कुमार को लेकर भी यही सवाल पूछा जाने लगा है कि वे कब तक टिकेंगे। हालांकि, दूसरे नेताओं की तुलना में कन्हैया को लेकर थोड़ा इत्मीनान का भाव है। इसलिए कि कांग्रेस के पास अच्छे वक्ता की कमी थी।

कन्हैया को लग रहा था कि सीपीआइ उनके कद लायक संगठन नहीं है। दोनों एक-दूसरे की भरपाई कर सकते हैं। यह भी कि कन्हैया संसदीय राजनीति के शुरुआती दौर में हैं। इससे पहले जो नेता कांग्रेस में आए, चले गए या सुस्त बैठे हैं, चुनावी राजनीति के आजमाए चेहरा रहे हैं। अभिनेता शेखर सुमन 2014 के चुनाव में पटना साहिब से कांग्रेस के उम्मीदवार बने थे। खूब तामझाम हुआ था। हार के बाद प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम का मुंह नहीं देखा। उसके पांच साल बाद बड़े फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा आए। 2019 में पटना साहिब से चुनाव लड़े। हारने के बाद भी साल भर सक्रिय रहे। साल भर बाद हुए विधानसभा चुनाव में पुत्र को कांग्रेस का टिकट दिलवाया। उसके बाद कांग्रेसी और शत्रुघ्न सिन्हा- दोनों एक-दूसरे को भूलने लगे।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद रहे उदय सिंह पप्पू खुद को खानदानी कांग्रेसी बता कर 2019 में दाखिल हुए। चुनाव हारे और सदाकत आश्रम का रास्ता भूल गए। बाहुबली निर्दलीय विधायक अनंत सिंह की पत्नी नीलिमा सिंह मुंगेर से चुनाव लड़ी थीं। चुनाव में अनंत सिंह सक्रिय रहे। परिणाम निकलने के साथ ही दोनों का रूख बदल गया। कांग्रेस में दोनों की सक्रियता नजर नहीं आ रही है। हां, दूसरे दलों से आए नेताओं में अखिलेश प्रसाद सिंह का ट्रैक रिकार्ड अच्छा है। वे राष्ट्रीय जनता दल से आए और कांग्रेस में टिक गए। प्रतिबद्धता को देखते हुए ही कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा में भेजा।

आरजेडी और जनता दल यूनाइटेड होते हुए कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व मंत्री पूर्णमासी राम की सक्रियता नहीं देखी जा रही है। उनके भतीजे राजेश राम स्थानीय क्षेत्र प्राधिकार का पिछला चुनाव (2015) कांग्रेस टिकट पर जीते थे, लेकिन पार्टी की अच्छी संभावना नहीं देखते हुए जेडीयू शामिल हो गए हैं। पूर्व मंत्री रमई राम को भी कांग्रेसी ठीक मान रहे हैं। वे 2009 में कांग्रेस के टिकट पर गोपालगंज से लोकसभा का चुनाव लड़े। उन्होंने भी वही किया।

चुनाव परिणाम के बाद कभी कांग्रेस कार्यालय नहीं आए। साल भर बाद जेडीयू के टिकट पर विधानसभा पहुंच गए। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य प्रेमचंद्र मिश्रा कहते हैं कि कई नेता आए और गए। जहां तक कन्हैया कुमार का सवाल है, हम उम्मीद करते हैं कि वे पार्टी में बने रहेंगे। कन्हैया अच्छे वक्ता हैं। धर्मनिरपेक्ष पृष्ठभूमि से आए हैं। कांग्रेस में उनका सम्मान करेगी। इससे पहले जो नेता आकर चले गए हैं, उनका उद्देश्य सीमित था। वे टिकट के लिए ही पार्टी में शामिल हुए थे। कन्हैया के साथ यह पक्ष नहीं है।

शादी के बाद भी नहीं भूल पाए पहला प्यार, भोजपुर के शादीशुदा युवक और युवती के कारनामे से सभी हैरान

फतुहा (पटना) (एजेंसी) । प्यार किसी और से और शादी किसी और से। परिवार वालों की मर्जी से प्रेमी-प्रेमिका दोनों की शादी हो गई, लेकिन किसी और से। प्रेमी युगल इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था। इसलिए दोनों ने बेहद खौफनाक कदम उठा लिया। भोजपुर जिले के एक गांव के रहने वाले युवक और युवती सोमवार की सुबह अपने-अपने घरों से निकल पड़े और पूरा दिन और पूरी रात इधर-उधर भटकने के बाद आखिरकार दोनों ने मंगलवार की अलसुबह अपने घर से करीब 75 किलोमीटर दूर फतुहा में ट्रेन से कटकर जान दे दी। पुलिस ने फतुहा स्टेशन से पश्चिम माल गोदाम के पास से युवती का शव बरामद किया, जबकि प्रेमी की मौत अस्पताल में हो गई। पुलिस ने घायल युवक को फतुहा अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने नालंदा मेडिकल कालेज अस्पताल (एनएमसीएच) रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। फतुहा रेल थानाध्यक्ष भरत राम ने बताया कि दोनों की मौत किस ट्रेन से कटकर हुई है, यह कोई नहीं देख पाया है। युवती का शव डाउन लाइन से बरामद हुआ है। घटनास्थल से एक मोबाइल भी बरामद हुआ है। वहीं प्रेमी युगल के ट्रेन से कटने की जानकारी जैसे ही नगरवासियों को हुई, कुछ ही देर बाद वहां भीड़ जुट गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि युवक की जेब में मिले कागजात के आधार पर युवक व युवती की पहचान की गई। दोनों एक ही गांव के हैं और स्वजातीय हैं। उनके घर भी आसपास हैं व दोनों के बीच वर्षों से मधुर संबंध थे। वे एक-दूसरे के घर आया-जाया करते थे।

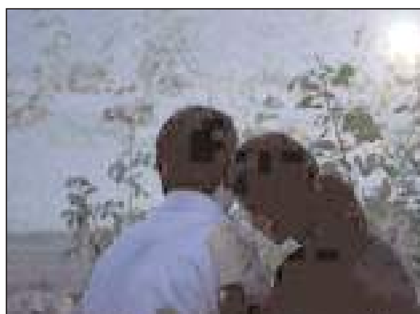

दोनों ही पहले से शादीशुदा थे। सोमवार की सुबह करीब नौ बजे दोनों घर से फरार हो गए। स्वजनों ने रातभर दोनों के घर लौटने का इंतजार किया, लेकिन जब वे वापस नही लौटे तो चिंता सताने लगी। मंगलवार की सुबह स्वजनों को फतुहा रेल थाने से दोनों के ट्रेन से कटने की सूचना मिली। प्रथमदृष्ट्या यह कयास लगाया जा रहा है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों ही अपनी शादी से संतुष्ट नहीं थे, इसलिए साथ में आत्महत्या का कदम उठाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना भेज दिया गया है। रेल थानाध्यक्ष के मुताबिक इस संबंध में यूडी केस दर्ज किया गया है।

मुम्बई के प्रेस क्लब में एक यूनिक रियलिटी शो 'हम हैं गली गाइस बॉयज एंड गर्ल्स' हुआ लांच!

ओपन सर्च.ब्यूरो

मंबई। रियलिटी शोज़ की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए आज मुम्बई में एक अनोखे किस्म का रियलिटी शो 'हम हैं गली गाइस बॉयज एंड गर्ल्स' लांच किया गया। इस टैलेंट हंट शो की खास बात यह है कि इसके ऑर्गनाइजर्स 2 बच्चे शम्स राठौड़ और जयंत बगदा हैं। इस रियलिटी शो की प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन मुम्बई के प्रेस क्लब में किया गया जहां मीडिया की भारी संख्या मौजूद थी। इस टैलेंट हंट इंडिया 2021) आगामी फैशन शो में सभी प्रकार के कलाकारों को मौका मिलेगा। इसमे हिस्सा लेने के लिए फ्री रजिस्ट्रेशन किया जा सकेगा।

इस मे भाग लेने के लिए कोई उम्र की सीमा नहीं होगी और इस मे न कोई टेक है, न कोई रीटेक और कोई ऑडिशन नहीं। इस अनोखे फैशन शो में रैंप वॉक, रियलिटी शो, कोरियोग्राफी, फोटोशूट, मेक ओवर, ग्रूमिंग शामिल रहेगी। ऑर्गनाइजर शम्स राठौड़ ने बताया कि ये शो 3 दिन तक चलता रहेगा। तो अगर आप कलाकार हैं तो आप पंजीकरण करें और इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। 3 दिनों के होने वाले इस इवेंट में फ्री रजिस्ट्रेशन होगा, ऑडिशन नहीं लिया जाएगा। यह शो मुम्बई के किसी बड़े रिसोर्ट या फाइव स्टार होटल में होगा।

सलमान खान द्वारा एंकर किए जा रहे शो बिग बॉस का फैसला 3 महीने बाद होता है जबकि हम हैं गली गाइस का फ़िनाले ग्रूमिंग के साथ 3 दिनों में रखा जाएगा। इस रियलिटी शो के लॉन्च पर इससे जुड़े कई लोग मौजूद रहे। ऑर्गनाइजर्स बच्चे शम्स राठौड़ और जयंत बगदा के अलावा नदीम शेख, प्रिया बगदा, इकबाल वोरा, प्रिया राठौड़, नितिन तायड़े (अध्यक्ष मारिया क्रिकेट अकादमी आज़ाद मैदान), मुश्ताक चनावाला (वाईस प्रेसिडेंट) उपस्थित रहे। यह रियलिटी शो अपने आप मे एक अलग तरह का कॉन्सेप्ट रखता है जहां पहली बार ऐसा हो रहा है कि दो कम उम्र के बच्चे इस तरह के फैशन शो, रैम्प वॉक का आयोजन कर रहे हैं। दोनो बच्चों शम्स और जयंत की बातों में जो कांफिडेंस दिख रहा था उससे लग रहा था कि दोनों ने काफी तैयारी की है। हालांकि उन्होंने कहा कि उनके माता पिता का इस पूरे मामले में काफी सपोर्ट रहेगा, क्योंकि परेंट्स ने उनकी बहुत हौसलाअफजाई की है और हम चाहते हैं कि देश भर की प्रतिभाएं इस प्रतियोगिता में भाग लें, हमारी टीम उनके टैलेंट को तराशेगी निखारेगी और उन्हें परफॉर्म करने के लिए प्लेटफॉर्म मुहय्या करवाएगी।

मधुबनी के ग्रामीण क्षेत्रों में गोबर कंपोस्ट बनी धन पैदा करने की मशीन

मधुबनी (एजेंसी) । मधुबनी जिले के झंझारपुर अनुमंडल मुख्यालय से सटे सुखेत पंचायत का नाम अब सुखेत मॉडल के कारण राष्ट्रीय पटल पर आ चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा अपने मन की बात में सुखेत मॉडल की चर्चा ने संपूर्ण राष्ट्र के ग्रामीण परिवेश में रहने वाले लोगों को कचरा से धन निकालने की प्रक्रिया को नया आयाम दिया है। कृषि विज्ञान केंद्र सुखेत के द्वारा पंचायत के मछधी गांव में गोबर कंपोस्ट यूनिट स्थापित कर यहां के किसानों, पशुपालकों एवं महिलाओं को न केवल रोजगार का रास्ता खोला है, बल्कि इस यूनिट को गोबर एवं कचरा की आपूर्ति कर रसाई गैस की प्राप्ति की जा रही है। यह बातें मछधी गांव में गोबर कम्पोस्ट यूनिट का निरीक्षण करने पहुंचे पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कही। उन्होंने कहा कि गांव के लोग स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए गोबर और कचरा कृषि विज्ञान केंद्र को देते हैं।

गैस सिलेंडर विस्फोट से कपड़ा व्यवसायी के दो मंजिला मकान में लगी भीषण आग, मुजफ्फरपुर की घटना

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) । सदर थाना के डुमरी गोबरसही मोहल्ला में गैस सिलेंडर में रिसाव व विस्फोट से कपड़ा व्यवसायी रामचंद्र राय के दो मंजिला मकान में भीषण आग लग गई । उस समय घर के अंदर आधा दर्जन पारिवारिक सदस्य मौजूद थे। इसमें एक बुजुर्ग महिला भी थी। आग की लपटों व धुआं के कारण सभी मकान के अंदर ही घिर गए थे। मकान का प्रवेश द्वार व दूसरा निकास द्वार भी आग की लपटों से घिरा हुआ था। जिससे निकलना मुश्किल था। इससे घर में चीख-पुकार मच गई । सभी बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे । आसपास के लोगों ने बांस की सीढ़ी लगाकर उपरी मंजिल में जान बचाने के लिए चिल्ला रहे रामचंद्र राय के स्वजनों को सुरक्षित बाहर निकालना चाहा, लेकिन सीढ़ी छोटी पड़ गई । इसके बाद दूसरी मंजिल की रेलिंग में साड़ी बांध कर एक-एक कर सभी को सुरक्षित नीचे सड़क पर उतारा गया। गृहस्वामी रामचंद्र राय ने बताया कि वह अपने कपड़े की दुकान पर था। घर में उसकी पत्नी राजकुमारी देवी किचन में खाना बना रही थी।इस दौरान वह पानी लाने नल पर गई थी। इसी बीच सिलेंडर में रिसाव होने लगा और उसमें आग लगी हुई थी। उसकी पत्नी ने शोर मचाने लगी। जब तक लोग जुटते , थब तक आग भीषण रूप धारण कर लिया था।

सभी भाग कर उपरी मंजिल पर चले गए। इस बीच सिलेंडर तेज आवाज में विस्फोट हो गया। इससे आग और बढ़ फैल गया। विस्फोट से कमरे की छत व दीवार का पलास्टर झड़ गया। खिड़की का शीशा टूट गया और दीवारों व छत में दरार पड़ गई । आग की लपटों की चपेट में पड़ोस के अंबिका राय के मकान के दूसरी मंजिल स्थित एक कमरा भी बुरी तरह जल गया। रामचंद्र राय ने बताया कि कम से कम पांच लाख की संपत्ति जल गई । उसने बताया कि उसके परिवार के सभी लोग सुरक्षित है। सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत से आग पर काबू पाया। सदर थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति नियंत्रित करने में सहयोग की। नगर डीएसपी रामनरेश पासवान घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया।

लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल अवार्ड्स में मिली बड़ी जीत

नई दिल्ली.ओपन सर्च

स्पेशिलिटी केमिकल्स कंपनी, लैंक्सेस इंडिया को इंडियन केमिकल काउंसिल (आईसीसी) द्वारा तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किये गए हैं। ये पुरस्कार विशेष रूप से स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्रो में संगठन की प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिए गए हैं। लैंक्सेस इंडिया ने एक्सीलेंस इन मैनेजमेंट ऑफ हेल्थ एंड सेफ्टी, बेस्ट रिस्पॉन्सिबल केयर कमिटेड कंपनी और रिस्पॉन्सिबल केयर के तहत कोड्स के लिए बेस्ट कॉम्प्लाएंट कंपनी के लिए आइसीसी सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट और बेस्ट नाइसर ग्लोब यूजर कंपनी का पुरस्कार जीता।

लैंक्सेस इंडिया को उपर्युक्त पुरस्कार 24 सितंबर शुक्रवार को एक वर्चुअल पुरस्कार समारोह में प्रदान किये गए। पुरस्कार समारोह में बतौर मुख्य अथिति भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री मनसुख मंडाविया उपस्थित थे। उनके अलावा सम्मानित अतिथि के रूप में श्री समीर कुमार बिश्वास, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, रसायन एवं पेट्रोरासयन विभाग, भारत साकार के साथ-साथ अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इस सफलता पर लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, नीलांजन बनर्जी ने कहा कि, ÷ये पुरस्कार हमारी परिसंपत्तियों और कर्मचारियों और व्यापक जन-समुदाय के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मान्यता देते हैं। हम इस सम्मान के लिए आभारी हैं और हम निरंतर उन्नति की यात्रा जारी रखेंगे।

पटना में आया हल्का स्मार्ट एलपीजी सिलेंडर, देखकर ही पता चलेगा कितनी है गैस

पटना (एजेंसी) । पटना के लोग अब स्मार्ट कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर का उपयोग कर सकेंगे। यह परंपरागत घरेलू एलपीजी सिलेंडर के मुकाबले काफी हल्का और देखने में आकर्षक भी है। पटना की पांच रसोई गैस एजेंसियों के पास पारदर्शी रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध हो गया है। ये सभी गैस एजेंसियां इंडियन आयल कारपोरेशन (इंडेन) की हैं। अक्टूबर तक अधिकांश गैस एजेंसियों में यह मिलने लगेगा। साथ ही राज्य के अन्य बड़े शहरों में भी इसे लांच करने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। पटना के गायघाट स्थित ज्योति कलश, मीठापुर की शहीद गणेश गैस, कंकड़बाग की अंजलि फ्लेम और राजधानी इंटरप्राइजेज में पारदर्शी कंपोजिट रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध हो चुका है। लाल सिलेंडर से यह अधिक सुरक्षित है। इसमें सिलेंडर में मौजूद गैस बाहर से दिखती है। इससे सिलेंडर खाली होने से पहले आसानी से पता चल जाता है। बिहार एलपीजी वितरक संघ के महासचिव डा. रामनरेश सिन्हा ने कहा कि एक सप्ताह में अधिकांश एजेंसियों में कंपोजिट सिलेंडर मिलने लगेगा। अक्टूबर तक सभी एजेंसियों में यह पहुंच जाएगा। बिहार के अन्य शहरों में भी इसे ले जाने के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन (आइओसी) की योजना है। बता दें कि 26 सितंबर को पारदर्शी कंपोजिट सिलेंडर को आइओसी के कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख विभाष कुमार ने पटना में लांच किया था। इस मौके पर महाप्रबंधक एलपीजी उदय कुमार, एलपीजी बिक्री प्रमुख राहुल दीक्षित, बिहार-झारखंड की मुख्य प्रबंधक-योजना एवं समन्वय वीणा कुमारी उपस्थित थीं।

नक्सलयिों से मुठभेड़ में शहीद डिप्टी कमांडेंट को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि, अंतिम संस्कार को बिहार ले जाया गया

रांची (एजेंसी) । लातेहार में मंगलवार को नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में शहीद हुए बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट राजेश कुमार का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। उन्हें चौपर से बिहार ले जाया गया है। वहीं उनका अंतिम संस्कार होगा। इससे पूर्व आज बुधवार को रातू के टेंडर ग्राम स्थित झारखंड जगुआर के मुख्यालय परिसर में शहीद डिप्टी कमांडेंट राजेश कुमार को श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर राजेश की पत्नी, बच्चे व अन्य स्वजन भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी डिप्टी कमांडेंट को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने राजेश की पत्नी व परिजनों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से शहीद की आत्मा को शांति प्रदान कर परिजनों को इस दुःख की घड़ी को सहन करने की शक्ति देने की कामना की। मौके पर सांसद संजय सेठ, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, डीजीपी नीरज सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे सहित कई अन्य अधिकारियों ने भी शहीद कमांडेंट राजेश कुमार को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि देने के बाद मुख्यमंत्री ने शहीद कमांडेंट राजेश कुमार की पत्नी एवं पुत्र सहित अन्य स्वजनों से मुलाकात की तथा उन्हें सांत्वना दी। बताया गया कि राजेश कुमार का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव बिहार के मुंगेर जिला ले जाया जाएगा। वहीं पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। शहीद डिप्टी कमांडेंट का शव मुंगेर स्थित उनके पैतृक गांव ले जाने के लिए चौपर उड़ान भर चुका है। वहीं पर अंत्येष्टि होगी। शव चौपर से ले जाया जा रहा है। इससे पूर्व झारखंड सरकार का एक चौपर और एयरफोर्स का एक अन्य चौपर लाया गया। मौसम खराब होने की वजह से एयरफोर्स के चौपर को आने में देर हुई। शहीद का शव चौपर से मुंगेर भेजा गया। इसके बाद उनके परिजनों को लेकर दूसरे चौपर ने उड़ान भरी। इधर, मुठभेड़ में मारे गए उग्रवादी की पहचान हो गई है। उसका नाम कुंदन कुमार लेस्लीगंज के जेठा गांव निवासी है। पुलिस का इलाके में सर्च अभियान जारी है।

सूर्यास्त के समय गुलाबी गेंद का असर देखने को उत्सुक हूं: मिताली

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दिन रात के टेस्ट से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अभ्यास के लिये दो ही दिन का समय मिला है और कप्तान मिताली राज यह देखने को उत्सुक हैं कि सूर्यास्त के समय गुलाबी गेंद का असर कैसा रहता है। आस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद भारतीय टीम ने 14 दिन का पृथकवास पूरा किया और फिर वनडे श्रृंखला खेली। गुरूवार से शुरू हो रहे टेस्ट से पूर्व टीम को तैयारी का समय नहीं मिल सका। मिताली ने ऐतिहासिक टेस्ट से पूर्व कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मुझे गुलाबी गेंद से खेलने का अनुभव नहीं है। मैं भी पहली बार खेलूंगी लेकिन मैं यह जानने को उत्सुक हूं कि सूर्यास्त के समय कैसा रहता है क्योंकि सभी कहते हैं कि उस समय गुलाबी गेंद को खेलना कठिन है। मैं तभी कुछ कह सकूंगी जब इसका अनुभव होगा।'' चमक और दृश्यता बनाये रखने के लिये गुलाबी गेंद पर लैकर की अतिरिक्त परत चढाई जाती है और यह दूधिया रोशनी में काफी उछाल लेती है। भारत को वनडे श्रृंखला में 1.2 से पराजय झेलनी पड़ी लेकिन उसने आस्ट्रेलिया का 26 मैचों का जीत का सिलसिला आखिरी मैच में तोड़ा। मिताली ने कहा कि उस प्रदर्शन से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढा है। उन्होंने कहा, ''यह टीम आत्मविश्वास से भरी है। वनडे विश्व कप से पहले सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खेलना अच्छी तैयारी है। पहले मैच में हम अच्छा नहीं खेल सके और मैने खिलाड़ियों को तल्खी से समझाया था और उसके बाद प्रदर्शन बेहतर होता गया।'' भारत ने सात साल बाद पहला टेस्ट खेलते हुए इंग्लैंड को ड्रॉ पर रोका था। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आखिरी टेस्ट 2006 में खेला गया थाा। मिताली ने कहा कि तब से अब तक दोनों टीमों ने लंबा सफर तय किया है। उन्होंने कहा, ''वनडे प्रारूप में हमने बड़े स्कोर बनाये। यह अच्छी प्रतिस्पर्धी श्रृंखला थी। कुल मिलाकर पूरे विश्व में महिला क्रिकेट ने लंबा सफर तय किया है और भविष्य उज्जवल है।

हमें यकीन है कि किसी भी परिस्थिति से बाहर निकल सकते हैं: पोलार्ड

अबुधाबी (एजेंसी)। लगातार तीन मैचों में हार के बाद जीत की राह पर लौटी मुंबई इंडियंस के स्टार खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड ने कहा है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे उनके खिलाड़ियों को एक दूसरे की क्षमता पर भरोसा है और वे कठिन हालात से टीम को निकालने का माद्दा रखते हैं। गत चौम्पियन टीम ने मंगलवार को पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराकर प्लेआफ की उम्मीदें बरकरार रखी है। टी20 क्रिकेट में 10000 रन और 300 विकेट पूरे करने वाले पोलार्ड ने मैच के बाद कहा, ''हम रणनीति बनाकर इस तरह के हालात में नहीं पहुंचते। हमें एक दूसरे पर भरोसा है और यह भी यकीन है कि इन हालात से निकल जायेंगे।'' मुंबई 11 मैचों में 10 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है। पोलार्ड ने कहा, ''हमने खुद को इन हालात में डाला है लेकिन खिलाड़ी और प्रबंधन एकजुट है। सभी खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और सर्वश्रेष्ठ समाधान तलाशने की बात है। यही खिलाड़ी हमारे लिये पहले भी कमाल कर चुके हैं और आगे भी करेंगे।'' उन्होंने टीम की बाहर से हो रही आलोचना पर कहा, ''जब बहुत से लोग बाहर से टीका टिप्पणी करने लगते हैं तो कठिन हो जाता है। जो लोग बोलते हैं, उन्हें समझ में नहीं आता कि क्रिकेटरों पर क्या बीतती है। हमारा फोकस इन युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई पर है।'' आईपीएल के ठीक बाद होने वाले टी20 विश्व कप में पिचें कैसी होंगी, यह पूछने पर वेस्टइंडीज के इस आक्रामक खिलाड़ी ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो अभी विश्व कप की बात करना अप्रासंगिक है। हम आईपीएल खेल रहे हैं और इसी पर फोकस होना चाहिये। हर कोई पिच की बात कर रहा है लेकिन आपको हर बार मनचाही पिच नहीं मिल सकती। पेशेवर खिलाड़ियों को हर परिस्थिति में ढलना आना चाहिये।

शारजाह में तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों को हिट करना मुश्किल: कार्तिक

शारजाह (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि शारजाह में तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों को हिट करना मुश्किल है। केकेआर ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ कम स्कोर वाले मुकाबले में तीन विकेट से जीत दर्ज की थी। कार्तिक ने कहा, मेरे ख्याल से नितीश राणा अच्छा महसूस कर रहे थे। तथ्य यह है कि उन्होंने सोचा कि स्पिनर ललित यादव आएंगे तो उन्होंने खुद को उन शॉट्स के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा, उस स्टेज में हमारे बीच सिर्फ इस बात पर चर्चा हो रही थी कि हमें मैच को जीतना है। हमें सही इरादा रखना था जिससे हम इसके लिए जा सकें। अगर नहीं तो हम स्ट्राइर रोटेट करेंगे। यह पिच रोटेबल के लिए आसान नहीं थी। तथ्य तो यह है कि यहां तेज गेंदबाज की तुलना में स्पिनरों को हिट करना मुश्किल है। कार्तिक ने कहा, नितीश ने जिम्मेदारी भरी पारी खेली। अच्छी बात यह थी कि वह अंत तक नाबाद रहे जो हमारे लिए काफी जरूरी था। उन्होंने जिस तरह दबाव झेला, यह देखना सुखद था कि वह परिपक्व हो गए हैं। उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि नितीश ऐसे ही खेलें क्योंकि उनमें ऐसा करने की क्षमता है। उनके जीवन में सबसे जरूरी है कि अगर वह राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं तो उन्हें ऐसी पारियां खेलनी होंगी। उनमें ऐसा करने की प्रतिभा है।

कुलदीप यादव के घुटने का सफल आपरेशन

मुंबई (एजेंसी)। भारत के बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की बुधवार को घुटने की सर्जरी हुई। उन्हें यूएई में मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान घुटने में चोट लगी थी। कुलदीप ने अपने आधिकारिक ट्विटर पेज पर लिखा, ''आपरेशन सफल रहा और उबरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। समर्थन के लिए सभी का धन्यवाद। अब ध्यान रिहैबिलिटेशन अच्छी तरह से पूरा करने पर है और फिर मैदान पर वापसी करते हुए जल्द से जल्द वह करना है जो करना मुझे पसंद है।'' पीटीआई ने 27 सितंबर को अपनी खबर में बताया था कि कुलदीप को घुटने की गंभीर चोट लगी है और उनके आगामी घरेलू सत्र के अधिकांश हिस्से से बाहर रहने की संभावना है। साथ ही वह यूएई से स्वदेश वापस लौट चुके हैं। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलने वाले कुलदीप भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी से पहले उन्हें लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने खुलासा किया था, ''हां, हमें सूचना मिली है कि यूएई में अभ्यास सत्र के दौरान कुलदीप को घुटने में गंभीर चोट लगी है। संभवतः क्षेत्ररक्षण के दौरान उसका घुटना मुड़ गया और उस समय चोट गंभीर थी।

जब आप हारते हो तो कमजोरियां दूर करने का प्रयास करते हो: आमरे

दुबई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने बुधवार को कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार आंखें खोलने वाली है और उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग के अंतिम चरण में अपनी कमजोरियों को दूर करने के लिए तैयार है। दस मैचों में आठ जीत के साथ प्ले आफ में जगह लगभग पक्की कर चुकी ऋषभ पंत की अगुआई वाली दिल्ली की टीम को मंगलवार को शारजाह में कम स्कोर वाले मैच में केकेआर के खिलाफ तीन विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी। आमरे ने कहा, ''जब आप हारते हो तो आगामी मैचों के लिए कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करते हो और यही हमारी मानसिकता होनी चाहिए। प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण है और प्रत्येक मैच में अपना शत प्रतिशत देंगे।'' बल्लेबाजी के लिए मुश्किल हालात में दिल्ली ने नौ विकेट पर 127 रन बनाए लेकिन केकेआर ने 18.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली का मध्यक्रम ध्वस्त हुआ जब टीम ने सिर्फ 15 रन पर चार विकेट गंवाए लेकिन कप्तान पंत अंतिम ओवर तक टिके रहे और रन आउट होने से पहले उन्होंने 39 रन बनाए। भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज आमरे हालांकि खिलाड़ियों ने जो जज्बा दिखाया उससे खुश हैं। उन्होंने कहा, ''मुश्किल हालात में ऋषभ पंत पारी के अंतिम ओवर तक खेला, जिसके कारण हम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर पाए।''

बेमेल मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से

शारजाह (एजेंसी)। प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी सनराइजर्स हैदराबाद का सामना गुरूवार को जब आईपीएल अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स से होगा तो वह पिछले मैच में मिली जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। केन विलियमसन ने मोर्चे से अगुवाई करके नाबाद अर्धशतक के साथ हैदराबाद को लगातार पांच हार के बाद जीत दिलाई। सनराइजर्स ने दस मैचों में से आठ गंवाये हैं।

सनराइजर्स टीम प्रबंधन का सबसे बड़ा फैसला आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को बाहर करने का था जिन्होंने 24 . 37 की औसत से महज 181 रन बनाये हैं। इस बार दो बार वॉर्नर को बाहर रखा गया जिनकी कप्तानी में टीम ने 2016 में खिताब जीता था।

अब सनराइजर्स के साथ वॉर्नर के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई है और ऐसे में विलियमसन पर टीम का प्रदर्शन सुधारने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए 60 रन बनाये और नौ गेंद बाकी रहते टीम की जीत में अहम योगदान दिया। सिद्धार्थ कौल, भुवनेश्वर कुमार और जेसन होल्डर ने डैथ ओवरों में उम्दा गेंदबाजी भी की और आखिरी 17 गेंदों में एक भी चौका नहीं लगने दिया। आखिरी ओवर में संजू सैमसन का विकेट भी लिया। अब सनराइजर्स चारों मैच जीतने और अन्य मैचों के नतीजे अनुकूल रहने की उम्मीद पर होंगे लेकिन इसके लिये उन्हें किसी चमत्कार का इंतजार करना होगा।

विलियमसन ने पिछले मैच में जीत के बाद कहा था, ''हमारा प्रदर्शन बेहतर हुआ है। हर किसी को अपनी भूमिका पता थी। मैं युवा खिलाड़ियों को मौके का फायदा उठाते और खेल का मजा लेते देखना चाहता हूं।'' दूसरी ओर महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई ने लगातार तीन जीत दर्ज करके प्लेआफ में जगह लगभग पक्की कर ली है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रविवार को आखिरी गेंद पर दो विकेट से मिली जीत के सूत्रधार रविंद्र जडेजा रहे जिन्होंने आठ गेंद में 22 रन बनाये। फाफ डु प्लेसी और रूतुराज गायकवाड़ ने टीम को अच्छी शुरूआत दी है जबकि मोईन अली, सुरेश रैना और अंबाती रायुडू भी बल्लेबाजी को गहराई देते हैं। गायकवाड़ ने 40, 38 और नाबाद 88 रन बनाये। गेंदबाजी उनकी कमजोर कड़ी लग रही है और सनराइजर्स इसका फायदा उठा सकते हैं। वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो को कोलकाता के खिलाफ आराम दिया गया था जो सैम कुरेन की जगह लौटेंगे। टीमें: चेन्नई सुपर किंग्स: महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, मोईन अली, सुरेश रैना, अंबाती रायुडू, रविंद्र जडेजा, ड्वेन ब्रावो, शार्दुल ठाकुर, लुंगी एनगिडी, दीपक चाहर, इमरान ताहिर, फाफ डु प्लेसिस, रॉबिन उथप्पा, कर्ण शर्मा, जोश हेजलवुड, जेसन बेहरेनडोर्फ, कृष्णप्पा गौतम, मिशेल सेंटनर, रविश्रीनिवासन साई किशोर, हरि निशांत, एन जगदीशन, चेतेश्वर पुजारा, केएम आसिफ, हरिशंकर रेड्डी और भगत वर्मा। सनराइजर्स हैदराबाद: केन विलियमसन (कप्तान), डेविड वार्नर, मनीष पांडे, शेरफेन रदरफोर्ड, ऋद्धिमान साहा, श्रीवत्स गोस्वामी, राशिद खान, विजय शंकर, मोहम्मद नबी, अभिषेक शर्मा, भुवनेश्वर कुमार, सिद्धार्थ कौल, खलील अहमद, टी नटराजन, बासिल थंपी, संदीप शर्मा, शाहबाज नदीम, अब्दुल समद, जे सुचित, जेसन होल्डर, विराट सिंह, प्रियम गर्ग, केदार जाधव, मुजीब-उर-रहमान, जेसन रॉय। मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

मेलबर्न रेनेगाडेस के लिये महिला बिग बैश लीग में खेलेंगी जेमिमा और हरमनप्रीत

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत की टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर और युवा बल्लेबाज जेमिमा रौद्रिगेज आगामी महिला बिग बैश लीग में

मेलबर्न रेनेगाडेस के लिये खेलेंगी। आयोजकों ने बुधवार को यह घोषणा की। 32 वर्ष की हरमनप्रीत पहले सिडनी थंडर्स के लिये खेल चुकी हैं लेकिन 21 वर्ष की जेमिमा का यह लीग में पहला सत्र होगा। शेफाली वर्मा और राधा यादव भी 14 अक्टूबर से शुरू हो रही लीग में सिडनी सिक्सर्स के लिये खेलेंगी। हरमनप्रीत ने टीम की वेबसाइट पर कहा, ''महिला बिग बैश लीग में खेलने से मुझे काफी अनुभव मिला है और यह बेहतरीन मंच है। नयी टीम के साथ नया सत्र अच्छा रहने की उम्मीद है। मैं अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ना चाहूंगी।'' जेमिमा ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, ''मेरा मुख्य लक्ष्य अच्छा क्रिकेट खेलना और उसका मजा लेना होगा। मुझे पता है कि ऐसा करने पर ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूंगी।'' जेमिमा आस्ट्रेलिया से वनडे श्रृंखला हारने वाली भारतीय टीम में नहीं थी लेकिन हाल ही में 'द हंड्रेड ' श्रृंखला में उन्होंने नार्दर्न सुपरचार्जर्स के लिये शानदार प्रदर्शन करके सात मैचों में 249 रन बनाये। रेनेगाडेस के कोच साइमन हेलमोट ने कहा, ''जेमिमा काफी प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी है जो 21 वर्ष की उम्र में दुनिया में अपनी पहचान बना चुकी है। ब्रिटेन में 'द हंड्रेड' श्रृंखला में उसने शानदार प्रदर्शन किया। वह हर मैदान पर तेजी से रन बना सकती है।'' उन्होंने कहा, ''हरमनप्रीत का अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने आप सब कहता है। वह मैच विनर है और पलक झपकते ही मैच का पासा पलट सकती है। उनका अनुभव और नेतृत्व क्षमता काफी काम आयेंगी।

ड्रेसिंग रूम के अंदर विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी: पोलार्ड

अबु धाबी, 29 सितंबर (वेब वार्ता)। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड ने कहा है कि कैसी परिस्थिति होने पर भी ड्रेसिंग रूम के अंदर विश्वास होना टीम की सबसे बड़ी पूंजी है। पोलार्ड ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुंबई को मिली जीत में अहम भूमिका निभाई थी। यह पूछे जाने पर कि हर हाल में जीत जरूरी होने वाले मैचों में क्या मानसिकता होती है, इस पर पोलार्ड ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं इसे रिकॉर्ड में रख सकता हूं या नहीं, लेकिन हम वास्तव में इसके इस तरह के होने की योजना नहीं बना रहे हैं क्योंकि जाहिर है कि क्रिकेटरों के रूप में हम पर बहुत दबाव है कि हम बैक एंड पर सभी मैच जीतें। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि हमारे ड्रेसिंग रूम में वो विश्वास है। एक-दूसरे पर विश्वास करें और इस बात पर विश्वास करें कि किसी भी स्थिति में हम खुद को इससे बाहर निकालने की कोशिश कर सकते हैं क्योंकि हमारे पास ऐसे लोग हैं जो अलग-अलग परिदृश्यों में और अलग-अलग समय में उस कठिन समय में रहे हैं।

पोलार्ड ने कहा, हमारे लिए सबसे बड़ी चीज विश्वास है अंत में,

हमने खुद को उस स्थिति में रखा है जिसमें हम अभी हैं। खिलाड़ी, प्रबंधन और हर कोई एक साथ रहकर वास्तव में हमें इससे बाहर निकाल सकता है। पोलार्ड ने सौरभ तिवारी की पारी की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें जब भी अवसर मिलता है वह अच्छा काम करते हैं। पोलार्ड ने कहा, मुझे लगता है कि सौरभ को जब मौका दिया गया है, उन्होंने बहुत अच्छा किया है। अधिक बार उन नंबरों पर नहीं आना और उन संकटपूर्ण परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना और यह एक ऐसे व्यक्ति का संकेत है जो इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि उसे क्या करने की आवश्यकता है। कभी-कभी वह अपरिहार्य कारणों से चूक जाते हैं लेकिन यह टीम के खेल का स्वभाव है।

अच्छे स्थान पर नहीं होने के बावजूद टीम लड़ने के लिए तैयार: रोहित

अबु धाबी (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनकी टीम भले ही आईपीएल के इस सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के मामले में अच्छे स्थान पर नहीं है, लेकिन उसके खिलाड़ी लड़ाई के लिए तैयार हैं। मुंबई ने मंगलवार को पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया था। दूसरे चरण में मुंबई की यह पहली

जीत थी। इस जीत के साथ ही गत विजेता टीम ने प्लेऑफ में जाने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। रोहित ने कहा, एक टीम के रूप में हम अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेले, लेकिन ये चीजें तब होती हैं जब आप ऐसे प्रारूप में खेलते हैं जहां आप वास्तव में कड़ी प्रतिस्पर्धा कर रहे होते हैं। टीम के भीतर रहना और एक दूसरे के साथ रहना महत्वपूर्ण है। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। हां, हमारे पास वह स्कोर नहीं था जो हम पसंद करते हैं लेकिन हम कई बार इस स्थिति में रहे हैं इसलिए हम इससे आत्मविश्वास ले सकते हैं। हमारे पास टीम में मौजूद खिलाड़ी लड़ने के लिए तैयार हैं। रोहित ऑलराउंडर हाद्दक पांड्या के 30 गेंदों पर नाबाद 40 रन की पारी से खुश हैं। रोहित ने कहा, हार्दिक ने जिस तरह से स्थिति को समझा वो टीम के नजरिए से और खुद के लिए भी महत्वपूर्ण था। यह महत्वपूर्ण है कि उन्होंने बीच में कुछ समय बिताया। ईशान किशन को बाहर करना बहुत कठिन था, लेकिन एक टीम के रूप में हमें लगा कि हमें कहीं न कहीं एक मौके की जरूरत है। लेकिन जब आप उनसे बात करते हैं तो वह काफी भरोसे में नजर आते है। सौरभ तिवारी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने सीएसके के खिलाफ 50 रन बनाए। हम किसी ऐसे व्यक्ति को चाहते थे जो इधर-उधर हो सके, और उन्होंने उस भूमिका को बखूबी निभाया। मैं किसी को बाहर नहीं कर रहा हूं, हम चाहते हैं कि ईशान वापस फॉर्म में आएं और टीम के लिए खेलें। उन्होंने कहा, कीरोन पोलार्ड हमारे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक हैं। इतने सालों तक मुंबई टीम का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्हें गेंद या बल्ला दो, वह काम करने के लिए तैयार हैं।

मुंबई इंडियन्स ने पंजाब किंग्स का हराकर प्लेऑफ की ओर बढ़ाया कदम

अबुधाबी (एजेंसी)। सौरभ तिवारी (45) और हार्दिक पांड्या (नाबाद 40) की शानदार बल्लेबाजी के बूते मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में मंगलवार को यहां पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराकर सत्र की पांचवीं जीत दर्ज की। हार्दिक ने छक्के के साथ मैच को खत्म करने से पहले तिवारी के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन जोड़े और फिर कीरोन पोलार्ड (नाबाद 15) के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन की अटूट साझेदारी की। मैन ऑफ द मैच पोलार्ड ने गेंद से भी कमाल किया। उन्होंने एक ओवर में आठ रन खर्च कर लोकेश राहुल और क्रिस गेल के अहम विकेट चटकाये।

इस जीत के साथ मुंबई के 11 मैचों में 10 अंक हो गये और टीम सातवें से पांचवें पायदान पर पहुंच गयी और प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदें भी बढ़ गयी। पंजाब किंग्स के लिए 11वें मैच में यह सातवीं हार है और टीम तालिका में छठे से सातवें स्थान पर खिसक गयी। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एडेन मार्कराम की 29 गेंद में 42 रन की पारी से छह विकेट पर 135 रन बनाये। मुंबई ने छह गेंद शेष रहते चार विकेट पर 137 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई के बल्लेबाजों को शुरुआती ओवरों में रन बनाने में परेशानी हुई। रवि बिश्नोई (25 रन पर दो विकेट) ने पारी के चौथे ओवर में लगातार गेंदों पर कप्तान रोहित शर्मा (आठ) और फिर सूर्यकुमार यादव (शून्य) को बोल्ड कर पंजाब को शानदार शुरुआत दिलायी। इशान किशन की जगह टीम में वापसी करने वाले तिवारी ने एडेन मार्कराम और नाथल एलिस (12 रन पर एक विकेट) के खिलाफ चौका जड़ा जिससे पावर प्ले के बाद टीम का स्कोर दो विकेट पर 30 रन हो गया। पारी के नौवें ओवर में गेंदबाजी के लिए हरप्रीत बरार के खिलाफ तिवारी ने पारी का पहला छक्का लगाया। दूसरी छोर पर खड़े डिकॉक ने अगले ओवर में मोहम्मद शमी (42 रन पर एक विकेट) के खिलाफ चौका लगाया लेकिन इसके बाद गेंद उनके बल्ले से निकल कर विकेट से टकरा गयी। उन्होंने 29 गेंद में 27 रन बनाये। हार्दिक ने क्रीज पर कदम रखते ही बिश्नोई की गेंद को बाउंड्री पार भेजा। इसके बाद अर्शदीप सिंह की गेंद पर बरार ने हालांकि हार्दिक का आसन कैच टपकाकर जीवनदान दिया। तिवारी ने 15वें ओवर बिश्नोई की गेंद को दर्शकों के पास भेजकर जरूरी रन गति को कम किया लेकिन अगले ओवर में एलिस की पहली गेंद पर विकेटकीपर राहुल को कैच दे बैठे। उन्होंने 37 गेंद की पारी में तीन चौकों और दो छक्के की मदद से 45 रन बनाये। मुंबई को आखिरी चार ओवरों में 40 रन की जरूरत थी और क्रीज पर हार्दिक के साथ पोलार्ड मौजूद थे। हार्दिक ने शमी तो वही पोलार्ड ने अर्शदीप की लगातार दो गेंदों पर चौका और छक्का जड़कर गेंद और जरूरी रन के अंतर को कम किया। हार्दिक ने 19वें ओवर में शमी के खिलाफ एक बार फिर चौका और छक्का जड़कर टीम को जीत दिला दी। इससे पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रिक किये जाने के बाद पंजाब की शुरुआत भी खराब रही। मार्कराम और दीपक हुड्डा (28) के बीच पांचवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी के बाद भी टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। मुंबई के गेंदबाजों ने शुरुआती और आखिरी ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी की जिसमें जसप्रीत बुमराह (चार ओवर में 24 रन) और कीरोन पोलार्ड (एक ओवर में आठ रन) ने दो-दो विकेट झटके। पंजाब किंग्स के लिए कप्तान राहुल के साथ मनदीप सिंह ने पारी का आगाज किया।

वह चोटिल मयंक अग्रवाल की जगह टीम में शामिल हुए है। शुरुआती ओवरों में हालांकि दोनों को तेजी से रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। राहुल ने इस दौरान ट्रेंट बोल्ट और बुमराह के खिलाफ दर्शनीय चौके जड़े। मनदीप ने भी कृणाल पंड्या (24 रन पर एक विकेट) की गेंद को सीमा रेखा के पार भेजा। पावरप्ले के आखिरी ओवर में कृणाल ने मनदीप सिंह को पगबाधा कर 14 गेंद में 15 रन की उनकी पारी को खत्म किया। इस ओवर से सिर्फ तीन रन आये जिससे छह ओवर के बाद पंजाब का स्कोर एक विकेट पर 38 रन था।

पंद्रह साल बाद दिन रात के ऐतिहासिक टेस्ट में आमने सामने भारत और आस्ट्रेलिया की महिला टीमें

गोल्ड कोस्ट (एजेसी)। आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और आखिरी एक दिवसीय मैच में मिली जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब गुरूवार से मेजबान के खिलाफ शुरू हो रहे दिन रात के अपने पहले टेस्ट में उसी लय को कायम रखना चाहेगी।

तीसरा वनडे रविवार को खेला गया और सोमवार को विश्राम का दिन था तो मिताली राज की टीम को इस टेस्ट की तैयारी के लिये दो ही सत्र मिले। वनडे श्रृंखला में भारत को 1.2 से पराजय झेलनी पड़ी थी।

भारतीय टीम पहली बार गुलाबी गेंद से खेल रही है लिहाजा खिलाड़ियों को तनिक भी आभास नहीं है कि चमकदार गुलाबी गेंद का क्या असर होगा। आस्ट्रेलिया ने दिन रात का एकमात्र टेस्ट नवंबर 2017 में खेला था। उसे भी अभ्यास का ज्यादा मौका नहीं मिल सका लेकिन मेट्रिकॉन स्टेडियम की हरी भरी पिच पर उसके तेज गेंदबाज कहर बरपा सकते हैं।

भारत ने सात साल बाद पहला टेस्ट खेलते हुए जून में इंग्लैंड को ड्रॉ पर रोका था। खिलाड़ियों और विशेषज्ञों का हालांकि मानना है कि गुलाबी गेंद की चुनौती काफी कठिन होगी। भारत और आस्ट्रेलिया ने आखिरी टेस्ट 2006 में खेला था। दोनों टीमों की मौजूदा खिलाड़ियों में सिर्फ मिताली राज और झूलन गोस्वामी ही हैं जो वह टेस्ट खेल चुकी हैं। भारत की पूर्व कप्तान और बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य शांता रंगास्वामी ने कहा, ''मैं इसे भारतीय टीम की अग्निपरीक्षा कहूंगी। खिलाड़ियों ने पिछले तीन चार साल में लाल गेंद से ही कम खेला है। दिन रात का टेस्ट तो बिल्कुल ही अलग है और चुनौती

काफी कठिन है।'' उन्होंने कहा, ''आस्ट्रेलिया के पास टेस्ट क्रिकेट का अनुभव अधिक है लेकिन उनके खिलाड़ियों ने भी हाल में अधिक मैच नहीं खेले हैं। भारत ने वनडे श्रृंखला में दिखा दिया है कि आस्ट्रेलिया को हराया जा सकता है।'' हरमनप्रीत कौर की फिटनेस पर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है हालांकि उन्होंने नेट अभ्यास किया। वनडे श्रृंखला में प्रभावी पदार्पण करने वाले तेज गेंदबाज मेघना सिंह, बल्लेबाज यस्तिका भाटिया को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिल सकता है। अनुभवी झूलन , मेघना और पूजा वस्त्रकार तेज आक्रमण का जिम्मा संभालेंगे जबकि स्पिन गेंदबाजी का दारोमदार स्नेह राणा और दीप्ति शर्मा पर होगा। विकेटकीपर तानिया भाटिया की वापसी तय है जबकि वनडे श्रृंखला से बाहर रही पूनम राउत भी खेल सकती हैं।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया को मैच से पहले झटका लगा चूंकि उनकी उपकप्तान रशेल हैंस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गई। कप्तान मेग लानिंग ने कहा कि टीम तेज गेंदबाजी हरुनमौला या विशेषज्ञ बल्लेबाज को उनकी जगह उतारेगी। वनडे में अच्छा प्रदर्शन करने वाली अन्नाबेल सदरलैंड को मौका मिल सकता है। टीमें: भारत: मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, पूनम राउत, जेमिमा रौद्रिगेज, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, यस्तिका भाटिया, तानिया भाटिया, शिखा पांडे, झूलन गोस्वामी, मेघना सिंह, पूजा वस्त्रकार, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, रिचा घोष।

आस्ट्रेलिया: मेग लानिंग (कप्तान), डार्सी ब्राउन, मेटलान ब्राउन, स्टेला कैंपबेल, निकोला कारी, हन्नाह डार्लिंगटन, एशले गार्डनर, एलिसा हीली, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनू, बेथ मूनी, एलिसे पैरी, जॉर्जिया रेडमेन, मोली स्ट्रानो, अन्नाबेल सदरलैंड, टायला ब्लेमिंक, जॉर्जिया वेयरहैम।

मैं हमेशा ऐसी फिल्में करना चाहती हूं, जो महिलाओं को सही ढंग से चित्रित करें: भूमि पेडनेकर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का कहना है कि वह ऐसी फिल्में करना चाहती हैं जो महिलाओं को सही ढंग से चित्रित करें। वह उन निर्देशकों की आभारी हैं जिनके साथ उन्होंने अब तक काम किया है। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन के लिए समान दृष्टिकोण भी साझा किया है। भूमि ने हिंदी सिनेमा में अपने सफर की शुरूआत 2015 में हिट फिल्म दम लगा के हईशा से की थी। इसके बाद उन्हें टॉयलेट एक प्रेम कथा, सोन चिड़िया, शुभ मंगल सावधान, बाला और सांड की आंख जैसी फिल्मों में देखा गया। अभिनेत्री

अब अपनी आगामी लाइन अप का इंतजार कर रही है, जिसमें मि. लेले, बधाई दो और रक्षा बंधन शामिल है। अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा अपनी फिल्म की पसंद के बारे में सुपर आश्वस्त रही हूं। मैं हमेशा चाहती हूं कि वे अलग और अद्वितीय हों, साथ ही उनमें एक संदेश हो, सबसे महत्वपूर्ण बात हो कि फिल्म में महिलाओं को सही ढंग से चित्रित किया गया हो। भूमि ने कहा कि एक महिला के रूप में, मुझे लगता है कि यह मेरा कर्तव्य है कि मैं ऐसी स्क्रिप्ट चुनूं जो महिलाओं को बहुत गरिमा के साथ चित्रित करती हैं। मुझे खुशी है कि मुझे शानदार स्क्रिप्ट के कारण इस तरह के किरदार निभाने का मौका मिला है। अभिनेत्री खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें ऐसे निर्देशक मिले हैं जिनके पास महिलाओं को एक निश्चित तरीके से चित्रित करने की अद्भुत दृष्टि है, जो समाज को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी अवसरों के लिए भाग्यशाली हूं, जिन्होंने मुझे ऐसे किरदार निभाने की अनुमति दी, जो अपने और समाज के लिए खड़े हुए। मैं अपने पात्रों से गहरे स्तर पर जुड़ी हूं, और शायद यही वजह है कि लोगों ने भी उन्हें प्यार किया है। इसके लिए मैं अपने उन निर्देशकों और निमार्ताओं की ऋणी हूं, जिन्होंने मुझे पर्दे पर ऐसी आधुनिक भारतीय महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए फिट देखा। **(एजेंसी)**

डेमी लोवाटो ने याद किया एलियन एनकाउंटर

गायिका डेमी लोवाटो ने अपने 28वें जन्मदिन पर एक एलियन से संपर्क करने का दावा किया है। नई पीकोक सीरीज अनआइडेंटिफाइड में डेमी अपनी बहन डलास और उनके सबसे अच्छे दोस्त मैथ्यू के साथ हैं, जो उन्हें यूएफओ हॉट स्पॉट की एक सीरीज पर जाते हुए देखता है। कूल फॉर द समर हिटमेकर ने साझा किया, मेरे 28 वें जन्मदिन पर मुझे बहुत गहरा अनुभव हुआ। मैंने एलियन से संपर्क किया और यह एक बहुत ही अच्छा अनुभव था। तब से, मैंने इसे और ज्यादा देखना शुरू कर दिया

और मैं इसके बारे में एक शो करना चाहती हूं। उस अनुभव को याद करते हुए, उन्होंने कहा, मैंने प्रोटोकॉल करने की कोशिश की जहां आप संपर्क करते हैं, और अचानक कुछ आसमान में सीधे हमारे ऊपर दिखाई देता है। लोवाटो ने कहा, यह बड़ी रोशनी थी जिसने लगभग आकाश में एक प्रश्न चिह्न बनाया और फिर यह बिल्कुल पीछे हटने जैसा था। मुझे एहसास हुआ तब कि मेरा जीवन शायद आध्यात्मिक तरीके से बदलने वाला है, क्योंकि इस यात्रा के साथ मेरा आध्यात्मिक संबंध है। फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के अनुसार, गायिका, जिसे 2018 में ड्रग ओवरडोज के बाद तीन स्ट्रोक और दिल का दौरा पड़ा था। उन्होंने कहा, वह अपने अनुभव से डरी नहीं और खुश होकर वास्तव में इसे साझा किया। चार्ट-टॉपिंग स्टार ने एंटरटेनमेंट वीकली को बताया, आप सोचेंगे कि मैं पागल हो गई हूं, लेकिन इन अनुभवों में मैंने जो पाया है वह प्यार है और कोई डर नहीं है। इन लोगों से आपको जो भावना मिलती है वह बहुत प्रेमपूर्ण है और यह स्वीकार करना कि आप संपर्क करने में सक्षम हैं तो यह केवल अत्यधिक आनंद होता है। जब मैं कहती हूं कि संपर्क करें, तो मेरा मतलब है कि जानबूझकर ध्यान करने की कोशिश करें और दृष्टि को प्रकट करने का प्रयास करें। ऐसा नहीं है कि मैं वास्तव में, इनके साथ हाथ मिला रही हूं, हालांकि मैं इसे पसंद करूंगी। मुझे लगता है कि ये बेहद शांतिपूर्ण हैं जब वे दिखाई देते हैं, तो आप बिल्कुल उस अवधारणा को महसूस कर सकते हैं। **(एजेंसी)**

नेहा कक्कड़ के गाने कांटा लगा ने हासिल किए 100 मिलियन व्यूज!

नेहा कक्कड़, यो यो हनी सिंह, और टोनी कक्कड़ के गाने कांटा लगा ने 100 मिलियन व्यूज पार कर लिये हैं। नेहा कक्कड़, यो यो हनी सिंह, और टोनी कक्कड़ का गाना कांटा लगा उनके फैंस द्वारा काफी सराहा जा रहा है। इस गाने ने 100 मिलियन व्यूज पार कर लिये हैं। टोनी कक्कड़ द्वारा रचित और लिखित यह

गाना नेहा कक्कड़, टोनी कक्कड़ और यो यो हनी सिंह द्वारा परफॉर्म किया गया है और इसका वीडियो मिहिर गुलाटी द्वारा निर्देशित किया गया है। नेहा कक्कड़ ने कहा, मुझे श्रोताओं के समक्ष ऐस गाना प्रस्तुत कर के बेहद खुशी होती है जिसका वे आनंद ले सकें। टोनी और यो यो हनी सिंह के साथ काम करना बेहद आनंददायक था और मुझे खुशी है कि हमारी यह जुगलबंदी कांटा लगा के रूप में सामने आई है। श्रोताओं का इस तरह हमारे गाने को पसंद करना हमारे दिलों को छू जाता है। टोनी कक्कड़ ने कहा, मैं श्रोताओं का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने हमारे द्वारा बनाए गए पार्टी सॉन्ग कांटा लगा को इतने प्यार से स्वीकार किया है। मैं चाहता हूं कि हमारे श्रोता इस गीत के साथ सुखद यादें बनाएं। देसी म्यूजिक फैक्ट्री के लिए बनाए गए मेरे प्रत्येक गाने ने बहुत प्यार बटोरा है यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है और मैं लोगों का शुक्रगुजार हूं। यो यो हनी सिंह ने कहा, मैं आभारी हूं कि श्रोताओं ने मेरे इस गाने को इतना प्यार दिया। इस गाने को मिली प्रतिक्रिया बहुत ही अद्भुत है, उन्होंने कॉमेंट सेक्शन में अपने विचार व्यक्त कर खूब प्यार बरसाया है। मेरे लिए सफलता का यह मतलब है कि श्रोताओं के समक्ष ऐसा गाना पेश करना जो उन्हें मंत्रमुग्ध कर दे और मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि कांटा लगा एक ऐसा ही गाना है। **(एजेंसी)**

लंदन में धूमधाम से मना रॉनी रॉड्रिक्स का जन्मदिन

मुम्बई.ओपन सर्च

पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के साथ-साथ सिने बस्टर मैगजीन प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी संपादक और मालिक श्री रॉनी रॉड्रिक्स ने अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ, काम करने वाले पूरे स्टाफ को लंदन ले जाने का

फैसला किया और 18 सितंबर 2021 को ब्लू ऑर्किड होटल के टावर सुइट्स का बैंक्वेट हॉल सुबह से ही पार्टी की तैयारी से गुलजार था। रोनी सर ने इस विशेष पार्टी के लिए भारत से एक प्रसिद्ध डीजे एलेक्स को खास तौर से लंदन बुलाया और उन्होंने स्थानीय कार्यक्रम आयोजकों के साथ प्रभावशाली व्यवस्था की। सिने बस्टर के श्री अश्विन और श्री केविन ने भी पार्टी को सफल बनाने के लिए

कड़ी मेहनत की शाम को मुंबई से आए सभी लोग प्रिय रॉनी सर के स्वागत के लिए एकत्रित हुए। मुंडे न्यूज़ चैनल के श्री रमाकांत मुंडे जो सिने बस्टर पत्रिका के फोटो समाचार संपादक भी हैं, को कुछ स्थानीय भारतीयों को भी इस पार्टी के लिए आमंत्रित किया गया था। जैसे श्री रतन भाटिया, श्रीमती रीमा भाटिया, श्री हेमंत कुकेडिया, श्रीमती हर्शिका हेमंत कुकेडिया और श्री निलेश मल्होत्रा जी सभी ने रोनी सर का स्वागत किया, जो लंदन की सुंदरियों की चौकड़ी द्वारा घिरे हुए थे। तुरंत ही डांस फ्लोर को खोल दिया गया और रॉनी सर ने अपने बेदाग अंदाज में लंदन की सुंदरियों के साथ शानदार डांस परफॉर्मेंस दी। अधिकांश अतिथि उनके साथ शामिल हुए और डांस फ्लोर पर नृत्य के विभिन्न स्वाद देखने को मिले। रॉनी सर ही एकमात्र ऐसे मेजबान होंगे जिन्होंने भारतीय परंपरा के अनुसार ढेर सारे करेंसी नोट बांटे। वह एकमात्र

ऐसे मेजबान होंगें, जिसने डांस फ्लोर पर ब्रिटिश मुद्रा की बौछार की। डांस फ्लोर स्टर्लिंग पाउंड से बिछ गया था। सभी लंदनवासी यह देखकर अचंभित थे क्योंकि उन्होंने लंदन में किसी भारतीय द्वारा आयोजित किसी भी पार्टी में ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा था। यही रॉनी सर की विशिष्टता है क्योंकि वह हमेशा इस बात पर कायम रहते हैं कि भारतीय किसी भी देशवासी से कम नहीं हैं जिसमें अंग्रेजों भी शामिल हैं। जब डांस फ्लोर पर रोनी सर ने मैं हु डॉन... सहित अपने पसंदीदा बॉलवुड गाने गाते हुए देखा तो वहां मस्ती और उल्लास था। देवा श्रीगणेशा ... गाना बजने लगा तो सब लोग उठकर नाचने लगे और वहाँ महाद्वीपीय भोजन परोसा गया था। लेकिन एकमात्र रोड़ा यह था कि भारतीय चावल के स्थान पर इटालियन चावल परोसा गया था। इटालियन चावल दुनिया भर में महंगा है लेकिन यह मुंबई के धारावी प्रांत की मलिन बस्तियों में खाया जाता है, रोनी सर ने व्यक्त किया। विडंबना यह है कि धारावी की झुग्गी बस्तियों में गरीब लोग इस तरह के चावल खाते हैं जो विदेशों में फाइव स्टार होटलों में अत्यधिक कीमत पर परोसे जाते हैं। नीलेश मल्होत्रा अभिनेता, निर्देशक और निर्माता उनकी अंग्रेजी फिल्म हंकी पनकी को कान्स फिल्म समारोह में मुख्य अभिनेता, निर्देशक और निर्माता के रूप में 88 देशों में से और 50000 फिल्मों में से चुना गया था और उनकी नई हिंदी फिल्म मिस्टी पे तैयार है और जल्द ही इसी साल या अगले साल मार्च तक रिलीज होगी। नीलेश मल्होत्रा को मिस्टर रॉनी रॉड्रिक्स की बर्थडे पार्टी के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

निलेश मल्होत्रा अपनी नई फिल्म की रेकी के लिए यूरोप में आए हुए थे। उन्हों ने यूरोप से लंदन आ कर इस बर्थडे पार्टी में रौनक बड़ा दी। अगले दिन रॉनी सर ने अपने चचेरे भाई सावियो का जन्मदिन लंदन में बहुत धूमधाम से मनाया। भारी आवाज में सावियो ने आभार व्यक्त किया और बहुत खुश हुए। सुनहरे दिल वाले

रॉनी रॉड्रिक्स अपने कर्मचारियों को एक परिवार की तरह मानते हैं। एक और उदाहरण, कर्मचारियों में से एक, सोनाली, कुछ महीनों में शादी कर रही है और रोनी सर ने उसे एक आश्चर्यजनक उपहार दिया जिससे उसकी आंखों में आंसू आ गए। रॉनी सर ने उन्हें अग्रिम शादी के तोहफे के रूप में एक महंगा हीरे जड़ित चोकर हार भेंट किया। इस इशारे ने कई लोगों की आंखें नम कर दीं। हैवी ड्यूटी म्यूजिक, डांसिंग और डाइनिंग के

साथ यह पार्टी भी सफल रही। इस पार्टी में भी रॉनी सर की ओर से भारी मुद्रा बौछार देखी गई। उन्होंने की पैसोंकी बारिश, वो भी ब्रिटिश पाउंड में, ये एक अपने आप में एक मिसाल हैं। उनके सुनहरे दिल वाले व्यक्तित्व का एक और पहलू यह था कि उन्होंने पार्टी के दौरान की गई कड़ी मेहनत के लिए होटल के कर्मचारियों को स्टर्लिंग पाउंड में भारी मात्रा में इत्तला दी। कुल मिलाकर, लंदन में भारतीय व्यवसायी रॉनी रॉड्रिक्स के जन्मदिन की पार्टी में हर किसी के पास एक शानदार समय और एक धमाका था जो कोई भी अपने जीवन मी कभी भूल नही पायेंगा और रमाकांत मुंडे ने मुंडे न्यूज चैनल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय समाचार कवरेज प्रदान करने के लिए रोनी रोड्रिगेज को धन्यवाद दिया।

काइली जेनर

मैं हमेशा से एक अच्छी एक माँ बनना चाहती थी

रियलिटी टीवी हस्ती और मेकअप मॉगल काइली जेनर हमेशा से एक माँ बनना चाहती थी। उन्होंने कहा कि कुछ सालों में अपनी बेटी स्टॉर्मी को बढ़ते हुए देखना उनकी लाइफ का बेस्ट पार्ट है।

उन्होंने कहा कि मातृत्व वास्तव में कुछ ऐसा है जो मैं हमेशा से चाहती थी। स्टॉर्मी के साथ मेरे अनुभव पिछले कुछ वर्षों में मेरे जीवन का सबसे अच्छा हिस्सा है।

फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के

अनुसार काइली दिन में एक बार अपने बच्चे का पालन-पोषण और देखभाल खुद करती हैं और अन्य माताओं से खुद के प्रति दयालु होने का आग्रह करती हैं।

काइली के अनुसार मॉम्स को खुद के साथ कोमल रहना चाहिए। मातृत्व एक संतुलनकारी कार्य है, और मैं दिन में एक बार इसे अच्छे से करने की कोशिश करती हूं।

काइली अपना खुद का बेबी केयर कलेक्शन, काइली बेबी लॉन्च कर रही है, जिसमें शैंपू, कंडीशनर, बबल बाथ, टॉवल और ट्रैवल केस शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि उनका नया उद्यम एक सपने के सच होने जैसा है।

काइली ने ऐले डॉट कॉम को बताया कि अपने बच्चों के लिए सुरक्षित और प्रभावी उत्पाद बनाना मेरा एक सपना था।

एक नई माँ के रूप में, मैं उन उत्पादों के बारे में उत्सुक और जागरूक थी जो मेरी बेटी के बालों और त्वचा के लिए सबसे अच्छा काम करेंगे। इस तरह मुझे स्वच्छ फार्मूलों के साथ एक बेबी लाइन लॉन्च करने का विचार आया।

जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित की जाएगी नई शॉर्ट फिल्म "हंच"

राजू बोहरा.ओपन सर्च

जल्द ही नेशनल और इंटरनेशनल फिल्म समारोहों में एक नई शॉर्ट फिल्म ''हंच'' को दिखाया जायेगा, जिसका निर्माण कार्य इन दिनों जम्मू-कश्मीर की खूबसूरत वादियों में किया जा रहा है। रहस्य, रोमांच और सस्पेस थ्रिलर विषय पर बन रही इस नई शॉर्ट फिल्म का निर्माण ''फिल्म रेसिपी इंडिया'' और ए.वी.डी.मोशन पिक्चर्स जम्मू के बैनर तले किया सयुक्त रूप से किया जा रहा है, जबकि इसे प्रस्तुत कर रही है मुंबई की प्रतिष्ठित कंपनी ''कॉन्टेंट फैक्ट्री''। इस फिल्म के प्रोड्यूसर मोहित मटटू और अतुल दुग्गल इस प्रोजेक्ट को लेकर बहुत आशावान हैं। शॉर्ट फिल्म ''हंच'' में मुख्य भूमिकाओ को जानेमाने अभिनेता मोहित मट्टू और जानीमानी अदाकारा अर्पणा कँवल निभा रहे है और इसके लेखक-निर्देशक शिव कुमार है। अपनी इस नई चर्चित शॉर्ट फिल्म को लेकर फिल्म और टीवी अभिनेता मोहित मट्टू बेहद उत्साहित है। उन्होंने कहा हाल ही में जेके फिल्म पॉलिसी'' के लॉन्च के बाद यह हमारा पहला प्रोजेक्ट है और हम सभी अपने इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित है। क्योकि हमे सरकार का पुलिस प्रसाशन का, सभी बड़े अधिकारियो का और फिल्म के क्षेत्र से जुड़े सभी तरह के लोगो का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके लिए में विशेष तौर से अतुल कुमार गोयल जी डीआईजी जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज, चंदन खोली जी एसएसपी जम्मू, राकेश दुबे जी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जम्मू, श्रीधर पाटिल, एसएसपी सीआईडी जम्मू, विनय शर्मा और एसएसपी एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ), जम्मू का आभार व्यक्त करना चाहूगा जिनका हमे हर तरह से भरपूर सहयोग मिला। इन सभी हस्तियो ने हमारी इस फिल्म को लॉन्च किया और शूटिंग में भी भरपूर सहयोग किया जिसके लिए में पुनः सभी का धन्वाद करता हूँ। फिल्म में मेरा किरदार बहुत दिलचस्प है। जिसके लिए मैं निर्देशक का शुक्रगुजार हूं, जिनकी पिछ्ली फिल्म महाभोज ने उन्हें लगभग 25 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में पहचान दिलाई और टोरंटो के टिनफ और कुआलालंपुर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों सहित विभिन्न फिल्म समारोहों में 15 पुरस्कार जीते। यह फिल्म भी जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित की जाएगी और मुझे पूरी उम्मीद है हमारी यह नई शॉर्ट फिल्म ''हंच'' भी समारोहों में अवार्ड जितने में जरुर सफल होगी। सबसे बड़ी खुशी की बात यह है की इसके सभी टेक्नीशियन और इसके डीओपी संजय कुमार जम्मू-कश्मीर से ही है।

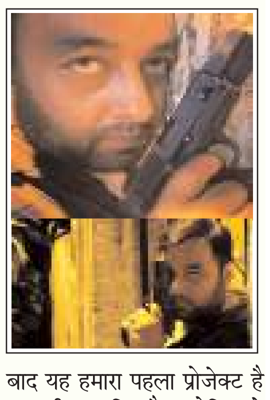

अनुराग बसु, राहुल मित्रा, बोमन ईरानी और हुमा कुरैशी ने ताशकंद फिल्मोत्सव में रेड कार्पेट पर किया वॉक

ओपन सर्च.संवाददाता

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव ने एक भव्य समारोह में अंतर्राष्ट्रीय ताशकंद फिल्म महोत्सव द सिल्क रोड पर्ल का उद्घाटन किया। इस फिल्म महोत्सव में बॉलीवुड के नामचीन कलाकारों रणधीर कपूर, मिथुन चक्रवर्ती, राहुल मित्रा, बोमन ईरानी, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, राहुल रवैल, अनुराग बसु, हुमा कुरैशी, गुलशन ग्रोवर, जावेद जाफरी, संजय गुप्ता, नीरज पाठक, दीपक तिजोरी, कुणाल कपूर, डिनो मोरिया, जसबीर जस्सी, रितु बेरी के अलावा हॉलीवुड और अंतरराष्ट्रीय स्तर के चुनिंदा सितारों, जैसे- स्टीवन सीगल, तैमूर बिकमम्बेतोव, रॉब मिंकॉफ, जेरार्ड डेपर्डी आदि को सम्मानित किया गया। शांति, ज्ञान और प्रगति की थीम पर

आधारित फिल्मोत्सव के इस संस्करण में भारत, इटली, रूस, मिस्र, अजरबैजान, बेलारूस, इज़राइल, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पोलैंड, ताजिकिस्तान और तुर्की सहित 15 देश भागीदारी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संजय गुप्ता की मुंबई सागा, अनुराग बसु की लूडो और राहुल मित्रा की संजय दत्त अभिनीत फिल्म तोरबाज, जिसे पड़ोसी मुल्क किर्गिस्तान में शूट किया गया था, इस फिल्मोत्सव में प्रदर्शित की जाएंगी।